शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 344 | गुवाहाटी | रविवार, 14 जुलाई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पिछले 3-4 वर्षों में भारत में 8 करोड़ नए रोजगार सृजित हुए : पीएम पेज 2
न्याय की विफलता : राज्य के व्यक्ति को विदेशी घोषित किए ... पेज 3
डमी अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा देते बीस को पकड़ा पेज 5
रोजर फेडरर की बराबरी करने से एक कदम दूर जोकोविच... पेज 7

उपचुनाव में विपक्ष ने एक बार फिर पलट दिए नतीजे

इंडिया-10
भाजपा-2

नई दिल्ली। विपक्षी इंडिया गुट उन 13 सीटों में से दस सीटें जीतकर सत्तारूढ़ एनडीए को एक बार फिर कड़ी चुनौती देता नजर आया। हालिया लोकसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत के आंकड़े से पीछे रोक देने वाली विपक्षी दलों की इंडिया अलायंस ने एक बार फिर उसे 2 सीटों पर ही उपचुनाव में समेट दिया। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल उपचुनाव में एक बार फिर अपना दमदार प्रदर्श दिखाते हुए प्रदेश की सभी चार सीटें जीत लीं। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने तीन में से दो सीटें जीत लीं, जबकि मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू की पत्नी कमलेश ठाकुर देहरा में बड़ी प्रतिद्वंद्वी के रूप में उभरीं। उत्तराखंड में कांग्रेस बद्रीनाथ और मंगलौर दोनों विधानसभा सीटों पर कब्जा करने में सफल रही। पंजाब में शासन करने वाली आम आदमी पार्टी (आप) ने त्रिकोणीय मुकाबले में जालंधर पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र हासिल कर लिया। तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने विक्रवंडी विधानसभा क्षेत्र सुरक्षित कर लिया। पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु, पंजाब और बिहार के प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में वोटों की गिनती सुबह 8 बजे शुरू हुई। पंजाब की जालंधर पश्चिम सीट पर आप के मोहिंदर भगत ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और कांग्रेस उम्मीदवार सुरिंदर कौर को 37,325 वोटों से हराया। आप विधायक शीतल अंगुराल के भाजपा में शामिल होने के बाद इस निर्वाचन क्षेत्र में उपचुनाव की घोषणा की गई थी। हिमाचल प्रदेश के अपने गृह क्षेत्र में कांग्रेस ने उपचुनाव वाली सभी तीन सीटों पर मजबूत प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने अपनी पत्नी कमलेश ठाकुर को देहरा में जीत की बधाई दी। ठाकुर ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के होशियार सिंह को 9,399 मतों के अंतर -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में तृणमूल ने किया क्लीन स्वीप

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में रिक्त हुई विधानसभा की चारों सीटों पर एक बार फिर तृणमूल ने भाजपा को तगड़ा झटका दिया है। पश्चिम बंगाल की जिन चार सीटों पर उपचुनाव हुए हैं, उन सभी पर पार्टी ने जीत दर्ज कर ली है। इनमें से तीन मानिकतला, रानाघाट दक्षिण और बगदाह दक्षिण बंगाल में हैं। रायगंज उत्तर बंगाल में है। वर्ष 2021 में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा ने राणाघाट दक्षिण, बगदाह और रायगंज से जीत -शेष पृष्ठ दो पर

टूट चुका है भाजपा का बुना गया भय और भ्रम का जाल : राहुल

नई दिल्ली। सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों में से 10 पर इंडिया ब्लॉक की जीत दर्ज होने के बाद कांग्रेस गदगद है। इसी को लेकर राहुल गांधी की भी प्रतिक्रिया आई है। राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि नतीजों ने स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा द्वारा बुना गया *भय और भ्रम* का जाल टूट गया है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि 7 राज्यों में हुए उपचुनाव के नतीजों ने स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा द्वारा बुना गया भय और भ्रम का जाल टूट चुका है। किसान, नौजवान, मजदूर, व्यापारी और -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कोई भी अपने लिए आलसी होने की और मुर्ख होने की योजना नहीं बनाता। ये सारी चीजे तो तभी होती है जब आपके पास कोई योजना नहीं होती है।

- लेरी वीनगेट

न्यूज गैलरी

मेदिनीपुर में एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त, छह की मौत

पश्चिम मेदिनीपुर (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में पश्चिम मेदिनीपुर जिले के केशपुर के पंचमी के पास रात के वक्त मरीजों को अस्पताल ले जा रही एक एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में तीन महिलाओं सहित छह लोगों की मौत हो गई, जबकि दो -शेष पृष्ठ दो पर

नाइजीरिया में स्कूल का बड़ा हिस्सा गिरा, 22 की मौत, 132 घायल

अबुजा (नाइजीरिया)। अफ्रीकी देश नाइजीरिया में सेंट अकादमी स्कूल की दोमंजिला इमारत का बड़ा हिस्सा ढहने से 22 विद्यार्थियों की मौत हो गई और 132 घायल हो गए। यह हादसा उत्तर-मध्य नाइजीरिया के पठार राज्य की राजधानी जोस में शुक्रवार सुबह करीब 9:20 बजे हुआ। नाइजीरिया के समाचार पत्र नाइजीरियन ट्रिब्यून और द -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में होने वाला है बड़ा सियासी खेल

भाजपा के कई विधायक कांग्रेस की संपर्क में : प्रद्युत

गुवाहाटी। कांग्रेस सांसद प्रद्युत बरदलै ने शनिवार को बड़ा दावा किया है। उन्होंने असम में कई भाजपा विधायकों के संपर्क में होने की बात कही। बरदलै ने कहा कि कई भाजपा विधायकों ने पार्टी में शामिल होने के बारे में उनसे और अन्य वरिष्ठ नेताओं से संपर्क किया है। अपनी आगामी राजनीतिक मामलों की बैठक के दौरान अंतिम फैसला लिया जाएगा। यह बैठक 15 से 17 जुलाई तक होने वाली है। प्रद्युत बरदलै ने कहा कि वह उन भाजपा नेताओं को पार्टी में शामिल करने के खिलाफ हैं, जिन्होंने पहले कांग्रेस के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया था। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की अंदरूनी स्थिति उतनी ठीक नहीं है, जितनी सत्तारूढ़ पार्टी दिखाने की कोशिश कर रही है। बरदलै ने कहा कि पुराने और नए भाजपा सदस्यों के बीच लगातार टकराव चल रहा है। सीएम हिमंत विश्व शर्मा के समर्थकों का प्रभाव और कार्यशैली पार्टी के कई -शेष पृष्ठ दो पर

नशे में एसयूवी चालक ने मचाया उत्पात, 15 घायल

सिलचर। असम के सिलचर में नशे में धुत एक व्यक्ति ने अपनी एसयूवी से उत्पात मचाते हुए रास्ते में आने वाले लोगों और वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में 15 लोग घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को ये जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार रात को हुई, जिससे शहर में दहशत फैल गई। एसयूवी ने पहले नगर निगम कार्यालय के पास तीन लोगों को टक्कर मारी और भागने -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम हिमंत का झारखंड दौरा 14 से

रांची (हि.स.)। झारखंड प्रदेश भाजपा का सांगठनिक कार्यक्रम लगातार जारी है। अभी कार्यकर्ता सम्मान एवं विधानसभा स्तरीय विजय संकल्प सभा सभी विधानसभा क्षेत्रों में हो रहे हैं। इसी क्रम में 14 जुलाई को केंद्रीय मंत्री एवं विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह प्रात: नौ बजे सेवा विमान से रांची आएंगे। शिवराज सिंह 11:00 बजे पूर्वाह्न खिजरी विधानसभा क्षेत्र के कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। शिवराज सिंह 14 की शाम वापस लौट जायेंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

धलाई में आदिवासी युवक की मौत पर बवाल, उपद्रवियों ने दुकानों में लगाई आग-घर क्षतिग्रस्त, धारा 144 लागू

अगरतला। त्रिपुरा के धलाई जिले में एक आदिवासी युवक की मौत के बाद दो समूहों के बीच हिंसक झड़प हो गई। जिसके बाद कई दुकानों में आग लगा दी गई और घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। झड़प के बाद स्थिति को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने पूरे इलाके में धारा 144 लागू कर दी है। 7 जुलाई को धलाई जिले के गंडतविसा में दो समूहों के बीच झड़प में गंभीर रूप से घायल हुए 19 वर्षीय कॉलेज छात्र की शुक्रवार को जीबीपी अस्पताल में मौत हो गई थी। शुक्रवार की आगजनी के बाद गांव में अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है और इलाके में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। पुलिस ने कहा कि युवक की मौत के सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, -शेष पृष्ठ दो पर

असम-मेघालय सीमा मुद्दा

जल्द होगी क्षेत्रीय समितियों की बैठक : उपमुख्यमंत्री स्नियावभलंग

गुवाहाटी /शिलांग। असम और मेघालय के बीच सीमा वार्ता का एक नया दौर शुरू होने वाला है। मेघालय के उपमुख्यमंत्री स्नियावभलंग धर ने कहा कि मेघालय और असम सीमा वार्ता पर चर्चा करने के लिए पश्चिम जैंतिया हिल्स जिले की क्षेत्रीय समितियों की बैठक जल्द ही होगी। मीडिया से बात करते हुए धर ने कहा कि हम जल्द से जल्द बैठक करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि मतभेद वाले क्षेत्रों का संयुक्त दौरा मुख्यमंत्रियों के स्तर पर किया जा सकता है। अंतर-राज्यीय सीमा -शेष पृष्ठ दो पर

लोगों को नहीं होगी आवश्यक वस्तुओं की कमी : सीएम

इंफाल। मणिपुर में पिछले एक साल से दो समुदायों के बीच जारी हिंसा के बीच सरकार का फोकस लोगों को जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने पर है। शनिवार को पंजाब से 950 मीट्रिक टन चावल लेकर 15 वैगन वाली मालगाड़ी मणिपुर के खोंगसांग रेलवे स्टेशन पर पहुंची। इसे लेकर सीएम एन बीरेन सिंह ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि लोगों को आवश्यक वस्तुओं की कमी का सामना न करना पड़े, इसके लिए सरकार पूरी -शेष पृष्ठ दो पर

अब झुमुर नृत्य पर विश्व रिकॉर्ड बनाना राज्य सरकार का लक्ष्य

गुवाहाटी। असम सरकार नवंबर में गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में होने वाले एक बड़े झुमुर नृत्य कार्यक्रम के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी कर रही है। यह महत्वाकांक्षी पहल राज्य द्वारा वैश्विक मंच पर बिहू के सफल प्रचार के बाद की गई है। बिहू की अंतर्राष्ट्रीय पहचान के समान झुमुर को प्रदर्शित करने का निर्णय, असम की सांस्कृतिक समृद्धि को दुनिया भर में उजागर करने का लक्ष्य रखता है। सांस्कृतिक विभाग 10,000 से -शेष पृष्ठ दो पर

सीमावर्ती क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएं : केंद्रीय गृहमंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को सीमावर्ती गांवों के निवासियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने और ऐसे दूरदराज के क्षेत्रों से पलायन को रोकने के लिए कनेक्टिविटी बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सीमांत गांवों से पलायन रोकने के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएं जाए और गावों के साथ संपर्क भी बढाएं जाएं। अमित शाह ने बैठक में आगे कहा कि सीमांत गांवों के आस-पास तैनात सीएपीएफएस और सेना को सहकारिता के माध्यम से स्थानीय कृषि और हस्तशिल्प उत्पादों की खरीद को बढ़ावा देना चाहिए। सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के स्वास्थ्य केंद्रों और उनकी सुविधाओं का लाभ नजदीकी गांवों के निवासियों को नियमित रूप से मिले। वहीं वाइब्रेंट विलेजर्स में सौर -शेष पृष्ठ दो पर

क्षेत्रीय भाषाओं में होनी चाहिए कानून की पढ़ाई : सीजेआई

लखनऊ (हि.स.)। भारत के मुख्य न्यायधीश डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को लखनऊ के डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में लॉ की पढ़ाई को क्षेत्रीय भाषा में कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अक्सर देश के तमाम शिक्षाविदों से विचार विमर्श करता हूं कि कैसे कानून की पढ़ाई को सरल भाषा में पढ़ाया जा सके। अगर हम कानून के सिद्धांतों को सरल भाषा में आम जनता को नहीं समझा पा रहे हैं -शेष पृष्ठ दो पर

निजी कंपनियों के टैरिफ बढ़ने से लाखों लोगों ने पोर्ट किए बीएसएनएल के सिम

नई दिल्ली। देश में एक दौर था जब भारत संचार निगम लिमिटेड (बी.एस.एन.एल.) का सिम हासिल करने के लिए लंबी कतारें लगती थी, उसके बाद वह दौर भी आया जब बी.एस.एन.एल. निजी कंपनियों के आगे बौना साबित हो गया और इस ग्राहकों ने अपने मोबाइल नंबर निजी टेलीकॉम ऑपरेटर को पोर्ट करा दिए। दरअसल सरकार की नीतियों के चलते यह निजी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा ही नहीं कर पाया। अलबत्ता अब बी.एस.एन.एल. के पास कमाई का एक और मौका हाथ लगा है जब देश की प्रमुख टेलीकॉम कंपनियां, जियो, एयरटेल और वी.आई. (वोडाफोन), ने इसी महीने से अपने बढ़े हुए टैरिफ लागू कर दिए। टैरिफ में बढ़ोतरी इतनी ज्यादा है कि लाखों लोग सस्ते प्लान के लिए अपने सिम बी.एस.एन.एल. में पोर्ट करवा रहे हैं। जियो और एयरटेल के बढ़े हुए दाम 3 जुलाई से लागू हो गए, जबकि वी.आई. के दाम 4 जुलाई से लागू हुए हैं। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी जियो ने की है, जिसने अपने प्लान के दाम 12 से 25 प्रतिशत तक बढ़ा दिए हैं। एयरटेल ने 11 से 21 प्रतिशत तक की वृद्धि की है, -शेष पृष्ठ दो पर

2069 के बाद घटने लगेगी भारत की जनसंख्या : संरा

संयुक्त राष्ट्र (हि.स.)। चीन को पछाड़ कर दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाले देश भारत की जनसंख्या में वर्ष 2069 2060 के बाद भारत में जनसंख्या कम होने लगेगी। विश्व जनसंख्या पर संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत की जनसंख्या 2060 में अपने चरम पर होगी, लेकिन इसके बाद जनसंख्या में गिरावट शुरू हो जाएगी। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश भारत मौजूदा सदी (2100) के अंत तक 150 करोड़ के साथ सबसे अधिक आबादी वाला देश बना रहेगा। मौजूदा समय में भारत की आबादी करीब 145 करोड़ होने का अनुमान है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि बड़े आकार और प्रजनन क्षमता में गिरावट की वजह से सदी के अंततक चीन में सबसे बड़ी जनसंख्या गिरावट (78.6 करोड़) आने की संभावना है। वर्तमान में दुनिया की दूसरी सब सेबड़ी आबादी वाला देश चीन, 2024 और 2054 (20.4 करोड़) के बीच जनसंख्या में बड़ी गिरावट आएगी। वहीं 2100 आते-आते चीन की आबादी वर्तमान समय से आधी सेभी कम यानी करीब 63 करोड़ रह जाएगी। मौजूदा समय में चीन की आबादी करीब 140 करोड़ है। रिपोर्ट के अनुसार -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements à¿lease contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

पिछले 3-4 वर्षों में भारत में 8 करोड़ नए रोजगार सृजित हुए : पीएम

नई दिल्ली/मुंबई (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मुंबई में 29,400 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करते हुए कहा कि पिछले तीन-चार वर्षों में भारत में आठ करोड़ नए रोजगार सृजित हुए हैं। उन्होंने कहा कि इससे रोजगार पर फर्जी खबरें फैलाने वालों के मुंह बंद कर दिए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश को कौशल विकास और रोजगार की जरूरत है और हमारी सरकार इस दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार का विजन यह सुनिश्चित करना है कि वंचित लोग आगे आएं। पिछले वर्षों में, हमने 4 करोड़ से अधिक लोगों को पक्के घर दिए हैं और आने वाले वर्षों में, हम 3 करोड़ और लोगों को पक्के घर देंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वनिधि योजना के तहत, हमने 90 लाख लोगों को लाभ दिया है। मुंबई में 1.5 लाख लोगों ने इस योजना का लाभ मांगा है। जिन लोगों ने स्वनिधि के तहत ऋण लिया है, वे पूरा ऋण भी वापस कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से मुंबई में जश्न मनाए जा रहे हैं। शहर ने हमारी जीत का खुशी से स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि लोग जानते हैं कि केवल एनडीए सरकार ही स्थिरता ला सकती है। मोदी ने कहा कि मैंने कहा था कि तीसरे कार्यकाल में एनडीए सरकार तीन गुना गति से काम करेगी और आज हम इसे होते हुए देख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र का इतिहास, वर्तमान और मजबूत भविष्य का सपना समृद्ध है। विकसित भारत में महाराष्ट्र की भूमिका मजबूत है। महाराष्ट्र में उद्योग, कृषि और वित्त क्षेत्र की ताकत है। इस ताकत ने मुंबई को वित्तीय राजधानी बनाया है और मेरा लक्ष्य मुंबई को फिनटेक राजधानी बनाना है। मोदी ने कहा कि आज मुंबई में शुरू की गई विकास परियोजनाओं से मुंबई और आसपास के क्षेत्रों की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि इनमें रोड और रेल परियोजनाओं के अलावा महाराष्ट्र के नौजवानों के कौशल विकास की बहुत बड़ी योजना भी शामिल है। इससे शहर के बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय सुधार होगा तथा नागरिकों को बहुत लाभ होगा। प्रधानमंत्री ने गत माह केंद्र सरकार द्वारा महाराष्ट्र के लिए वधावन पोर्ट को स्वीकृति का जिक्र करते हुए कहा कि 76 हजार करोड़ रुपए के इस प्रोजेक्ट से यहां 10 लाख से ज्यादा रोजगार बनेंगे। मुंबई मेट्रो पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मुंबई मेट्रो परियोजना की गति भी अच्छी चल रही है। 10 साल पहले, मेट्रो केवल 8 किलोमीटर लंबी थी, लेकिन अब यह 80 किलोमीटर तक पहुंच गई है। शहर में और उसके आसपास 200 किलोमीटर से अधिक मेट्रो लाइन पर काम चल रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं।

कैप्टन अंशुमान के पिता का बहू पर आरोप, कहा-

बेटे के शहीद होते ही 50 लाख रुपए लेकर मायके चली गई

नई दिल्ली। सियाचिन में शहीद हुए कैप्टन अंशुमान सिंह के माता-पिता का एक बार फिर से दर्द छलका और उन्होंने बहू स्मृति सिंह पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने बताया है उनकी बहू स्मृति सिंह कीर्ति चक्र समेत सभी पैसा लेकर घर से चली गई हैं। शहीद कैप्टन की मां मंजू सिंह ने कहा कि स्मृति अब अपने माता-पिता के साथ रह रही हैं, उन्हें उतना दर्द नहीं है, जितना मुझे है। पिता रवि प्रताप सिंह ने बताया कि स्मृति के माता-पिता कह रहे हैं कि वह अपना अधिकार लेकर गई हैं। कैप्टन अंशुमान के पिता रवि प्रताप सिंह ने कहा कि उन्हों अभी तक बेटे को मिला कीर्ति चक्र भी छूने तक नसीब नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि हमें इंश्योरेंस और राज्य सरकार की तरफ से अनुग्रह राशि मिली है। स्मृति को 50 लाख रुपए मिले हैं, जबकि हमें 15 लाख रुपए मिले। मेरे बेटे की धरोहरें भी मेरे साथ हैं। उसकी गाथाएं भी हैं। इसलिए मैं कह सकता हूं कि कहीं न कहीं मेरे हाथ तो आंशिक रूप से खाली हैं। रवि प्रताप सिंह ने कहा कि मैं उसे लेकर चाहता हूं कि स्मृति भी अपना पक्ष रखें। वह सामाजिक रूप से हमारी बहू हैं। इसके साथ ही उन्होंने स्मृति पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने कैप्टन अंशुमान के शहीद होने के बाद अनुग्रह राशि ली और वह अपने घर चली गईं।

यूएस ने दी धमकी तो एक्शन में आए एनएसए डोभाल

अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार से फोन पर की दो टूक बात

नई दिल्ली। जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस की यात्रा से वापस लौटें हैं, तभी से अमेरिका कुछ नाराज होता नजर आ रहा है। दरअसल, पीएम मोदी के रूस यात्रा से अमेरिका काफी नाराज है। भारत में तैनात अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी का धमकी भरा लहजा भारत को कतई पसंद नहीं आया है। वहीं, अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने भी चेताया था कि भारत का एक लंबे समय तक रूस पर भरोसा करना बिल्कुल सही नहीं है। दरअसल, गुरूवार को दिल्ली में एक कार्यक्रम में एरिक ने कहा था कि भारत-अमेरिका संबंध पहले से कहीं अधिक व्यापक और गहरे हैं, लेकिन ये इतने गहरे भी नहीं हैं कि इन्हें हल्के में लिया जाए। अमेरिकी राजनयिक के ये तीखे शब्द प्रधानमंत्री मोदी के रूस और ऑस्ट्रिया की दो देशों की यात्रा समाप्त करने के बाद दिल्ली पहुंचने के कुछ ही घंटों बाद आई थी। हालांकि, अब भारत ने भी इस तीखे बोल पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की। भारत की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहाकर अजित डोभाल ने शुक्रवार को जैक सुलिवन के साथ फोन पर बातचीत की। विदेश मंत्रालय ने दोनों देशों के बीच हुई बातचीत की जानकारी देते हुए बताया कि डोभाल और सुलिवन के बीच शांति और सुरक्षा की दिशा में वैश्विक चुनौतियों से निपटने पर बातचीत हुई।

सड़क हादसे में दो बाइक सवारों की मौत

शोणितपुर (हिंस)। चौकीघाट पुल के पास हुए एक सड़क हादसे में दो बाइक सवारों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि यह हादसा तेजपुर-जामुगुड़ी को जोड़ने वाले चौकीघाट पुल के पास उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने दो बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनों लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दोनों मृतकों की अभी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। घटना के संदर्भ में एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

सभी मेडिकल कॉलेजों को बनाना होगा तंबाकू निषेध केंद्र : एनएमसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने देशभर के मेडिकल कॉलेजों को तंबाकू उन्मूलन केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया है। तंबाकू के प्रतिकूल प्रभावों से निपटने और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए एनएमसी ने यह निर्देश दिया है। शुक्रवार को जारी एनएमसी के सर्कुलर में कहा गया है कि इस पहल का उद्देश्य तंबाकू की लत छुड़वाने के लिए विशेष सेवाओं को एकीकृत करके स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। सर्कुलर में प्रत्येक मेडिकल कॉलेज से जुड़े सभी अस्पतालों को तंबाकू मुक्ति केंद्र की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। यह मनोचिकित्सा विभाग और/या अन्य विभागों द्वारा संचालित विशेष क्लीनिक हो सकता है। ये केंद्र तंबाकू मुक्ति के साथ-साथ नशा मुक्ति केंद्र के रूप में भी काम करेंगे। अध्ययनों से पता चला है कि भारत में तंबाकू उपयोगकर्ताओं की संख्या विश्व में दूसरे स्थान पर है। कम से कम 12 लाख लोग हर साल तंबाकू जनित बीमारियों से मर जाते हैं। भारत में लगभग 27 प्रतिशत कैंसर तंबाकू के कारण होते हैं।

हेरोइन समेत एक तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र के जोराबाट पुलिस चौकी की टीम ने हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस चौकी के आमभेर बजार, बारह माइल में चलाए गए अभियान के दौरान करुणा दत्त (35, तामुलपुर) को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपित के पास 18 प्लास्टिक की छोटी-छोटी सीसी में भरकर रख गए 22 ग्राम हेरोइन, 53 पाउच में भरकर रख गए 212 ग्राम गांजा, एक मोबाइल फोन के अलावा नगर 460 रुपए बरामद किया गया है।

पृष्ठ एक का शेष

उपचुनाव में विपक्ष ...

से हराया।

हिमाचल प्रदेश : नालागढ़ में कांग्रेस के हरदीप सिंह बावा ने भाजपा के केएल ठाकुर को 8,990 वोटों से हराया। हमीरपुर सीट पर भाजपा उम्मीदवार आशीष शर्मा ने कांग्रेस के पुष्पिंदर वर्मा को 1,571 मतों के अंतर से हराया। भाजपा के तीनों उम्मीदवार स्वतंत्र विधायक थे, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में राज्यसभा चुनाव में भगवा पार्टी को वोट देने के बाद हिमाचल विधानसभा से इस्तीफा दे दिया था। पश्चिम बंगाल में जहां चार सीटों पर कब्जा है, तृणमूल कांग्रेस की मधुपूर्णा ठाकुर, मुकुट मणि अधिकारी, कृष्णा कल्याणी और सुप्ति पांडे ने क्रमश: बगदा, राणाघाट, रायगंज और मानिकतला में भारी जीत हासिल की। तृणमूल की राज्यसभा सांसद ममताबाला ठाकुर की बेटी मधुपर्णा (25) बंगाल विधानसभा की सबसे कम उम्र की सदस्य बनने जा रही हैं।

उत्तराखंड : उत्तराखंड के मंगलौर में कांग्रेस उम्मीदवार काजी निजामुद्दीन ने भाजपा उम्मीदवार करतार सिंह भड़ाना को 422 वोटों के अंतर से हराया। मतदान के दिन इस निर्वाचन क्षेत्र में हिंसा देखी गई थी। बद्रीनाथ में कांग्रेस के नवागंतुक लखपत सिंह बुटोला ने भाजपा के राजेंद्र भंडारी को 5,224 मतों के अंतर से हराया।

तमिलनाडु : सत्तारूढ़ द्रमुक के उम्मीदवार अन्नियुर शिवा (उर्फ शिवशानमुगम ए) ने तमिलनाडु में विक्रवंडी विधानसभा क्षेत्र में 1,24,053 वोटों से जीत हासिल की। उन्होंने सी अंबुमणि और नाम तमिलर काची के के अबिनया को हराया।

बिहार : बिहार में रूपौली उपचुनाव में जदयू के कलाधर प्रसाद मंडल को निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह ने 8,246 मतों के अंतर से हराया। मौजूदा विधायक बीमा भारती के इस्तीफे के कारण उपचुनाव जरूरी हो गया था, जिन्होंने राजद के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए जद (यू) छोड़ दिया था।

मध्य प्रदेश : मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र में, भाजपा के कमलेश प्रताप शाह ने कांग्रेस के धीरन शाह इनवाती को 3,027 वोटों के अंतर से हराया। तीन बार के कांग्रेस विधायक कमलेश शाह के मार्च में भाजपा में चले जाने के बाद यह सीट खाली हो गई थी। नतीजे पर करीबी नजर है, क्योंकि हाल तक छिंदवाड़ा को वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमल नाथ का गढ़ माना जाता था।

बंगाल में तृणमूल...

हासिल की थी जबकि तृणमूल ने मानिकतला सीट पर जीत हासिल की थी। फरवरी 2022 में पूर्व राज्य मंत्री साधन पांडे के निधन के बाद मानिकतला सीट खाली हो गई। इस बार तृणमूल ने मानिकतला सीट सुरक्षित करने के साथ सभी चार सीटें जीत लीं हैं। मतगणना के सभी दस चरणों के पूरा होने के बाद, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार कृष्ण कल्याणी ने रायगंज विधानसभा सीट पर 85 हजार से अधिक मतों से जीत हासिल की। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी और भाजपा उम्मीदवार मानस कुमार घोष 50 हजार से अधिक मतों से हरा दिया। रायगंज के अलावा बगदा में तृणमूल उम्मीदवार मधुपर्णा ठाकुर ने 30 हजार से अधिक मतों से हराया। राणाघाट दक्षिण सीट से तृणमूल के मुकुट मणि अधिकारी विजयी रहे। उन्होंने भाजपा के मनोज कुमार विस्वास को 39 हजार 48 वोटों से हराया। तृणमूल उम्मीदवार कृष्णा कल्याणी ने रायगंज विधानसभा सीट जीत ली है। उन्होंने भाजपा के मानस कुमार घोष को 50 हजार 77 वोटों से हरा दिया। कांग्रेस के मोहित सेन गुप्ता 23 हजार 116 वोट पाकर तीसरे स्थान पर रहे।

टूट चुका है भाजपा...

नौकरीपेशा समेत हर वर्ग तानाशाही का समूल नाश कर न्याय का राज स्थापित करना चाहता है। राहुल ने आगे लिखा कि अपने जीवन की बेहतरी और संविधान की रक्षा के लिए जनता अब पूरी तरह से इंडिया के साथ खड़ी है। जय हिंदुस्तान, जय संविधान। कांग्रेस ने शनिवार को उत्तराखंड की दोनों विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की, जहां उपचुनाव हुए थे, मंगलौर निर्वाचन क्षेत्र को बसपा से छीन लिया और भाजपा को हराकर बद्रीनाथ को बरकरार रखा। कांग्रेस के काजी मोहम्मद निजामुद्दीन ने भाजपा के करतार सिंह भड़ाना को 422 वोटों के मामूली अंतर से हराकर चौथी बार सीट जीती। निजामुद्दीन ने अतीत में दो बार बसपा के टिकट पर और एक बार कांग्रेस के टिकट पर सीट जीती थी। वहीं, पार्टी नेता पवन खेड़ा ने कहा कि देशभर में 13 सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे आपके सामने हैं। लोकसभा चुनाव में जनता का संदेश बहुत स्पष्ट था, लेकिन लोगों ने देखा कि सरकार में अभी भी वही घमंड और ऐंठन थी। इसलिए देश की जनता ने महीने भर में दूसरी बार भाजपा को संदेश दिया है। हम उत्तराखंड की दोनों सीट पर जीते और हिमाचल प्रदेश की भी दो सीट पर जीत हासिल की है। भाजपा को 13 सीट में सिर्फ 2 सीट मिली हैं। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि इतिहास में पहली बार हुआ होगा कि मध्य प्रदेश के अमरवाड़ा में काउंटिंग रोककर अधिकारी लंच ब्रेक कर लेते हैं। पूरा प्रशासन कांग्रेस को हराने के लिए जुट जाता है। उन्होंने कहा कि हम मतदाताओं को दिल से धन्यवाद देते हैं, क्योंकि उन्होंने ऐसे लोगों को सबक सिखाया, जो संविधान को बदलने की बात कर रहे थे। जनता ने चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने वालों को करारा जवाब दिया है।

भाजपा के कई ...

पुराने लोगों को पसंद नहीं है। पिछले कुछ महीनों में राजनीतिक गलियारों में अटकलें हैं कि भाजपा के एक पूर्व केंद्रीय मंत्री, कई मौजूदा विधायक और कुछ पूर्व विधायक अपने हजारों समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। हालांकि भाजपा नेताओं ने इन खबरों को अफवाह करार दिया है और दावा किया है कि सत्तारूढ़ पार्टी का कोई भी व्यक्ति कांग्रेस में शामिल नहीं होगा। कई विधायकों ने हमारी पार्टी से संपर्क किया है और कुछ ने मुझसे संपर्क किया है। वे कांग्रेस में शामिल होना चाहते हैं। हमारी पार्टी अंतिम फैसला लेगी और इस पर फिलहाल चर्चा चल रही है।

नशे में एसयूवी ...

की कोशिश में कैपिटल पॉइंट पर अन्य तीन लोगों को घायल कर दिया। पुलिस ने बताया कि इसके बाद उसने रेडियो स्टेशन के पास ट्रंक रोड पर तीन मोटरसाइकिलों और कुछ ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। जैसे-जैसे हिंसा बढ़ती गई, लोगों ने अपने दोपहिया वाहनों पर एसयूवी का पीछा करना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि वाहन टेनिस क्लब प्वाइंट पर रुक गया, क्योंकि सड़क की खराब स्थिति के कारण वह आगे नहीं बढ़ सका। उन्होंने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और चालक समेत कार को हिरासत में ले लिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कार में शराब की कई बोतलें मिलीं। घटना में कुल 15 लोग घायल हुए हैं।

सीएम हिमंत का ...

इसके दो दिन बाद 16 जुलाई को असम सरकार के मुख्यमंत्री और विधानसभा सह प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा का रांची आने का कार्यक्रम है। विश्व शर्मा 16 जुलाई को तोरपा और खूंटी विधानसभा क्षेत्रों के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके अगले दिन 17 जुलाई को संगठन प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी एवं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह दोनों झारखंड दौरे पर रहेंगे। डॉ वाजपेयी जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के कार्यक्रम में शामिल होंगे जबकि शिवराज रांची आएंगे और हटिया विधानसभा क्षेत्र के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

धलाई में आदिवासी युवक ...

परमेश्वर रियांग अपने दोस्तों के साथ रथ यात्रा के अवसर पर आयोजित मेले में शामिल होने के लिए गंडतविसा बाजार गए थे। धलाई एसपी अविनाश राय ने बताया कि अचानक, युवकों के दो समूहों के बीच झड़प हो गई, जिसके दौरान रियांग को गंभीर चोटें आईं। शुरुआत में उसे गंडतविसा अस्पताल में भर्ती कराया गया, बाद में उसकी हालत बिगड़ने पर उसे जीबीपी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। लेकिन शुक्रवार को उसकी मौत हो गई। राय ने आगे बताया कि अगरतला से करीब 110 किलोमीटर दूर गंडतविसा में उसके शव को वापस लाए जाने के बाद भावनाएं भड़क उठीं और गुस्से में कुछ घरों और दुकानों में तोड़फोड़ की गई। हमने हत्या के सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आगे की स्थिति को रोकने के लिए गंडतविसा में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है और पुलिस की मौजूदगी बढ़ा दी गई है। राय ने कहा कि तनाव कम करने के लिए गंडतविसा के एसडीएम ने एक शांति बैठक आयोजित की, उन्होंने कहा कि स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। वहीं, टिपरा मोथा के नेता प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने युवक की हत्या की निंदा की और न्याय की मांग की। उन्होंने फेसबुक पर लिखा कि मैं गंडतविसा में परमेश्वर रियांग की हत्या की कड़ी निंदा करता हूं। मैंने व्यक्तिगत रूप से वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से बात की है और मांग की है कि दोषियों पर संबंधित धाराओं के तहत आरोप लगाए जाएं। मैं शांति की अपील करता हूं और सभी से संयम बरतने का आग्रह करता हूं। मैं व्यक्तिगत रूप से परिवार से मिलने जाऊंगा।

जल्द होगी क्षेत्रीय ...

मुद्दे पर तीन क्षेत्रीय समितियों द्वारा मेघालय सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करने की अवधि 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। गृह (राजनीतिक) विभाग द्वारा 10 जुलाई को जारी एक अधिसूचना के माध्यम से यह जानकारी दी गई। पिछले साल 13 सितंबर को असम और मेघालय के दोनों मुख्यमंत्री शिलांग में मिले थे और सीमा विवाद के मुद्दे पर चर्चा की थी। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने क्षेत्रीय समितियों के चल रहे कार्यों पर चर्चा की और बहुत प्रगति हुई है। हाल ही में हम हाहिम के सर्वेक्षण पद पर आखिरकार सहमत हो पाए। दोनों पक्षों में बहुत प्रगति हो रही है। हमने विश्वास बहाली के उपायों पर भी चर्चा की। लेकिन आज की चर्चा अनौपचारिक और अनौपचारिक थी। लेकिन इस अनौपचारिक बैठक के बाद एक औपचारिक बैठक होगी। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि मैं दोनों पक्षों के लोगों से शांति और सद्भाव बनाए रखने का अनुरोध करना चाहूंगा क्योंकि उन्हें याद रखना चाहिए कि हम विवाद को सुलझाने के लिए ओवरटाइम काम कर रहे हैं। हम सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखना चाहते हैं, हमारे मन में उनकी रक्षा करना है। हम असम और मेघालय दोनों के लोगों की संतुष्टि के लिए विवाद को सुलझाने की कोशिश करेंगे।

लोगों को नहीं होगी ...

कोशिश कर रही है। सीएम एन बीरेन सिंह ने शनिवार को नोनी जिले के खोंगसांग रेलवे स्टेशन का हवाई दौरा करते हुए खाद्यान्न की खेप का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि पिछले 14 महीने से विपरीत परिस्थितियों के बावजूद सरकार लोगों को अनाज, आवश्यक वस्तुएं और ईंधन मुहैया करा रही है। ताकि लोगों को दिक्कत का सामना न करना पड़े। खाद्यान्न पहुंचाने का श्रेय उन्होंने सुरक्षा एजेंसी, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई), रेलवे और भारत सरकार के नेताओं को दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेलवे और एफसीआई का आभार जताते हुए सीएम सिंह ने कहा कि यह आवश्यक वस्तुओं की तीसरी खेप मणिपुर आई है। इससे पहले दो सुरक्षित डिलीवरी की गईं। जिनका मणिपुरा की जनता को लाभ मिला। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के सुरक्षा बल, सीआरपीएफ, बीएसएफ और लोगों के सहयोग से स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। मणिपुर में पिछले एक साल से ही हिंसा जारी है। दरअसल, मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में पिछले साल तीन मई को पर्वतीय जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं। राज्य में तब से अब तक कम से कम 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हिंसा में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

अब झुमुर नृत्य ...

अधिक कलाकारों के साथ एक साथ नृत्य प्रस्तुत करने की तैयारी कर रहा है, जो बिहू समारोहों के दौरान देखी जाने वाली भव्यता की याद दिलाता है। इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए, झुमुर विशेषज्ञों द्वारा भर्ती किए गए 200 मास्टर ट्रेनर प्रतिभागियों को नृत्य शैली में निपुणता हासिल करने के लिए प्रशिक्षित करेंगे। राज्य सरकार कलाकारों को संगीत वाद्ययंत्रों और पोशाक के लिए मानदेय देकर सहायता देने की योजना बना रही है। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के लिए नृत्य गीतों के चयन और रचना का काम अनुभवी झुमुर कलाकारों को सौंपा गया है। मंत्री बिमल बोरा और संजय किशन पहले ही सरुसजाई स्टेडियम का निरीक्षण कर चुके हैं, जिससे प्रारंभिक तैयारियां शुरू हो गई हैं। आगे की रणनीति बनाने के लिए संस्कृति मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी बैठकें हुई हैं।

सीमावर्ती क्षेत्रों में ...

ऊर्जा और पवनचक्की जैसे नवीकरणीय ऊर्जा के अन्य स्रोतों के अधिकतम उपयोग पर जोर देने की आवश्यकता है। केंद्रीय गृह मंत्री ने वाइब्रेंट विलेजर्स प्रोग्राम के तहत सीमांत गावों के मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने के लिए वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों की तरफ से किए जा रहे प्रयासों को जारी रखने का निर्देश दिया। बता दें कि इन सीमांत गांवों में अब तक छह हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनमें लगभग चार हजार सेवा वितरण और जागरूकता शिविरों का आयोजन शामिल है। इन गांवों में रोजगार सृजन के लिए छह सौ से अधिक परियोजनाओं को भारत सरकार की तरफ से स्वीकृति दी जा चुकी है। गृह मंत्री ने इस बैठक के दौरान लंबित मुद्दों के निपटारे के लिए नियमित अंतराल पर उच्चतम स्तर पर समीक्षा पर विशेष जोर दिया। जानकारी के मुताबिक वाइब्रेंट विलेजर्स प्रोग्राम योजना के तहत 2420 करोड़ रुपए की लागत से 136 सीमांत गांवों को 113 ऑल-वेदर रोड परियोजनाओं के माध्यम से संपर्क प्रदान किया जा रहा है। इन क्षेत्रों में 4जी कनेक्टिविटी पर तेजी से काम किया जा रहा है और दिसंबर 2024 तक वाइब्रेंट विलेजर्स प्रोग्राम के तहत आने वाले सभी गांवों को 4जी नेटवर्क से कवर कर लिया जाएगा। इन सभी गांवों में वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाए जा रहे हैं और भारत पोस्ट-पेमेंट बैंकों (आईपीपीबी) की सुविधा भी दी जा रही है। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में केंद्रीय गृह सचिव, सचिव, सीमा प्रबंधन और महानिदेशक, भारत तिब्बत सीमा पुलिस समेत गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। वाइब्रेंट विलेजर्स में जीवंतता लाने और यहां पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन सर्किट को विकसित करने पर काम किया जा रहा है। इसके तहत पर्यटन मंत्रालय के साथ समन्वय में क्षमता निर्माण और पर्यटन से संबंधित बुनियादी ढांचे का विकास किया जा रहा है।

क्षेत्रीय भाषाओं में ...

तो इसमें कानूनी पेशे और कानूनी शिक्षा की कमी नजर आ रही है। डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि कानून को पढ़ाने की प्रक्रिया में हमें क्षेत्रीय भाषाओं को भी ध्यान में रखना चाहिए। आरएम एनएलयू को जरूर हिंदी में एलएलबी कोर्स शुरू करना चाहिए। हमारे विश्वविद्यालयों में क्षेत्रीय मुद्दों से जुड़े कानूनों को भी पढ़ाना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मान लीजिए अगर कोई व्यक्ति आपके विश्वविद्यालय के पड़ोस के गांव में, गांव से विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय की विधिक सहायता केंद्र में आता है और अपनी जमीन से जुड़ी समस्या को बताता है, लेकिन यदि छात्र को खसरा और खतौनी का मतलब ही नहीं पता है तो छात्र उस व्यक्ति को कैसे मदद कर पाएगा। इसलिए जमीन संबंधित क्षेत्रीय कानूनों के बारे में भी छात्र को अवगत कराना चाहिए। उन्होंने अपने उद्बोधन में यह भी कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में ऐसे कई निर्देश दिए हैं, जिससे न्याय की प्रक्रिया को आम लोगों के लिए आसान बनाया जा सके। उदाहरण के तौर पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंग्रेजी में दिए गए निर्णयों का भारत के संविधान में प्रचलित विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया जा रहा है, जिससे आम जनता भी समझ सके कि निर्णय में आखिर लिखा क्या गया है। आज 1950 से लेकर 2024 तक सर्वोच्च न्यायालय के 37000 निर्णय है, जिनका हिंदी में अनुवाद हो गया है और यह सेवा सब नागरिकों के लिए मुफ्त है। दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, इलाहाबाद उच्च न्यायायल के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमरपाल सिंह, विभागाध्यक्ष विधि प्रो. आदित्य प्रताप सिंह, उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के कई न्यायमूर्ति उपस्थित रहे।

निजी कंपनियों के...

जबकि वी.आई. ने 10 से 21 प्रतिशत तक दाम बढ़ाए हैं। इस वृद्धि से सबसे ज्यादा नाराजगी जियो को लेकर है, जिसके कारण लोग अब बी.एस.एन.एल. की तरफ रुख कर रहे हैं। सभी टॉप प्राइवेट कंपनियों ने मासिक, त्रैमासिक और वार्षिक रिचार्ज प्लान में 25 प्रतिशत की वृद्धि की है। एक साथ टैरिफ में वृद्धि के कारण लोगों में काफी असंतोष है और वे सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। एक्स पर बॉयकॉट जियो ट्रेंड कर रहा है, जहां लोग जियो के खिलाफ नाराजगी जता रहे हैं। बी.एस.एन.एल. नए प्लान पेश करके और अपने मौजूदा प्लान में अतिरिक्त लाभ देकर इस स्थिति का फायदा उठा रहा है। राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी अगले महीने देश भर में अपनी 4 जी सेवाएं भी लॉन्च कर सकती है। बी.एस.एन.एल. अपने मौजूदा यूजर्स और नए यूजर्स दोनों के लिए आकर्षक प्लान पेश कर रहा है, जो अब अपने मौजूदा नेटवर्क को बी.एस.एन.एल. में पोर्ट करने की योजना बना रहे हैं। बता दें कि बी.एस.एन.एल. के प्लान नॉर्थ ईस्ट, जम्मू-कश्मीर और असम को छोड़कर पूरे देश में लागू होंगे। बी.एस.एन.एल. नेटवर्क 4 जी नेटवर्क तक ही सीमित है, जबकि इसके प्रतिस्पर्धी 5जी नेटवर्क पर चले गए हैं। प्राइवेट कंपनियों के बढ़े हुए दामों के बाद अब लोग सस्ता और किफायती विकल्प तलाश रहे हैं। बी.एस.एन.एल. के पास उपयोगकर्ताओं के लिए कई किफायती प्लान्स पहले से मौजूद हैं। अगर कम पैसों में लंबी वैधता वाला रिचार्ज करवाना है, तो 397 रुपए वाला प्लान सही रहेगा। इसमें 150 दिन की वैधता मिलेगी। अपने सिम को बी.एस.एन.एल. में पोर्ट करने के लिए सबसे पहले, आपको 1900 पर एक एसएमएस भेजकर एक यूनिक पोर्टिंग कोड (यू.पी.सी.) प्राप्त करना होगा। *पोर्ट स्पेस 10 अंकों का मोबाइल नंबर* लिखें। जम्मू-कश्मीर प्रीपेड ग्राहकों के मामले में, किसी को एसएमएस भेजने के बजाय 1900 पर कॉल करना होगा। सभी सेवा क्षेत्रों के लिए अनुरोध की तारीख से या नंबर पोर्ट आउट होने तक यू.पी.सी. 15 दिनों के लिए मान्य रहेगा। इसके बाद आपको अपना मोबाइल नंबर पोर्ट कराने के लिए बी.एस.एन.एल. ग्राहक सेवा केंद्र/ऑथराइज्ड फ्रेंचाइजी/रिटेलर के पास जाना होगा। इसके बाद आपको ग्राहक आवेदन पत्र भरना होगा और सिम पोर्ट करने के लिए आवश्यक फीस का भुगतान करना होगा। कंपनी बी.एस.एन.एल. में पोर्ट करने के लिए कोई फीस नहीं लेगी। इसके बाद आपको एक नया बी.एस.एन.एल. सिम कार्ड जारी किया जाएगा।

2069 के बाद घटने ...

2054 में 38.9 करोड़ की आबादी के साथ पाकिस्तान अमेरिका को पछाड़कर आबादी के लिहाज से दुनिया का तीसरा सब सेबड़ा देश बन जाएगा। वर्तमान में 34.5 करोड़ की आबादी के साथ अमेरिका दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है और 2054 में यह 38.4 करोड़ लोगों के साथ चौथा सबसे बड़ा देश होगा। 2100 में 51.1 करोड़ की आबादी के साथ पाकिस्तान दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बना रहेगा।

मेदिनीपुर में एंबुलेंस ...

लोग घायल हो गए। यह एंबुलेंस घाटाल से मरीज और उसके परिजनों को लेकर मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज जा रही थी। रास्ते में एंबुलेंस एक लॉरी से टकरा गई। पुलिस के मुताबिक, एंबुलेंस ड्राइवर और मरीज सुरक्षित हैं। जिला पुलिस अधीक्षक धृतिमान सरकार ने बताया कि सीमेंट से भरी एक लॉरी केशपुर की ओर जा रही थी। तभी केशपुर की ओर से आ रही एंबुलेंस एक कार को ओवरटेक करते हुए लॉरी से टकरा गई।

नाइजीरिया में स्कूल ...

नेशन की रिपोर्ट्स के अनुसार, यह स्कूल बुसा बुजी ब्रिज के सामने स्थित है। त्रासदी के वक्त विद्यार्थी सालाना परीक्षा दे रहे थे। हताहत विद्यार्थियों में 15 साल से कम उम्र के बच्चे शामिल हैं। घायल बच्चों का इलाज बिंघम टीचिंग अस्पताल में चल रहा है।

न्याय की विफलता : राज्य के व्यक्ति को विदेशी घोषित किए जाने के 12 साल बाद सुप्रीम कोर्ट ने नागरिकता बहाल की

गुवाहाटी/नई दिल्ली। विदेशी न्यायाधिकरण द्वारा विदेशी घोषित किए जाने के बारह साल बाद उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को असम निवासी रहीम अली को भारतीय नागरिक घोषित किया और नागरिकता के लिए आवेदन करने के तरीके पर कड़ी आलोचना की। उनके खिलाफ पहली बार कार्रवाई 20 साल पहले शुरू की गई थी। इसे *न्याय की गंभीर विफलता* बताते हुए अदालत ने कहा कि विदेशी अधिनियम की धारा 9 अधिकारियों को यह अधिकार नहीं देती कि वे किसी व्यक्ति को यादृच्छिक रूप से चुनें, उसके दरवाजे पर दस्तक दें और उससे कहें कि *हमें संदेह है कि आप विदेशी हैं* और फिर निश्चिंत हो जाएं। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने उन टिप्पणियों पर सवाल उठाया, जिनका असर अन्य मामलों पर भी पड़ सकता है, जहां लोगों की नागरिकता की जांच असम के विदेशी न्यायाधिकरणों में की गई है या की जा रही है। पीठ ने यह भी सवाल उठाया कि 2004 में किस आधार पर रहीम अली की नागरिकता पर पहली बार सवाल उठाया गया था। उस साल जुलाई में असम के नलबाड़ी पुलिस स्टेशन से एक सब-इंस्पेक्टर रहीम अली के घर आया, उसे बताया कि उसकी नागरिकता सवालों के घेरे में है, और उसे अपनी भारतीय नागरिकता साबित करने वाले दस्तावेज दिखाने को कहा। रहीम ने उसे बताया कि उसके पास दस्तावेज नहीं हैं और उसने सात दिन का समय मांगा। जब वह दस्तावेज दिखाने में असमर्थ रहा, तो मामला 2006 में एक विदेशी न्यायाधिकरण के पास चला गया। रहीम के अदालत में पेश न होने पर, जिसका कारण उसने अपने स्वास्थ्य को बताया, न्यायाधिकरण ने एकपक्षीय आदेश पारित करते हुए घोषित किया कि वह 25 मार्च, 1971 के बाद बांग्लादेश से अवैध रूप से असम में आया था-असम में नागरिकता के लिए कट-ऑफ तिथि। न्यायाधिकरण ने माना कि वह विदेशी अधिनियम की धारा 9 के तहत *अपना दायित्व निभाने में विफल रहा* और यह साबित करने में विफल रहा कि वह विदेशी नहीं है। न्यायाधिकरण ने जिस धारा का हवाला दिया, उसमें कहा गया है कि अगर किसी व्यक्ति के विदेशी होने या न होने पर सवाल उठता है, तो उसे साबित करने का भार उसी व्यक्ति पर है। 20 साल पहले हुई कार्रवाई की जांच करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने 1964 के विदेशी (न्यायाधिकरण) आदेश की धारा की ओर इशारा किया, जिसमें कहा गया है कि न्यायाधिकरण व्यक्ति को उन मुख्य आधारों की एक प्रति देगा, जिनके आधार पर उसे विदेशी होने का आरोप लगाया गया है और उसे अपने मामले के समर्थन में प्रतिनिधित्व करने और सबूत पेश करने का उचित अवसर देगा। रहीम अली के मामले में सब-इंस्पेक्टर ने ट्रिब्यूनल को बताया था कि उसने तत्कालीन पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर काम किया था। पुलिस ने आरोप लगाया था कि वह बांग्लादेश के मैमनसिंह जिले का रहने वाला था और 25 मार्च 1971 के बाद यहां आया था। अदालत ने सवाल उठाया कि आखिर इस निर्देश की क्या वजह थी। याचिका और रिकॉर्ड इस बात पर चुप हैं कि एसपी के निर्देश का आधार क्या था। उनके ज्ञान या कब्जे में कौन सी सामग्री या जानकारी आई थी जिसके लिए उन्हें निर्देश देना उचित था? जाहिर है, राज्य इस तरह से आगे नहीं बढ़ सकता। न ही हम एक अदालत के रूप में इस तरह के दृष्टिकोण का समर्थन कर सकते हैं, *फैसले में कहा गया है। फैसले में कहा गया,* संबंधित अधिकारियों के पास यह संदेह करने के लिए कोई भौतिक आधार या जानकारी होनी चाहिए कि कोई व्यक्ति विदेशी है, भारतीय नहीं। वर्तमान मामले में... उसके खिलाफ कोई भी सबूत रिकॉर्ड पर नहीं आया है, सिवाय इस बेबुनियाद आरोप के कि वह 25.03.1971 के बाद अवैध रूप से भारत में आया था, फैसले में कहा गया कि यह भी नहीं पता कि आरोप किसने लगाया या उसका खुलासा नहीं किया गया। इसमें कहा गया है, इस बात को दोहराने की कोई जरूरत नहीं है कि आरोपित या आरोपी व्यक्ति आम तौर पर नकारात्मक साबित करने में सक्षम नहीं होगा, अगर उसे अपने खिलाफ सबूतों/सामग्री के बारे में पता नहीं है, जिसके कारण उसे संदिग्ध करार दिया जाता है। वास्तव में, सिर्फ आरोप/आरोप से ही आरोपी पर बोझ नहीं डाला जा सकता, जब तक कि उसे आरोप के साथ-साथ ऐसे आरोप का समर्थन करने वाली सामग्री से भी न रूबरू न कराया जाए... बुनियादी/प्राथमिक सामग्री की अनुपस्थिति में, कार्रवाई शुरू करने के लिए अधिकारियों के अनियंत्रित या मनमाने विवेक पर नहीं छोड़ा जा सकता, जिसके कारण व्यक्ति के जीवन को बदलने वाले और बहुत गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जो कि सुनी-सुनाई बातों या बेबुनियाद और अस्पष्ट आरोपों के आधार पर हो सकते हैं। अदालत की यह टिप्पणी इस बात को देखते हुए महत्वपूर्ण है कि असम में नागरिकता संबंधी कार्रवाई शुरू करने का यह तरीका कितना व्यापक है, जो दशकों से *अवैध आव्रजन* और नागरिकता के सवाल पर तनाव से जूझ रहा है।

अंतरराष्ट्रीय बाइक चोर गिरोह के छह सदस्य गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के हाथीगांव पुलिस ने अंतर्राष्ट्रीय बाइक चोरी मामले में शामिल छह शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बाइक चोरी मामले की जांच के दौरान ग्वालपाड़ा जिले से तीन वाहन चोरों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार वाहन चोरों की पहचान मोहमदुल हुसैन (29), रुहुल अमीन (27) और फूलचंद अली (32) के रूप में किया गया। गिरफ्तार तीनों तीनों वाहन चोरों की निशानदेही पर पड़ोसी राज्य मेघालय के तीन वाहन चोरों को गिरफ्तार किया गया। जिनकी पहचान बिजय संगमा (24), टेंगसरंग संगमा (26) और सोहिदुल इस्लाम (34) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया है कि यह गिरोह असम से दोपहिया वाहनों की चोरी करने और फिर मेघालय के माध्यम से चोरी किए गए वाहनों को पड़ोसी देश (बांग्लादेश) में अपने सहयोगियों तक पहुंचाने में शामिल है। पहले से दर्ज प्राथमिक के आधार पर कानूनी कार्रवाई शुरू करते हुए पुलिस गिरफ्तार सभी आरोपियों से सघन पूछताछ कर रही है।

एनटीपीसी, बोंगाईगांव के बालिका सशक्तीकरण मिशन को प्रेरित किए गए

बंगाईगांव (हिंस)। एनटीपीसी, बंगाईगांव में बालिका सशक्तिकरण मिशन (जीईएम) के तहत आयोजित कार्यक्रम में आज कोकराझाड़ की अतिरिक्त जिला आयुक्त कविता डेका और कोकराझाड़ की सहायक आयुक्त रीमा तृष्णा हालोई ने हिस्सा लिया। कविता डेका का एनटीपीसी, बंगाईगांव के शिकला लेडीज क्लब की अध्यक्ष संगीता सिंह ने गर्मजोशी से स्वागत किया और लड़कियों के साथ बातचीत की। सिविल सेवाओं के माध्यम से अपनी उल्लेखनीय यात्रा को साझा करते हुए, उन्होंने अमूल्य सलाह दी और लड़कियों को दृढ़ संकल्प और जुनून के साथ अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। रीमा तृष्णा हालोई ने भी अपने विचार व्यक्त किए। 11 से 13 जुलाई तक हालोई ने आत्मरक्षा और मार्शल आर्ट की कक्षाएं संचालित कीं, जिसमें लड़कियों को अमूल्य कौशल प्रदान किए गए और उनका मनोबल काफी बढ़ा। तीन दिवसीय सत्र के दौरान आत्मरक्षा में उनकी लगन और विशेषज्ञता स्पष्ट रूप से दिखाई दी, जिससे लड़कियों को आत्मरक्षा के लिए व्यावहारिक तकनीकों और रणनीतियों से प्रेरणा मिली। संगीता सिंह ने आगंतुकों को जीईएम स्थल का भ्रमण कराया तथा वहां की प्रभावशाली अवसंरचना और शुरू की गई पहलों पर प्रकाश डाला। दोनों गणमान्य व्यक्तियों ने व्यवस्था के प्रति अपनी प्रशंसा और संतुष्टि व्यक्त की तथा बालिकाओं के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का समन्वयन ओंकार नाथ, सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन), मधुरज्या एस लहकर, वरिष्ठ प्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार) और अदुइती ठकुरी, स्टेशन की सीएसआर कार्यकारी द्वारा किया गया, जिनका समर्थन और मार्गदर्शन जीईएम पहल की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

ढकुवाखाना में सड़क हादसा, दो लोगों की मौत

लखीमपुर (हिंस)। ढकुवाखाना में हुए एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि एक ऑल्टो कार (एएस 07 एस 7173) ढकुवाखाना दिशा से घिलामारा की ओर तेज गति से आ रही था कि अचानक जामुगुरी पुल को पार कर दाहिनी ओर खाई में जा गिरी। कार पलटने की तेज आवाज सुनकर लोग बाहर निकले और हादसे को देखा। बाद में स्थानीय लोगों ने आकर पानी में गिर गए दो लोगों को कार से बाहर निकाला। घटना की जानकारी मिलते ही घिलामारा थाना के ओसी नितुल डेका के नेतृत्व में पुलिसकर्मी पहुंचे और गंभीर हालत में दोनों लोगों को अपनी कार में बैठाकर ढकुवाखाना अनुमंडल सिविल अस्पताल ले गए। लेकिन दोनों लोगों की मौत हो गई। दोनों मृतकों की अभी पहचान नहीं हो पाई है। इस संदर्भ में एक प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

नाव हादसा : पीड़ित परिवारों से एपीसीसी अध्यक्ष समेत आठ विधायकों ने की मुलाकात

नगरबेड़ा (निसं)। ग्वालपारा जिले के शिमलिटोला थाने के अंतर्गत शिमलिटोला में 11 जुलाई की शाम को हुई भीषण नौका दुर्घटना में पांच लोगों की दर्दनाक मौत के बाद से पांच लोगों की मौत हुई है। असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बरा सहित आठ विधायकों ने नौका हादसे में मारे गए मंजीत स्वाहा, जगत करमाकर, सुजान मालाकार, गौरांग मालाकार और उदय सरकार के परिवारों से मुलाकात की और अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा कुछ वित्तीय सहायता प्रदान की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बरा ने मीडिया को बताया कि शिमलिटोला में नौका दुर्घटना में पांच परिवारों के मुख्य जीविकोपार्जन का सफाया हो गया है। वर्तमान में परिवारों की स्थिति को समझाने के लिए कोई भाषा नहीं है। बरा ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री

डॉ. हिमंत विश्व शर्मा पहले ही शिमलिटोला आ चुके हैं और गरीब परिवारों की स्थिति से अवगत हैं। इसलिए मुख्यमंत्री अपने आशावान परिवारों के भविष्य की रक्षा के हित में कदम उठाएंगे। बरा ने मुख्यमंत्री से मानवता के लिए मृतकों के परिवार में पुनर्वास की व्यवस्था करने का आग्रह किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि जिस तरह मोटर, बाइक, स्कूटार के लिए परिवहन नियम हैं, उसी तरह नावों के मामले में अलग कानून की जरूरत है। नौका हादसे के बाद सरकार को मृतक को मात्र चार लाख रुपए की आर्थिक मदद देकर नहीं बैठना चाहिए। नावों को नैतिकता, कानूनों के एक विशिष्ट नियम के ढांचे के भीतर चलना होगा। भूपेन बरा ने कहा कि राज्य में बड़ी संख्या में लोगों का जीवन नावों के बिना संभव नहीं है, इसलिए नावों के मामले में सख्त कानून बनाया जाना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल के साथ कांग्रेस विधायक ए के राशिद आलम, यादव स्वर्गियारी, रेकिब उद्दीन अहमद, नंदिता दास, आफताब उद्दीन मुल्ला, प्रदीप सरकार, वाजिद अली चौधरी और अब्दुल बातेन खांडेकर भी थे। इस बीच, गुवाहाटी लोकसभा सांसद बिजली कलिता मेधी ने शाम में शिमलीटोला के शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की और संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कमजोर परिवारों को सरकार की ओर से हर तरह की मदद का आश्वासन दिया।

विश्वनाथ में मनी आदिकवि भानुभक्त आचार्य की 211वीं जयंती

विश्वनाथ (निसं)। असम नेपाली साहित्य सभा विश्वनाथ जिला समिति के सौजन्य तथा विश्वनाथ नगर शाखा के आतिथ्य में विश्वनाथ के अग्रणी शैक्षिक संस्थान ज्ञान भारती स्कूल के सभाकक्ष में आदिकवि भानुभक्त आचार्य की 211 वां का जन्मजयंती धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम गरिमामयी कार्यक्रम में प्रात: 10:30 बजे अनेसास विश्वनाथ जिला समिति के अध्यक्ष हेमकुमार गौतम ने ध्वजारोहण किया। इस गरिमामय कार्यक्रम का जिला समिति महासचिव राम दालाल के संचालन में आयोजित ध्वजारोहण गीत प्रेम विश्वकर्मा के नेतृत्व में हुआ। इसके बाद अपराह्न 12:30 बजे साधारण सभा का आयोजन किया गया, जिसमें सभा का अध्यक्षता अनेसास विश्वनाथ जिला समिति के अध्यक्ष हेमकुमार गौतम ने किया। इसके बाद अतिथियों को मंचासीन कराया गया और उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में साहित्यकार

टिकाराम उपाध्याय ने और निर्दिष्ट वक्ता के रूप में विश्वनाथ नगर के समाज सेवक गोपाल उपाध्याय ने भानुभक्त आचार्य का जीवन वृत्तांत और किर्ति पर वक्तव्य रखा। अनेसास विश्वनाथ नगर शाखा के प्रेम विश्वकर्मा के संचालन में द्वारा स्वागत गीत(कोरास)प्रस्तुति दी गई। स्वागत भाषण विश्वनाथ नगर शाखा के अध्यक्ष डॉ. भक्त प्रसाद गौतम ने दी। सभा में उपस्थित अतिथियों ने आदिकवि भानुभक्त आचार्य के जीवनी व नेपाली साहित्य पर विस्तार पर प्रकाश डाले। तत्पश्चात कल्पना छेत्री ने गीत, अरूण अधिकारी ने कविता, पूर्णिमा घिमरे ने गीत, दिपीका उपाध्याय ने गीत, कृष्णनील कार्की ने कविता, अर्जुन निराला ने कविता, माधव सुवेदी ने कविता की प्रस्तुति दी। इसके बाद गरिमामय कार्यक्रम में विश्वनाथ के साहित्यकार व असम सरकार द्वारा साहित्यिक पेंशन प्राप्त लक्ष्मीकांत शर्मा के *आदिकवि भानुभक्त आचार्य के साहित्यत एभूमूकि* असमिया पुस्तक का लोकार्पण भव्य लोकार्पण हुआ। अंत में सभा के अध्यक्ष हेमकुमार गौतम ने सभी को आभार जताते हुए आदिकवि भानुभक्त आचार्य को प्रणाम करते हुए सभी को जन्मजयंती की शुभकामनाएं दी। विश्वनाथ नगर शाखा के सचिव वेददीप उपाध्याय के धन्यवाद ज्ञापन के साथ गरिमामय सभा भंग हुई।

बिजली कटौती से रंगिया के अस्पताल में मरीजों के इलाज में हो रही दिक्कतें

रंगिया (निसं)। रंगिया सिविल अस्पताल में बार-बार बिजली कटौती होने से मरीजों के साथ-साथ डॉक्टर और स्टाफ को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विगत दिनो बिजली कटौती में बढ़ोतरी के कारण अस्पताल के ऑपरेशन रूम में सर्जरी जारी रहने के बावजूद डॉक्टरों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसी समस्या के समाधान हेतु रंगिया नागरिक मंच ने बिजली विभाग के रंगिया मंडल के कार्यकरी अभियंता को ज्ञापन सौंपकर इस मामले को विभाग के संज्ञान में लाकर समाधान की मांग की। मंच अध्यक्ष अनंत डेका और सचिव मुकुट चौधरी द्वारा ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि अस्पताल में लगातार बिजली कटौती, जो कि रंगिया के लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, गंभीर असुविधा का कारण बन रही है। अस्पताल में मरीजों की सर्जरी के दौरान बिजली गुल होने से गंभीर समस्या हो रही है। मंच ने मांग की कि अस्पताल में बिजली

कनेक्शन ग्रामीण क्षेत्रों में 33 केवीए के बजाय रंगिया शहर से जोड़ दिया जाए। जिससे पीजी और लॉ कॉलेज के साथ-साथ अस्पताल की लगातार बिजली कटौती में स्थायी कमी की व्यवस्था होने की आशा व्यक्त की गयी है।

नगांव राउंड टेबल 380 ने बाढ़ग्रस्त पीड़ितों के बीच बांटी खाद्य सामग्री

नगांव (निसं)। शहर में नवगठित सामाजिक संगठन राउंड टेबल 380 ने जिले में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों तक खाद्य सामग्री का वितरण कर बाढ़ग्रस्त लोगों की सराहना प्राप्त की। उल्लेखनीय है कि बाढ़ से प्रभावित लोग सरकार द्वारा स्थापित सहायता शिविरो में रह रहे है। जहां जिला प्रशासन द्वारा उन शिविरों तक सर संभव देखभाल की जा रही है। अब बेसरकारी संगठन भी मदद के लिए आगे आकर बाढ़ग्रस्त लोगों तक खाद्य सामग्री व अन्य जरूरत के सामान प्रदान कर रहें है। ऐसे में नगांव राउंड टेबल 380 ने भी जिले के मिसा और जखलाबांधा के अस्थाई शिविर में रह रहे बाढ़ग्रस्त लोगों से मुलाकात कर उनकी सुध ली तथा खाद्य सामग्री का वितरण किया। जिसमे 750 राशन पैकेट, 3 कार्टून क्रीम ब्रेड के अलावा 200 पीस कपड़ों का वितरण किया। साथ ही संगठन ने पशु अहार के लिए 200 पैकेट चापर का भी वितरण इन शिविरो में किया। जिन दस शिविरो में सहायता सामग्री पहुंचाई गई उन शिविरो के नाम है रामराय पट्टी रोड, केलीडेन टीई नंबर एक, निज मिसा मुख, रोमारी केलीडेन टी.ई नंबर एक, मिसा टी.ई नंबर 3, रहधाला गांव पंचायत, सियाले खाईती, जखलाबांधा अस्पताल तीन आली, सुनारी गांव, गोरुबंधा और हातिमुरा दुर्गा मंदिर रोड। संगठन के टेबलर हर्षित अजितसरिया ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए बताया की दूसरे चरण में सहायता पहुंचाने का काम जल्द किया जाएगा।

ड्रग तस्कर नाजिमा खातून मोइराबाड़ी से गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। मोइराबाड़ी गांव के कुख्यात ड्रग माफिया सिराजुल इस्लाम की तलाश में मोइराबाड़ी पुलिस की एक टीम ने उसके घर पर छापा मारा। पुलिस ने शनिवार को बताया कि पुलिस सिराजुल इस्लाम के घर पहुंची लेकिन सिराजुल भाग गया। पुलिस ने सिराजुल के साथ सहयोग कर रही महिला ड्रग तस्कर नाजिमा खातून को हेरोइन से भरे नौ कंटेनरों के साथ गिरफ्तार कर लिया। इसी बीच पुलिस छापेमारी को करीब से देख रही जयतुन निसा नामक एक बुजुर्ग महिला बेहोश हो गई। बाद में लोगों की मदद से पुलिस तुरंत वृद्धा को मोइराबाड़ी मेडिकल सेंटर लेकर गई लेकिन उसकी मौत हो गई। वृद्धा की मौत की असल वजह क्या है, यह पोस्टमार्टम के बाद ही सामने आ पाएगा। मिली जानकारी के अनुसार पुलिसिया कार्रवाई के दौरान दिल का दौरा पड़ने से एक अन्य महिला की मौत हो गई।

विश्वनाथ चारिआलि प्रबोध विद्यालय संचालन समिति की कार्यकारिणी सभा आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार तथा हिंदीतर भाषी के बीच हिंदी साहित्य के विकास में लगे असम के अग्रणी स्वैच्छिक संस्थान विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति की आज कार्यकारिणी सभा प्रात: 11 बजे संस्थान के कक्ष में आयोजित हुई। संस्थान की सचिव संतोष कुमार महतो जी द्वारा उपस्थित पदाधिकारी तथा सदस्यों का स्वागत कर बैठक का शुभारंभ किया गया। संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष सूर्यनारायण पांडेय के अध्यक्षता में आयोजित कार्यकारिणी सभा में कवि व वरिष्ठ हिंदी सदस्य म: जमीर और उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता को मंचासीन कराया गया। इसके बाद सचिव संतोष कुमार महतो ने सभा का उद्देश्य व्याख्या की। जिसमें हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष प्रस्ताव तथा आगामी 25 जुलाई से 29 जुलाई तक केंद्रीय हिंदी निदेशालय, उच्चतर शिक्षा, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित हिंदी नवलेखक शिविर के संदर्भ में था। इसके बाद हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए आगामी कार्ययोजना तथा हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर के ऊपर विस्तृत रूप से चर्चा हुई जिसमें उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता, कवि जमीर अहमद ने कहा इस शिविर को बहुत व्यस्थित ढंग से करने

को तथा हिंदीतर भाषा भाषी के बीच ले जाना चाहिए। उपस्थित साहित्य सचिव मदन गोपाल साहू, सुधन साहनी और सदस्या गीता वर्मा, वंदना दास ने खुशी जाहिर करते हुए कहा हमारे संस्थान के लिए गौरव का विषय है कि विश्वनाथ जिला में दूसरे बार केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय द्वारा हिंदीतर नवलेखक शिविर होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में हिंदी के विद्वान-विदुषी पहुंच कर हिंदीतर भाषा भाषी प्रतिभागियों को हिंदी साहित्य के विभिन्न विधा पर डालेंगे। कार्यक्रम का रूपरेखा के ऊपर चर्चा हुई। अंत में सभा के अध्यक्ष सूर्यनारायण पांडेय ने इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक करने के लिए सहायता और सहयोग की कामना की और राष्ट्रगान के साथ सभा भंग की गई। सभा आरंभ के पूर्व संस्थान के मुख्य सलाहकार व वरिष्ठ नागरिक स्वर्गीय शंकर प्रसाद गुप्ता के स्मृति में एक मिनट का मौनव्रत पालन किया गया।

संपादकीय

दिव्यांगों का हो गरिमामय चित्रण

यह विडंबना ही है कि कुदरती वजह या किसी हादसे के चलते शारीरिक अपूर्णता के शिकार लोगों के प्रति भारतीय समाज में कमोबेश सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जाता रहा है। हालांकि, अब स्थितियों में बदलाव आया है। अब उन्हें एक सम्मानजनक नाम दिव्यांग देने का प्रयास किया गया है। लेकिन परंपरागत समाज में उनके उपहास व उपेक्षा का भाव अब भी किसी न किसी रूप में सामने आ जाता है। यही वजह है कि इस दिशा में देश की शीर्ष अदालत को सार्थक पहल करनी पड़ी है। सुप्रीम कोर्ट ने, फिल्मों व मीडिया के अन्य दृश्य माध्यमों में दिव्यांगों को कैसे चित्रित किया जाना है, उसके नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने की स्वागत योग्य पहल की है। इस रचनात्मक पहल का मकसद दिव्यांगों के प्रति रूढ़िवादी सोच को दूर करना है। इस ऐतिहासिक फैसले में इस बात को रेखांकित किया गया है कि शारीरिक अपूर्णता वाले लोगों को अपमानित करने तथा हाशिये पर ले जाने वाली भाषा पर पूरी तरह रोक लगनी चाहिए। दरअसल, ऐसी सोच दिव्यांगों की सामाजिक सक्रियता की कोशिशों में बाधा उत्पन्न करती है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने दिव्यांगों के लिये प्रामाणिक और सम्मानजनक प्रतिनिधित्व वाली दृश्य-श्रव्य रीति-नीति का निर्देश दिया है। उन्होंने उस रूढ़िवादी सोच के खात्मे पर बल दिया जो उनमें हीनता का भाव भरती हो। उनका कहना था कि लोगों ने अपने मनोरंजन के लिये शारीरिक रूप से अपूर्ण लोगों पर तमाम चुटकुले बनाए हैं। दरअसल, नियामक व्यवस्था में दिव्यांगों की भागीदारी न होने के कारण ऐसी सोच का समय रहते प्रतिकार नहीं हो सका है। इस मामले में मुख्य न्यायाधीश का संदेश साफ था कि दिव्यांगों के प्रति संवेदनशील व्यवहार उन्हें समझने में मदद करता है, लेकिन यदि शारीरिक अपूर्णता को हास्य का विषय बनाया जाता है तो इससे उनका मनोबल प्रभावित होता है। निश्चित रूप से देश की शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश ने एक ज्वलंत विषय की ओर पूरे राष्ट्र का ध्यान खींचा है। यह प्रशंसनीय है कि शारीरिक अपूर्णता के चलते तमाम तरह के कष्ट झेल रहे दिव्यांगों के प्रति समाज के संवेदनशील व्यवहार की ओर शीर्ष अदालत ने ध्यान दिलाया है। निस्संदेह, शीर्ष अदालत ने उचित ही निष्कर्ष निकाला है कि रचनात्मक स्वतंत्रता के ये मायने कदापि नहीं होते कि पहले से हाशिये पर मौजूद लोगों का उपहास किया जाए, उन्हें रूढ़िवादी सोच का शिकार बनाया जाए, उनको लेकर गलत बयानबाजी की जाए। कुल मिलाकर उनको अपमानित करने की आजादी किसी को नहीं दी जा सकती। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि शारीरिक अपूर्णता वाले दिव्यांगों को अपंग व ऐसे अन्य अपमानजक शब्दों से आहत करने की इजाजत किसी को नहीं दी सकती है। दरअसल, उनको लेकर समाज में व्याप्त रूढ़िवादी सोच को बदलने की जरूरत है। अब फिल्म निर्माताओं का भी दायित्व है कि फिल्मों का निर्माण करते वक्त ऐसे हास्यबोध वाले चित्रण से गंभीरता के साथ परहेज किया जाए। कैमरे के जरिये उनका ऐसा चित्रण होना चाहिए जिससे समाज में उनके प्रति संवेदनशील, समावेशी सोच और यथार्थवादी रवैया अपनाया जाए। शीर्ष अदालत के दिशा-निर्देशों में संविधान द्वारा प्रदत्त, भेदभाव-मुक्त व गरिमा को प्रतिष्ठित करने वाले प्रावधानों के अनुरूप दिव्यांगों की छवि बनाने पर बल दिया गया। जो कि दिव्यांगों के अधिकारों के लिये बने वर्ष 2016 के अधिनियमों के अनुरूप ही है। दरअसल, कानून सदा से समाज में दिव्यांगों के अधिकार व सम्मान-रक्षा को संबल देना चाहता रहा है। हालांकि, यह स्पष्ट है कि दिव्यांगों का समाज में अपना उचित स्थान प्राप्त करने का संघर्ष लगातार बना हुआ है। उनके लिये आज भी समाज में रोजगार के पर्याप्त अवसरों का उपलब्ध न होना, पदोन्नति, प्रशिक्षण तक पर्याप्त पहुंच न होने, व्यावसायिक अलगाव, सार्वजनिक स्थलों व आफिसों में दिव्यांगों के लिये शौचालयों का न होना तथा कार्यालयों में व्यवस्था उनकी सुविधा के अनुरूप न होना वक्त की नग्न हकीकत है। निश्चित रूप से उन्हें एक सक्षम वातावरण प्रदान करके ही हम दिव्यांगों का सशक्तीकरण कर सकते हैं। फिल्म व अन्य दृश्य माध्यमों में उन्हें सकारात्मक ढंग से प्रस्तुत करना, उनके मनोबल को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम कहा जा सकता है।

> सुप्रीम कोर्ट ने, फिल्मों व मीडिया के अन्य दृश्य माध्यमों में दिव्यांगों को कैसे चित्रित किया जाना है, उसके नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने की स्वागत योग्य पहल की है। इस रचनात्मक पहल का मकसद दिव्यांगों के प्रति रूढ़िवादी सोच को दूर करना है। इस ऐतिहासिक फैसले में इस बात को रेखांकित किया गया है कि शारीरिक अपूर्णता वाले लोगों को अपमानित करने तथा हाशिये पर ले जाने वाली भाषा पर पूरी तरह रोक लगनी चाहिए। दरअसल, ऐसी सोच दिव्यांगों की सामाजिक सक्रियता की कोशिशों में बाधा उत्पन्न करती है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने दिव्यांगों के लिये प्रामाणिक और सम्मानजनक प्रतिनिधित्व वाली दृश्य-श्रव्य रीति-नीति का निर्देश दिया है। उन्होंने उस रूढ़िवादी सोच के खात्मे पर बल दिया जो उनमें हीनता का भाव भरती हो। उनका कहना था कि लोगों ने अपने मनोरंजन के लिये शारीरिक रूप से अपूर्ण लोगों पर तमाम चुटकुले बनाए हैं।

बिहार में हिंदी माध्यम से पढ़ाई करने का विकल्प छात्रों को मिलेगा

बिहार में भी हिंदी में होगी एमबीबीएस की पढ़ाई

प्रमोद भार्गव

> मुख्यमंत्री नीतीष कुमार ने जल्द पाठ्य पुस्तकें तैयार करने का भरोसा दिया है। हिंदी को वैष्विक भाशा के रूप में स्थापित करने में ऐसे उपाय लाभदायी होंगे। ऐसा इसलिए भी किया गया है, जिससे बिहार में हिंदी माध्यम से पढ़ाई कराने वाले जो 85 हजार सरकारी विद्यालय हैं, उनसे पढ़कर आने वाले छात्रों को चिकित्सा षिक्षा हासिल करने का अवसर मिल जाए। एमबीबीएस की हिंदी माध्यम से पढ़ाई समाजिक न्याय के साथ समाज को भाशाई धरातल पर उन्नत व विकसित करने की बड़ी पहल है।

बिहार सरकार हिंदी में चिकित्सा शिक्षा में स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम अगले सत्र से शुरू करने जा रही है। एमबीबीएस का एक बैच पास करके निकल भी चुका है। अब बिहार में हिंदी माध्यम से पढ़ाई करने का विकल्प छात्रों को मिलेगा। मुख्यमंत्री नीतीष कुमार ने जल्द पाठ्य पुस्तकें तैयार करने का भरोसा दिया है। हिंदी को वैष्विक भाशा के रूप में स्थापित करने में ऐसे उपाय लाभदायी होंगे। ऐसा इसलिए भी किया गया है, जिससे बिहार में हिंदी माध्यम से पढ़ाई कराने वाले जो 85 हजार सरकारी विद्यालय हैं, उनसे पढ़कर आने वाले छात्रों को चिकित्सा षिक्षा हासिल करने का अवसर मिल जाए। एमबीबीएस की हिंदी माध्यम से पढ़ाई समाजिक न्याय के साथ समाज को भाशाई धरातल पर उन्नत व विकसित करने की बड़ी पहल है। विष्व के ज्यादातर देष अपनी मातृभाशाओं में चिकित्सा, अभियांत्रिकी एवं अन्य विज्ञान विशयों की पढ़ाई करते हैं। रूस, चीन, यूक्रेन में जाकर जो बच्चे एमबीबीएस करके आते हैं, उन्हें पहले एक वर्श इन देषों की मातृभाशा ही पढ़ाई जाती है। जापान और जर्मनी में भी यही पद्धति लागू है। चीन और जापान की भाशाएं चित्रात्मक लिपि में लिखी जाने के कारण अत्यंत कठिन मानी जाती हैं। कुछ इसी तरह की लिपि प्राचीन नगर मोहनजोदड़ों और हड़प्पा की भाशाओं की है। बावजूद मेधावी भारतीय छात्र इन भाशाओं में एक साल के भीतर ही परंगत हो जाते हैं। ऐसे में हिंदी भाशा में पढ़ाई छात्रों में स्वत्व की भावना पैदा करेगी। जिस तरह से दूसरे विकसीत देषों में ज्ञान, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्रों में षोध व आविश्कार अपनी भाशाओं के माध्यम से होते हैं, भारत में भी कालांतर में यह स्थिति बन जाएगी। अभी तो हालात ये हैं कि एमबीबीएस और इंजीनियरिंग में जो छात्र मातृभाशाओं में पढ़कर आते है, उन्हें अंग्रेजी नहीं आने के कारण मानसिक प्रताड़ना की ऐसी स्थिति से गुजरना होता है कि आत्महत्या तक को विवष हो जाते हैं। दिल्ली एम्स में अनिल मीणा नाम के एक छात्र ने सुसाइट नोट में यह लिखकर आत्महत्या की थी कि मेरी समझ में अंग्रेजी नहीं आती है और षिक्षक व मेरे सहपाठी मेरी मदद भी नहीं करते हैं। आईआईटी जैसे संस्थानों में भी कस्बाई इलाकों से आने वाले छात्रों को ऐसे ही हालातों से दो-चार होना पड़ता है।

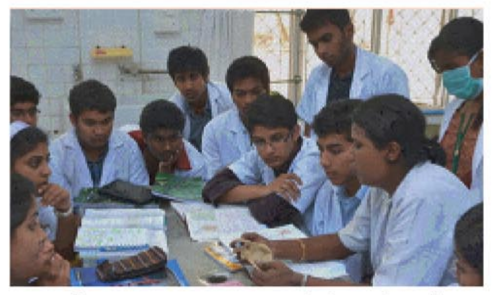

अतएव देर आए, दुरुस्त आए कहावत चिकित्सा शिक्षा में लागू होती है। हिंदी एवं अन्य भारतीय भाशाओं के माध्यम से विज्ञान की षिक्षा दी जाए इस दिषा में गृहमंत्री अमित षाह अहम् भूमिका निभा रहे हैं। चिकित्सा षिक्षा की हिंदी माध्यम की पुस्तकें मध्यप्रदेष में तैयार कराकर एक बैच इनसे पढ़कर एमबीबीएस कर भी चुका है। यही पुस्तकें बिहार में सहायक हो सकती हैं। देष में इंजीनियरिंग की पढ़ाई को आठ भारतीय भाशाओं में कराने की मंजूरी पहले ही दी जा चुकी है। भारत में हर तरह की उच्च और तकनीकी षिक्षा का माध्ययम अंग्रेजी है। नतीजतन भारतीय समाज में ऐसी धारणा बन गई है कि हिंदी माध्यम से पढ़ाई की तो उत्तम दर्जे के रोजगार हासिल करना असंभव है, इसलिए जैसे ही परिवार का मुखिया आर्थिक रूप से सक्षम होता है। अपने नौनिहालों को अंग्रेजी माध्यम से षिक्षा दिलाने का प्रबंध कर देता है। इस कारण एक तरह से बच्चे न केवल अपनी भाशा से दूर होने लगते हैं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक विरासत से भी उनकी स्वाभाविक रूप में दूरी बढ़ने लगती है। इसीलिए आजादी के बाद से ही भारतीय भाशाओं को विज्ञान व तकनीक विशयों के माध्यम बनाए जाने की कोषिषें की जाती रही थीं। लेकिन नौकरषाही की दहलीज पर जाकर सभी कोषिषें दम तोड़ देती थीं। किंतु मध्यप्रदेष के मुख्यमंत्री रहे षिवराज सिंह चैहान और अब नीतीष कुमार ने हिंदी माध्यम से डॉक्टरी कराने का संकल्प ले लिया है। इस षुरुआत के बाद राश्ट्रबोध से प्रेरित अनेक चिकित्सक हिंदी में पर्चे लिख रहे हैं और छात्र किडनी व लीवर की संरचना हिंदी में जानकर आत्मसंतोश का अनुभव कर रहे हैं। गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के पूर्व अधिश्ठाता डॉ अक्षय निगम का कहना है कि इस नावाचार को पूरी ईमानदारी से करने की जरूरत है। उनका कहना है कि जब हमारे बच्चे चीन, रूस और अन्य देषों में जाकर उनकी भाशा में पढ़ाई कर सकते हैं तो अपनी भाशा में क्यों नहीं पढ़-लिख सकते है। हिंदी तो आज पूरी दुनिया में बोली और समझी जाती है और हमारी अपनी भाषा है। वैसे भी समूचे हिंदी क्षेत्र में छात्रों के लिए हिंदी माध्यम मानसिक रूप से उत्साहित और प्रतिबद्ध करने वाला है। एक तरह से हिंदी के लिए आदर्श वातावरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार केंद्र में जबसे है, तभी से हिंदी और क्षेत्रीय भाशाओं के उत्थान और प्रयोग हेतु अनुकूत वातावरण बनाने की लगातार कोषिषें हो रही हैं। इसी कड़ी में नूतन राश्ट्रीय षिक्षा नीति के अंतर्गात स्कूली षिक्षा हिंदी और अन्य भारतीय भाशाओं में देने के प्रावधान किए गए हैं। बावजूद यह विडंबना है कि आजादी के इन 77 सालों में अंग्रेजी का प्रभुत्व कुछ इस तरह से खड़ा किया गया कि समस्त भारतीय भाशाएं षिक्षा और रोजगार से बेदखल होती चली जा रही हैं। यही स्थिति अदालतों, बैंको और अन्य बड़े वाणिज्यिक संस्थानों में है। इसी का परिणाम रहा कि लोगों की यह मानसिकता बेवजह बनती चली गई कि अंग्रेजी के बिना आजीविका के साधन जुटाना मुष्किल है। अंग्रेजी की वकालात करने वालों ने अंग्रेजीयत की इस मंषा को कुछ इस ढंग से रचा कि 77 सालों में इसका रंग गहरे से गहरा होता चला गया। यह अच्छी बात है कि आजादी के इस अमृतकाल में हिंदी विज्ञान की शिक्षा में समरसता एवं सामाजिक न्याय का आधार बन रही हैं। वैश्वीकरण के दौर में विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास की अवधारणा महत्वपूर्ण है। गुलामी की लंबी दासता का अभिशाप झेलने के कारण हमने अपनी ज्ञान परंपराओं को नकारा और हम पष्चिमोन्मुखी हो गए। जबकि हमारे यहां विज्ञान और गणित की श्रेष्ठतम परंपराएं थीं। शून्य और दशमलव की अवधारणा दुनिया को भारत ने दी। जिस सूक्ष्म (नैनो) तकनीक के आविष्कार की बात पश्चिमी देश करते हैं, वह भ्रामक हैं। वर्तमान में 400, 500 और 600 काउंट के महीन धागे देखने में आते हैं। लेकिन आजादी के पहले के अखण्ड भारत में ढाका और मुर्षीदाबाद में 2400 और 2500 काउंट का भी धागा बनता था।

दृष्टि कोण

प्रधानमंत्री के खिलाफ बैल बुद्धि अभियान चला कर कांग्रेस ने बालक बुद्धि का परिचय दिया है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बीच की राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता जगजाहिर है। यह प्रतिद्वंद्विता चुनावों के दौरान तीखे हमलों में भी तब्दील हो जाती है। लेकिन जनता इसे सामान्य रूप में ही लेती है क्योंकि यह अपेक्षित ही है कि राजनीतिक विरोधी एक दूसरे पर हमले करेंगे ही लेकिन चिंताजनक स्थिति तब पैदा होती है जब राजनीतिक हमले शालीनता और लोकतांत्रिक मर्यादाओं की लक्ष्मण रेखा को लांघ जाते हैं। कांग्रेस की ओर से प्रधानमंत्री पर जिस तरह के हमले किये जा रहे हैं वह राजनीति में शिष्टाचार खत्म होने का संकेत तो है ही साथ ही इससे यह भी प्रदर्शित हो रहा है कि कांग्रेस को मोदी को लगातार तीसरी बार मिला सरकार चलाने का जनादेश नहीं भाया है। कांग्रेस को समझना होगा कि देश का प्रधानमंत्री किसी एक दल का नेता नहीं होता बल्कि वह समस्त भारतीयों का प्रधानमंत्री होता है। प्रधानमंत्री पद पर बैठा व्यक्ति दुनिया में भारत का चेहरा होता है। प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति से भले कितने भी वैचारिक और राजनीतिक मतभेद हों लेकिन उसका सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। साथ ही प्रधानमंत्री पर राजनीतिक हमले करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि देश के संवैधानिक पद का कोई अपमान नहीं हो जाये। लेकिन खेद की बात यह है कि देश पर सर्वाधिक समय तक राज करने वाली और देश को सबसे ज्यादा प्रधानमंत्री देने वाली कांग्रेस प्रधानमंत्री के पद का लगातार अपमान करने में लगी हुई है। हम आपको याद दिला दें कि जब-जब गांधी परिवार के पास प्रधानमंत्री पद रहा तब-तब ही कांग्रेस ने इसका सम्मान किया। इतिहास उठा कर देखेंगे तो पाएंगे कि लाल बहादुर शास्त्री से लेकर नरेंद्र मोदी तक...कांग्रेस को यह पचा ही नहीं कि कैसे कोई गैर-गांधी परिवार का व्यक्ति देश पर राज कर रहा है। पिछला उदाहरण डॉ. मनमोहन सिंह का है। जब डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे तब उनके पास सारे अधिकार ही नहीं थे। मंत्री उनकी बात नहीं सुनते थे और सारे बड़े फैसले सोनिया गांधी करती थीं। इसके बाद जबसे नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तबसे कांग्रेस ने उनके खिलाफ निचले और निजी स्तर पर हमले करने का अभियान चलाया। मोदी पर कांग्रेस के हमलों का जवाब जनता चुनावों में देती रही लेकिन इस बार के लोकसभा चुनावों में मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सीटें क्या घटीं, कांग्रेस के हमले और निचले स्तर पर चले गये हैं। हम आपको बता दें कि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'बैल बुद्धि' करार देते हुए सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ अभियान चलाया हुआ है जिसे कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता आगे बढ़ा रहे हैं। भले कांग्रेस ने यह अभियान प्रधानमंत्री की ओर से राहुल गांधी को 'बालक बुद्धि' बताये जाने के जवाब में चलाया हो लेकिन उसे ध्यान रखना चाहिए कि प्रधानमंत्री पद की एक गरिमा होती है। संभव है कि कांग्रेस के 'बैल बुद्धि' अभियान के जवाब में भाजपा भी कोई अभियान शुरू करे। लेकिन सवाल यह है कि इस सबसे क्या हासिल होगा? संभव है कि सोशल मीडिया पर ऐसे अभियानों को ज्यादा लाइक्स और रिपोस्ट मिल जायें लेकिन क्या ऐसे ही अभियानों से लोकतंत्र को मजबूत किया जा सकता है। आज के नेताओं को अपने पूर्ववर्तियों से सबक लेना चाहिए जिन्होंने तमाम मतभेदों के बावजूद एक दूसरे के खिलाफ निजी हमले कभी नहीं किये और लोकतंत्र की गरिमा को बनाये रखा। बहरहाल, प्रधानमंत्री के खिलाफ बैल बुद्धि अभियान चला कर कांग्रेस ने वाकई बालक बुद्धि का परिचय दिया है।

कुछ अलग

नए खुदाओं का प्रशस्तिगान

'कलम को बेचो हमें रोटी चाहिए।' जब होश संभाली और सबसे पहला नाटक हमने देखा तो इस नाटक में एक भूखा-प्यासा परिवार अपने मुखिया एक लेखक महोदय को यह कहता नजर आता है। तब बहुत असमंजस उस लेखक महोदय को अपनी कलम बेचने पर हुआ था। जमाना पुराना था, वह कलम नहीं बेच पाए। नाटक का अंत हो गया। जब तक उन्होंने कलम बेचने का फैसला किया, लीजिए परिवार ही नहीं रहा। सिसक-सिसक कर दम तोड़ गया। आज किसी को इस नाटक की कथा सुना दें, तो वह लेखक के असमंजस को मूर्खता कहेगा। भई, इंस्टैंट कॉफी का जमाना है। आप कलम बेचने की बात कहते हैं, लोग तो अपना धर्मो-ईमान बेचते हुए दो मिनट नहीं लगाते। पहले मंदिर में सिर झुका कर ईश्वर की साकार प्रतिमा को नवाजते थे, उससे कुछ मांगते हुए भी कतराते थे। अपनी भक्ति, अपना धर्म बेचने की तो बात ही छोड़िए। लेकिन आजकल कृपा निधान की परिभाषा ही बदल गई। जो बहुमंजिली इमारत के ऊंचे मालिकाना चैंबर में बैठा है, वही रोटी तलाशते लोगों को कृपा निधान लगता है। उसके पांव पखारते हुए कितना आत्मतोष मिलता है। ऊंची कुर्सी पर बैठा आदमी अपने सामने लोगों का झुकना अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानता है। उनकी घिघियाती हुई आवाज जब उसे किसी गिड़गिड़ाहट की तरह लगती है, तो उसे लगता है, ऐसा तो होना ही चाहिए। आखिर उसने महामारी से प्रकम्पित इस माहौल में भी उनका अन्न दाना नहीं छीना। उनके परिवार के वसीले की आय आधी कर दी। घिघियाते आदमी की नौकरी छीन उसे सडक़ पर तो नहीं फेंका। अब वह उसे कोर्निश बजा इतना भी न करे, तो भला महाशय का इतना लम्बा-चौड़ा औद्योगिक साम्राज्य किस काम का? पहले जिन कामों को लोग चाटुकारिता कह नीची दृष्टि से देख लेते थे, आज उसे जमाने के अनुसार व्यवहार सिद्ध कहा जाता है। जो कर सकेगा वह कामयाबी की सीढ़ी फलांग लेगा, परंतु सीढ़ी कमंद नहीं कि उसे भी इसी मंजिल के किसी ऊंचे तले पर पहुंचा दे। रहेगा तो वह अपने तले पर ही, पर उसके बारे में ऐसा कोई भुखमरा नाटक लिखने की नौबत नहीं आएगी कि लेखक हो तो अपनी कलम को बेचो, साधारण जन हो तो अपनी आत्मा को बेचो, हमें रोटी चाहिए। रोटी मिलेगी साहिब, जरूर मिलेगी, केवल मालिक के लिए नित्य नई प्रशंसा के विशेषणों का शब्दकोष बनाते रहिए। परंतु इन बातों में आज, कुछ भी अजब नहीं लगता कि जिसके बारे में एक नाटक लिखा जाए। बात इतनी सार्वजनिक हो गई है कि अब इसे देख कोई चिहुंकता भी नहीं। देखते ही देखते प्रगति और विकास का चेहरा बदल गया। कभी समाजवाद के नाम पर इस देश को मिश्रित अर्थव्यवस्था बना देने का सपना देखा गया था। कहा गया था कि यहां सरकारी क्षेत्र और निजी क्षेत्र सहोदर भाइयों की तरह रहेंगे। सरकारी क्षेत्र का लक्ष्य होगा जनकल्याण और निजी क्षेत्र करेगा देश का द्रुत विकास। जा रे जमाना। यह कैसी नौटंकी जीवन का सच हो गई, विकास की मंजिल हो गई। सरकारी क्षेत्र का जनकल्याण बन गया स्व-कल्याण। देश को प्रगति उपहार के नाम पर मिला परिवारवाद, जो लालफीताशाही के पंखों पर सवार हो नौकरशाही को प्रस्तर प्रतिमा बनने का ऐसा संदेश दे गया कि अपना काम करवाने आए लोगों को अपनी फाइलों के नीचे चांदी के पहिए लगा मधुर स्वर में गायन करना पड़ा कि 'तेरे पूजन को भगवान मन मंदिर आलीशान।' सवाल जब मंदिर को आलीशान बनाने का था, तो जीर्ण-शीर्ण लोगों के मन में कभी आलीशान मंदिर नहीं होते।

देश दुनीया से

कांग्रेस शासित राज्यों में मुसलामान पिछड़े क्यों हैं?

> राजनीतिक दल अल्पसंख्यकों को वोट बैंक की फसल से ज्यादा कुछ नहीं समझते। अल्पसंख्यकों का अधिक हितेषी साबित करने के लिए गैरभाजपा राजनीतिक दलों में कभी खत्म नहीं होने वाली चुनावी प्रतिस्पर्धा जारी है। इसका मंच चाहे चुनावी सभाएं हो या संसद के दोनों सदन। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी का अल्पसंख्यक वोट बैंक को रिझाने के प्रयास में भाजपा पर देशभक्त अल्पसंख्यकों के खिलाफ भी हिंसा फैलाने का आरोप लगाया। राहुल ने भाजपा का नाम लिए बगैर कहा कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ, मुसलमानों के खिलाफ और सिख लोगों के खिलाफ हिंसा और नफरत फैलाते हैं। जबकि अल्पसंख्यक हर क्षेत्र में अपना योगदान देते हैं।

देश में अल्पसंख्यकों के विकास के बजाए भावनात्मक मुद्दों पर बरगला कर उनके दोहन का खेल जारी है। राजनीतिक दल अल्पसंख्यकों को वोट बैंक की फसल से ज्यादा कुछ नहीं समझते। अल्पसंख्यकों का अधिक हितेषी साबित करने के लिए गैरभाजपा राजनीतिक दलों में कभी खत्म नहीं होने वाली चुनावी प्रतिस्पर्धा जारी है। इसका मंच चाहे चुनावी सभाएं हो या संसद के दोनों सदन। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी का अल्पसंख्यक वोट बैंक को रिझाने के प्रयास में भाजपा पर देशभक्त अल्पसंख्यकों के खिलाफ भी हिंसा फैलाने का आरोप लगाया। राहुल ने भाजपा का नाम लिए बगैर कहा कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ, मुसलमानों के खिलाफ और सिख लोगों के खिलाफ हिंसा और नफरत फैलाते हैं। जबकि अल्पसंख्यक हर क्षेत्र में अपना योगदान देते हैं। अल्पसंख्यक देश के साथ पत्थर की तरह खड़े हैं, देशभक्त हैं और आप सबके खिलाफ हिंसा और नफरत फैलाते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि अल्पसंख्यकों ने देश के साथ-साथ संविधान की भी रक्षा की है। राहुल गांधी का यह बयान महज एक चुनावी बयान से अधिक कुछ नहीं है। यह पहला मौका नहीं है जब अल्पसंख्यकों के वोट बैंक के लिए संसद के मंच का इस्तेमाल किया गया हो। चुनावी सभाएं हों या संसद, मौके-बेमौकों पर अल्पसंख्यक की हिमायत करने का कांग्रेस और दूसरे गैरभाजपा दल कोई मौका नहीं छोड़ते। अल्पसंख्यकों की पैरवी करने वाली कांग्रेस और राहुल गांधी ने यह खुलासा कभी नहीं किया कि आजादी के करीब ६० साल तक कांग्रेस का शासन केंद्र और ज्यादातर राज्यों में रहने के बावजूद अल्पसंख्यक बुनियादी सुविधाओं और देश की विकास की मुख्यधारा से दूर क्यों हैं। अल्पसंख्यकों को लेकर हायतौबा मचाने वाली कांग्रेस ने कांग्रेसशासित राज्यों में उनकी भलाई के लिए कौन से प्रयास किए। इसके अलावा केंद्र और भाजपा शासित राज्यों में सरकारी योजनाओं में अल्पसंख्यकों से कौनसा भेदभाव किया गया है। इसका भी खुलासा कभी कांग्रेस ने नहीं किया है। यह सही है कि भाजपा ने मुस्लिम अल्पसंख्यकों को पार्टी में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दिया, किन्तु यह भाजपा का आंतरिक मामला है। सरकारी स्तर पर भाजपा के मुसलमानों से भेदभाव का एक भी उदाहरण मौजूद नहीं है। जो योजनाएं देश या राज्यों के स्तर पर भाजपा सरकारों ने लागू कि उनमें सभी को पात्रता के आधार पर सुविधाएं दी गई हैं। जाति, धर्म या समुदाय के आधार पर कोई अंतर नहीं रखा गया। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के अनुसार साल 2014 से देश में पारसी, जैन, बौद्ध, सिख, ईसाई और मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय से आने वाले लगभग 5 करोड़ से ज्यादा छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई। सरकार का कहना है कि ऐसा करने से खासकर मुस्लिम लड़कियों के स्कूल छोडने की संख्या कम हुई है। 2014 से पहले मुस्लिम लड़कियों में स्कूल छोडने की संख्या 70 प्रतिशत थी जो अब घटकर 30 प्रतिशत से भी कम हो गई है। केंद्र सरकार द्वारा सीखो और कमाओ योजना शुरु की गई। इसी योजना के तहत इस साल यानी 2022 में लगभग 8 लाख महिला को लाभ पहुंचा है। वर्ष 2021-22 में देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में मुसलमानों का कुल नामांकन 21.1 लाख रहा, जबकि 2020-21 में यह आंकड़ा 19.22 लाख और 2014-15 में 15.34 लाख था, यानी 7 वर्षों में 37.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई लेकिन कोरोना के दौरान इसमें बड़ी गिरावट आई थी। सवाल यह है कि देश में ज्यादातर वक्त राज करने के बावजूद कांग्रेस शासित राज्यों में मुसलमानों की साक्षरता दर सौ प्रतिशत क्यों नहीं हो पाई। निजी और सरकारी क्षेत्र में रोजगार विकसित करने के लिए कांग्रेस का आंकड़ा सर्वोच्च क्यों नहीं रहा। अल्पसंख्यकों की असुरक्षा को लेकर भी कांग्रेस और दूसरे राजनीतिक दल उन्हें भयभीत करने का काम करते रहें हैं, ताकि उनके वोट पर अधिक हिस्सा बटोरा जा सके। भारत में 300,000 से अधिक सक्रिय मस्जिदें हैं, जो अधिकांश इस्लामिक देशों से अधिक है। जनसंख्या के मामले में भारत तीसरा सबसे बड़ा मुस्लिम आबादी वाला देश है। देश के किसी भी भाजपाशासित राज्य में एक भी मस्जिद को नहीं तोड़ा गया सिवाए बाबरी मस्जिद के, जिसका फैसला भी कानून के दायरे में हुआ। मथुरा में ईदगाह कृष्ण जन्मभूमि विवाद और वाराणासी में ज्ञानव्यापी विवाद अदालत में विचाराधीन है। जबकि पिछले दस वर्षों से उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार है। इसके बावजूद किसी भी मस्जिद को नुकसान नहीं पहुंचाया गया।

आप का नजरीया

निशाने पर सेना

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में घात लगाकर किये गये आतंकी हमले में पांच सैनिकों का शहीद होना दुखद घटना है। हाल के दिनों में सेना व सुरक्षाबलों पर लगातार बढ़ते आतंकी हमलों ने देश की चिंता बढ़ाई है। हाल के लोकसभा चुनाव में जम्मू-कश्मीर में भारी मतदान को संकेत माना जा रहा था कि जम्मू-कश्मीर का जनमानस राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़कर लोकतंत्र पर भरोसा जता रहा है। यह भी कि राज्य में बहुप्रतीक्षित विधानसभा चुनाव के लिये अनुकूल माहौल बन रहा है। लेकिन हाल में लगातार बढ़ते हमलों ने हमारी चिंता बढ़ा दी है। यहां उल्लेखनीय है कि ये हमले केंद्र में तीसरी बार राजग सरकार के सत्तारूढ़ होने के बाद अचानक बढ़े हैं। बहरहाल आठ जुलाई को सुनियोजित ढंग से किये गए चरमपंथी हमले में एक जूनियर कमीशंड अधिकारी समेत पांच जवानों की मौत हुई है, वहीं पांच सैनिक घायल भी हुए हैं। बताते हैं आतंकवादियों ने घाटी में मारे गए बड़े आतंकी बुरहान वानी की बरसी पर यह हमला किया है। बहरहाल, कठुआ से करीब डेढ़ सौ किलोमीटर दूर बदनोटा में हुए घातक हमले ने आतंकियों के दुस्साहस को उजागर किया है। सवाल उठता है कि जब सशस्त्र सैनिक भी आतंकवादियों की जद में आ रहे हैं तो आम नागरिकों के लिये तो यह कितनी बड़ी चुनौती होगी? हालांकि, इस हमले की अभी तक किसी चरमपंथी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन आशंका है कि पाक अधिकृत कश्मीर से आतंकवादियों को संरक्षण देने वाले संगठनों का इस घटना में हाथ हो सकता है। सेना इस इलाके में गहन सर्च अभियान चला रही है, लेकिन अभी घटना के सूत्र हाथ नहीं लगे हैं। दरअसल, घटनास्थल घने जंगलों से घिरा है और कठुआ से काफी दूर है। हाल के दिनों में आतंकवादियों ने जम्मू के इलाकों में आतंकी हमलों को अंजाम दिया है। ग्यारह जून को भी कठुआ के एक गांव में हुई भिड़ंत में दो चरमपंथी तथा सीआरपीएफ का एक जवान मारा गया था। उल्लेखनीय है कि आठ जुलाई 2016 को सुरक्षाबलों से हुई मुठभेड़ में हिज्बुल मुजाहिदीन कमांडर बुरहान वानी की मौत हो गई थी। जिसके बाद घाटी में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। बहरहाल, हाल के दिनों में बढ़ी आतंकवादी घटनाएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। दरअसल, केंद्र सरकार दावा करती रही है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद आतंकी हमलों व पत्थरबाजी की घटनाओं में कमी आई है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि सोशल मीडिया पर पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पांच जवानों को खोने पर दुख जताया है और घटना की निंदा की है। निस्संदेह, जम्मू-कश्मीर की मौजूदा स्थिति की गंभीर समीक्षा की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि केंद्र में नई सरकार के लिये जनादेश आने के कुछ दिन बाद ही नौ जून को जम्मू-कश्मीर के रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस पर हुए चरमपंथियों के हमले में नौ लोग मारे गए थे और बड़ी संख्या में यात्री घायल हुए थे। दरअसल, आतंकियों ने सुनियोजित तरीके से बस के चालक को निशाने पर लिया था और चालक के नियंत्रण खोने के बाद बस खाई में जा गिरी थी। यहां ध्यान देने योग्य बात यह भी कि केंद्र में भाजपा नीत गठबंधन के तीसरी बार सत्ता में आने के बाद हमलों में तेजी आई है।

10वीं-12वीं स्टेट ओपन परीक्षा में बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा

डमी अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा देते बीस को पकड़ा

जयपुर/बाड़मेर (हिंस)। बाड़मेर जिले के धनाउ थाना इलाके में स्थित एक गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में चल रहे 10वीं व 12वीं के स्टेट ओपन परीक्षा में डमी अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा देते हुए पुलिस ने 17 आरोपितों को गिरफ्तार कर तीन नाबालिगों को निरुद्ध किया है। दसवीं हिंदी की परीक्षा में 19 डमी अभ्यर्थी व 12वीं जीव विज्ञान की परीक्षा में एक डमी अभ्यर्थी को पकड़ा गया। पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि धनाउ थाना इलाके के आलमसर गांव स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में राजस्थान स्टेट ओपन का परीक्षा केंद्र है। जहां शुक्रवार को कक्षा 10वीं की हिंदी विषय व कक्षा 12वीं की जीव विज्ञान विषय की परीक्षा चल रही थी। परीक्षा केंद्र अधीक्षक जबर सिंह को संदेह होने पर उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। इस पर सीओ कृतिका यादव के सुपरविजन एवं एसएचओ सेवा दीप सिंह व थाना धनाउ प्रभारी लाखाराम एएसआई टीम के साथ स्कूल में पहुंचे। जांच व चौकिंग के दौरान वास्तविक अभ्यर्थियों के स्थान पर परीक्षा दे रहे 11 छात्र व 9 छात्राओं सहित 20 डमी अभ्यर्थियों को दस्तयाब किया गया। एसपी मीणा ने बताया कि वास्तविक अभ्यर्थी अमेद अली शाह निवासी आलमसर के स्थान पर परीक्षा देते डमी अभ्यर्थी शौकत खान निवासी आलमसर, हुजूर निवासी बामनोर के स्थान पर डमी अभ्यर्थी सबोज खान निवासी दीनगढ़, मिठन शान निवासी आलमसर की जगह डमी अभ्यर्थी हनीफ निवासी दीनगढ, सफूरा निवासी बामनोर की जगह डमी अभ्यर्थी नसीबा निवासी दीनगढ़ को गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार बेगु निवासी बामनोर की जगह डमी अभ्यर्थी इज्जत निवासी दीनगढ, दरिया निवासी पुंजासर की जगह ममता मेघवाल निवासी बामनोर,

परमेश्वरी निवासी मगरा चौहटन की जगह सुशीला निवासी राणासर कला, रानी खान निवासी इब्रे का पार की जगह जरीना निवासी आलमसर, शंकर लाल निवासी भाउडा खारी की जगह सुरेश कुमार निवासी राणासर कला, खीया राम निवासी खेडा दीनगढ़ की जगह फूसाराम जाट निवासी दीनगढ, हनुमानराम जाट निवासी श्रीरामवाला की जगह हनुमानराम निवासी रामदेरीया एकल थाना बाखासर को गिरफ्तार किया गया। हबीब खान निवासी आलमसर की जगह शरीफ खान निवासी दीनगढ, विरधा राम मेघवाल निवासी गोहड का तला रोल की जगह केवाराम मेघवाल निवासी आगीनशाह की ढाणी थाना धनाउ, राणाराम सुथार निवासी बाकासर आलमसर की जगह स्वरुप जांगिड़ निवासी बाकासर आलमसर, लुणी देवी निवासी बामनोर की जगह बसंती निवासी बामनोर एवं पार्वती जाट निवासी प्रेमनगर नेतराड की जगह डमी अभ्यर्थी चन्द्रा जाट निवासी प्रेमनगर नेतराड थाना चौहटन को गिरफ्तार किया गया। चांदनी निवासी पावडो का तला धनाउ की जगह डमी नाबालिग अभ्यर्थी, धनी निवासी आलमसर की जगह डमी नाबालिग अभ्यर्थी एवं इकबाल निवासी आलमसर की जगह डमी नाबालिग अभ्यर्थी को निरुद्ध किया गया। वास्तविक अभ्यर्थी रायचन्द राम जाट निवासी श्रीरामवाला की जगह डमी अभ्यर्थी गोगा सिंह निवासी नेहरो का वास थाना आरजीटी को कक्षा बारहवीं विषय जीव विज्ञान की परीक्षा देते गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में थाना धनाउ पर न्यू क्रिमिनल लॉ की सम्बंधित धाराओं एवं राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

फिर उफना गई कुशीनगर की नारायणी नदी, परेशानी में घिरे ग्रामीण

कुशीनगर (हिंस)। नेपाल के पहाड़ी क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण बाल्मीकि नगर बैराज से अधिकतम मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण कुशीनगर में नारायणी नदी शनिवार को फिर उफना गई। इसके कारण एक बार फिर खड्डा तहसील के रेता क्षेत्र के एक दर्जन गांव बाढ़ के पानी से घिर गए। बैराज से शनिवार सुबह नदी में 3 लाख 42 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। छितौनी बांध के भैसहा में नदी का जलस्तर खतरें के निशान 96 मीटर के नजदीक पहुंच गया। इस क्षेत्र में बाढ़ के पानी के चलते एक सप्ताह से लोगों की दुश्वारियां बढ़ी हुई हैं। मरिचहवा, शिवपुर, हरिहरपुर, नारायनपुर के परिषदीय विद्यालय बंद हैं। इन गांवों में आने जाने के लिए एकमात्र सड़क पर रोहुआ नाले पर बना अस्थाई पुल बाढ़ के पानी में डूब गया है। ग्रामीण छोटी नाव के सहारे आ जा रहे हैं। जिलाधिकारी उमेश मिश्र ने बताया कि प्रशासन पूरी तरह चौकन्ना है। स्थिति पर बराबर नजर है। आपदा और राहत टीम मौके पर कैंप कर रही है।

पंजाब उपचुनाव में आआपा की बड़ी जीत से हरियाणा में खुशी की लहर : हैप्पी रानियां

सिरसा (हिंस)। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष हैप्पी रानियां ने विधानसभा उपचुनाव में पंजाब के जालंधर पश्चिम सीट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार मोहिंदर भगत सिंह की 37325 वोटों से बड़ी जीत पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि पंजाब उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की जीत से हरियाणा के कार्यकर्ताओं में भी खुशी की लहर है। क्योंकि आम आदमी पार्टी आने वाले विधानसभा चुनाव में दिल्ली और पंजाब के बाद हरियाणा में भी सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी को छोड़कर बीजेपी में जाने वालों पंजाब की जनता ने सही जगह दिखा दी है। जनता ने बता दिया है कि यदि आप *आप* को छोड़ोगे तो जनता आप को छोड़ देगी। विधानसभा उपचुनाव में जालंधर पश्चिमी सीट से आम आदमी पार्टी की जीत ने पंजाब में आम आदमी पार्टी के द्वारा किए गए कामों पर मुहर लगा दी है। पंजाब की जनता आम आदमी पार्टी द्वारा किए गए ऐतिहासक कामों से खुश है। उन्होंने कहा कि आज पंजाब में 90त्न घरों का बिजली बिल जीरो आता है, 24 घंटे और मुफ्त बिजली, पानी मिल रहा है। अच्छे स्कूल और अस्पताल बनाए जा रहे हैं।

छात्रसंघ राजनीति की पहली पाठशाला : गहलोत

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने जयपुर में छात्रसंघ चुनावों की मांग कर रहे विद्यार्थियों पर बल प्रयोग की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि ऐसा करने की बजाए राज्य सरकार को उनकी मांग को मानना चाहिए। गहलोत ने शनिवार को सोशल मीडिया पर बयान जारी कर लिखा कि विद्यार्थियों पर बल प्रयोग, उन पर मुकदमें लगाकर उनके करियर को प्रभावित करने का डर दिखाना आदि लोकतांत्रिक कदम नहीं हैं। ये विद्यार्थी ही आगे की राजनीति का भविष्य हैं। गहलोत ने कहा कि हमारी सरकार के समय पुलिस-प्रशासन के फीडबैक के कारण चुनावी वर्ष में छात्रसंघ चुनाव नहीं करवाए जा सके थे क्योंकि प्रशासन

विधानसभा चुनावों की तैयारी में व्यस्त था एवं अधिकांश जगह कॉलेज ही चुनावी गतिविधियों जैसे चुनावी ट्रेनिंग, ईवीएम भंडारण एवं मतगणना केंद्र आदि होते हैं। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि छात्रसंघ राजनीति की पहली पाठशाला है। छात्रसंघ चुनावों से विद्यार्थियों में लोकतंत्र एवं संविधान के प्रति जागरुकता आती है। मैं स्वयं छात्रसंघ की राजनीति से निकला हूं। पिछले कार्यकाल में भाजपा सरकार ने छात्रसंघ चुनावों पर रोक लगाई थी जिसे हमारी सरकार ने हटाया। कोविड के बाद भी हमारी सरकार ने ही छात्रसंघ चुनाव बहाल किए थे। उन्होंने कहा कि मैं छात्रसंघ चुनाव में शामिल होने के इच्छुक युवाओं से भी कहना चाहता हूं कि आप भी इन चुनावों को पैसा और ताकत दिखाने का जरिया बनाने की जगह जेएनयू दिल्ली की भांति शुचिता एवं बुद्धिमता वाला चुनाव बनाएं और एक नई राजनीति की शुरुआत करें।

राजस्थान समेत अन्य राज्यों में अधिक संख्या में ग्राम न्यायालय खोलें जाएं : सुप्रीम कोर्ट

जयपुर (हिंस)। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सहित अन्य राज्यों में अधिक ग्राम न्यायालय खोलने के लिए कहा है। अदालत ने मुख्य सचिव राजस्थान को कहा है कि वे अपने संबंधित क्षेत्रों में हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के साथ अतिरिक्त ग्राम न्यायालय खोलने पर चर्चा करें। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर भी ध्यान दिया कि कुछ राज्यों में ग्राम न्यायालय सही तरीके से काम नहीं कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश अदालतों में बुनियादी ढांचा विकसित करने, केसों की पेंडेंसी को कम करने, पक्षकारों को जल्द न्याय सुनिश्चित करने और आमजन को सस्ता व सुलभ न्याय दिलवाने के उद्देश्य से दायर पीआईएल पर सुनवाई करते हुए दिया। सुनवाई के दौरान राजस्थान के एएजी शिवमंगल शर्मा ने अदालत को बताया कि राजस्थान में मौजूदा समय में 45 ग्राम न्यायालय पूरी तरह से संचालित हैं। हालांकि राजस्थान हाई कोर्ट ने अन्य जिलों में भी 19 ग्राम न्यायालय खोलने का सुझाव दिया है। यह सुझाव अभी पूर्वकालिक है, क्योंकि उन जिलों में पेंडिंग केसों की संख्या फिलहाल कम है। ऐसे में अतिरिक्त न्यायालय खोलने पर राज्य पर अत्यधिक वित्तीय भार पड़ेगा। गौरतलब है कि पीआईएल में ग्रामीण इलाकों में भी आमजन को सस्ता व सुलभ न्याय दिलवाने व कोर्ट का बुनियादी ढांचा मजबूत करने के लिए अधिक संख्या में ग्राम न्यायालय खोलने का आग्रह किया है।

भाजपा जल्द शुरू करेगी चुनाव प्रचार अभियान

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनाने के उद्देश्य के साथ भाजपा बहुत जल्द चुनाव प्रचार अभियान शुरू करेगी। इसके अलावा कांग्रेस द्वारा जारी की गई चार्जशीट का जवाब वर्कशीट के रूप में दिया जाएगा। प्रदेश भाजपा कोर ग्रुप ने कैंपेन को लेकर शुक्रवार रात पिंजौर गार्डन में रणनीति तय की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई कोर ग्रुप की बैठक में प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, कृषि मंत्री कंवर पाल गुर्जर, पूर्व कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़, पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु व हरियाणा मामलों के सह-प्रभारी सुरेंद्र नागर मौजूद रहे। बैठक में कोर ग्रुप सदस्यों ने कैंपेन को लेकर अपने-अपने सुझाव भी दिए। पिंजौर गार्डन में आम मेला भी चल रहा है। ऐसे में सीएम सहित कोर ग्रुप के सभी सदस्य शुक्रवार रात पिंजौर में थे। पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा महेंद्रगढ़ में 16 जुलाई को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कार्यक्रम की तैयारियों में व्यस्त होने की वजह से बैठक में नहीं पहुंच सके।

सात राज्यों के 13 विधानसभा उपचुनाव में इंडिया गठबंधन ने 11 सीटे जीत भाजपा को दी करारी मात : कुमारी सैलजा

सिरसा (हिंस)। देश के सात राज्यों बहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और हिमाचल प्रदेश में 13 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के इंडिया गठबंधन ने 11 सीटें जीत कर भाजपा को करारी मात दी है। इस चुनाव परिणाम से साबित हो गया है कि देश की जनता भाजपा के झूठ से परेशान हो चुकी है और वह कांग्रेस की नीतियों में विश्वास व्यक्त कर रही है। आने वाला समय कांग्रेस का है। यह बात सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद कुमारी सैलजा ने यहां जारी बयान में कही। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद इन उपचुनावों को एनडीए बनाम इंडी गठबंधन की लड़ाई बताया जा रहा था और इंडिया गठबंधन ने एनडीए गठबंधन को करारी मात देकर साबित कर दिया कि जनता कांग्रेस की नीतियों में आस्था जता रही है। उत्तराखंड की प्रभारी कुमारी सैलजा ने उत्तराखंड उपचुनाव में मंगलौर और बद्रीनाथ सीट पर काजी निजामुद्दीन एवं लखपत सिंह बुटोला को जीत दर्ज करने की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह जीत उत्तराखंड के सभी नेताओं कार्यकर्ताओं की मेहनत

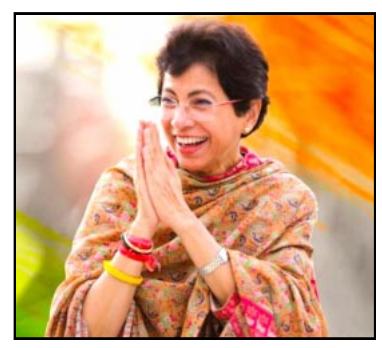

का नतीजा है। उन्होंने कहा है कि उत्तराखंड उपचुनाव के नतीजे इस बात का प्रमाण हैं कि सत्य और न्याय की जीत हमेशा होती है। हम उत्तराखंड की महान जनता का आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने कांग्रेस की नीतियों पर विश्वास जताया और अन्याय के खिलाफ संघर्षरत हमारे शीर्ष नेतृत्व मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को समर्थन दिया। उन्होंने उत्तराखंड की जनता-जनार्दन, नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का एक बार फिर से हार्दिक धन्यवाद करते हुए कहा कि आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करेंगे।

रुपौली उपचुनाव में एनडीए उम्मीदवार की हार चिंता का विषय : उपेंद्र कुशवाहा

पटना (हिंस)। पूर्णिया जिले के रूपौली विधानसभा सीट पर उपचुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह की जीत के बाद बिहार में राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। जदयू उम्मीदवार कालाधार मंडल और राजद उम्मीदवार बीमा भारती की हार के बाद एनडीए के घटक दल राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने चुनाव के नतीजे पर कहा कि एनडीए उम्मीदवार की हार चिंता का विषय है। उपेंद्र कुशवाहा ने एक्स पर एक पोस्ट कर लिखा कि पूर्णिया के रूपौली विधानसभा क्षेत्र उप चुनाव में जदयू उम्मीदवार की हार एनडीए के लिए माथे पर शिकन पैदा करने वाली है। कुशवाहा ने इस पोस्ट में राजद को भी निशाने पर लेते हुए लिखा कि संतोष इस बात का है कि जनता राज्य में 2005 के पहले की स्थिति के जिम्मेदार पार्टी को बख्शने को अभी भी तैयार नहीं है। उप चुनाव का यह साफ संदेश है। उल्लेखनीय है कि बीमा भारती के इस्तीफे से खाली हुए रुपौली विधानसभा सीट पर उपचुनाव में चौंकाने वाले नतीजे देखने को मिले। यहां से एनडीए और महागठबंधन के उम्मीदवार को हराकर निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत हासिल कर ली है। इस सीट पर लोजपा (रामविलास) से इस्तीफा देकर निर्दलीय मैदान में उतरे शंकर सिंह ने जदयू के उम्मीदवार को करीब आठ हजार वोटों से परास्त किया है जबकि पांच बार की विधायक बीमा भारती तीसरे नंबर पर रहीं।

धौलपुर में श्रद्धा और उल्लास से निकली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

धौलपुर (हिंस)। इस्कॉन संस्था के तत्वावधान में शनिवार को उड़ीसा के पुरी की तर्ज पर धौलपुर में भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की रथ यात्रा श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली गई। सृष्टि के पालनहार भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले। इस दौरान धौलपुर जय जगन्नाथ के जयकारों से गूंज उठा। भक्तों ने अपने हाथों से भगवान के रथ को खींचकर आशीर्वाद लिया। रथ के आगे सड़क पर श्रद्धालुओं ने झाड़ू लगाई। धौलपुर के स्टेशन रोड इलाके में स्थित प्राचीन पेचवाले हनुमान मंदिर से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा शुरू हुई। इसके बाद में शहर के विभिन्न इलाकों से होती हुई रथ यात्रा रियासतकालीन राधा बिहारी मंदिर पर पंहुचकर संपन्न हुई। इस दौरान शहर के मुख्य मार्गों पर हरे रामा हरे कृष्णा, कृष्णा कृष्णा हरे हरे... जय जगन्नाथ जगत रो नाथ.. की गूंज सुनाई दी। रथ यात्रा के साथ चल रहे पुरुष, महिलाएं, युवा और बच्चे भजनों की धुन पर नृत्य करते दिखाई पडे। धौलपुर इस्कॉन द्वारा पेच वाले हनुमान मंदिर से शुरू जगन्नाथ रथ यात्रा में भक्तों में रथ खींचने की होड़ देखी गई। यात्रा शुरू होने से पहले भगवान का विशेष श्रंगार कर रथ में विराजित किये गए। इसके बाद आरती और भगवान भोग को अर्पित किया गया। जय जगन्नाथ के जयकारों के साथ पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। रथ में दाएं तरफ बलभद्र बीच में बहन सुभद्रा और बाएं तरफ भगवान जगन्नाथ विराजमान हुए। भगवान की एक झलक पाने के लिए जनसमुदाय उमड़ पड़ा। इस्कॉन यूथ के सदस्य भगवान के समक्ष विभिन्न वाद्ययंत्रों के साथ कीर्तन और नृत्य करते हुए चल रहे थे। रथ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर बना शिक्षक

आरटीआई एक्टिविस्ट ने डीएम से जांच की लगाई गुहार

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज के मध्य विधालय खैरखा के सहायक शिक्षक मो मुश्ताक आलम के द्वारा फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर आरक्षण का लाभ लेकर नौकरी लेने का खुलासा आरटीआई एक्टिविस्ट सह बिहार विकास युवा मोर्चे के अध्यक्ष प्रसेनजीत कृष्ण ने किया है। मामले को लेकर उन्होंने डीएम इनायत खान को लिखित आवेदन देकर फारबिसगंज एसडीएम से जांच कराए जाने की मांग की है। डीएम को दिए आवेदन में आरटीआई एक्टिविस्ट प्रसेनजीत कृष्ण ने बताया है कि मो मुस्ताक आलम पिता- स्व खलील *शेख* जाति से आते हैं। लेकिन वर्ष 2005 में मो मुस्ताक आलम ने प्रखंड शिक्षक के रूप में फर्जी जाति प्रमाण पत्र में धुनिया जाति का लगाकर नौकरी प्राप्त कर लिया। जबकि इनका खतियान, केवाला और जमीन का रसीद में जाति में शेख दर्ज है। तो फिर किस आधार पर इसके द्वारा धुनिया जाति प्रमाण पत्र बनाया गया, यह जांच का विषय है। प्रसेनजीत कृष्ण ने कहा कि मुस्ताक आलम के द्वारा पूर्व में भी फर्जीवाड़ा करके एक नेपाली नागरिक को अपना भाई बताकर फर्जी पासपोर्ट बनवा लिया था, जो मामला पूर्व में उजागर हो चुका है। मोर्चाध्यक्ष प्रसेनजीत कृष्ण ने मो मुस्ताक आलम के दस्तावेज की जांच फारबिसगंज अनुमंडल पदाधिकारी से कराकर उचित कानूनी कार्यवाही करने की मांग डीएम से किया है।

सुशासन की पहली शर्त है विधि का शासन : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (हिंस)। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दीप प्रज्जवलित कर डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के तृतीय दीक्षांत समारोह का शुभारम्भ किया। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुशासन की पहली शर्त है विधि का शासन। न्यायसंगत व्यवस्था सबको प्रिय है। विधि के शासन के लिए ही आज आज भारत जाना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि न्याय सबको समय से मिले। बार व बेंच का बेहतर समन्वय हो। आम जनमानस एक विश्वास लेकर आपके पास आता है। विश्वास सबसे बड़ी पूंजी होती है। अधिवक्ताओं पर लोग विश्वास करते हैं। विश्वास पर खरे उतरना हम सबकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बदलते परिवेश में जो व्यक्ति व्यवस्था व समाज को बदलती है व सकारात्मक होनी चाहिए। राष्ट्र के प्रति हमारा सर्वोच्च समर्पण होना चाहिए। *सत्यं वद धर्मं चर* सत्य बोलना धर्म का आचरण करना। हम सबको सम व विषय परिस्थितियों में अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए। राष्ट्र को साक्षी मानकर, अपने कर्तव्यों के प्रति सजग होकर कार्य करना ही हमारा धर्म है। राष्ट्र

हमारे जीवन में सर्वोच्च होना चाहिए। हमारा सबकुछ राष्ट्र के प्रति समर्पित होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन यहां के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरक है। अच्छे विधि विशेषज्ञ स्नातक, परास्नातक व शोध की डिग्री लेने के बाद जीवन के प्रत्येक क्षेत्रों में राष्ट्र निर्माण के वर्तमान अभियानों का हिस्सा बन सकें यह उन्हें अवसर मिला है। हमें पूर्ण विश्वास है कि इस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के होनहार विद्यार्थी देश की न्याय व्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। इस अवसर पर विधि के विद्यार्थियों को उपाधि बांटी गई। दीक्षांत समारोह में उच्च शिक्षा के मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, विश्वविद्यालय के कुलपति अमरपाल सिंह, विभागाध्यक्ष प्रोफेसर आदित्य प्रताप सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

संविधान हत्या दिवस हर भारतीय में लोकतंत्र की रक्षा को जीवित रखेगा : कटारिया

चंडीगढ़ (हिंस)। मुख्यमंत्री के चीफ मीडिया कोऑर्डिनेटर सुदेश कटारिया ने कहा कि *संविधान हत्या दिवस* हर भारतीय के अंदर लोकतंत्र की रक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अमर ज्योति को जीवित रखने का काम करेगा, ताकि कांग्रेस जैसी कोई भी तानाशाही मानसिकता भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न कर पाए। केंद्र सरकार के फैसले के बाद शनिवार को चंडीगढ़ में जारी एक जानकारी में कटारिया ने कहा कि लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस ने संविधान बचाने का पाखंड फैलाकर दलित समाज को गुमराह करने का काम किया था। मगर संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की दलित हितों की आवाज को न केवल कांग्रेस ने दबाया बल्कि आपातकाल लगाकर बाबा साहेब की आत्मा पर कुठाराघात किया है।

वर्ल्ड स्काईडाइविंग डे : केंद्रीय पर्यटन मंत्री शेखावत ने उड़ते विमान से लगाई छलांग

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को वर्ल्ड स्काईडाइविंग डे पर खुद टेंडम स्काईडाइविंग की। 13 जुलाई वर्ल्ड स्काई डाइविंग डे के रूप में मनाने की शुरुआत हुई है। इस ऐतिहासिक अवसर को मनाने में भारत भी पीछे नहीं रहा। भारत ने वर्ल्ड स्काईडाइविंग मैप पर अपना नाम दर्ज करा दिया है। शेखावत जोधपुर से सांसद हैं। केंद्रीय मंत्री शेखावत हरियाणा की नारनौल हवाई पट्टी पर स्काई डाइविंग का हिस्सा बने। उन्होंने नारनौल हवाई पट्टी पर शनिवार सुबह स्काई डाइविंग के प्रथम एयरक्राफ्ट वीटी-एसबीएस को हरी झंडी दिखाई और उसके बाद आसमां से खुद टेंडम स्काई डाइविंग की। यहां पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि आज का दिन भारत और दुनिया के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि नारनौल में पहली निजी स्काई डाइविंग सुविधा शुरू हुई है। यह दुनिया के लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि

आज से विश्व स्काई डाइविंग दिवस शुरू हो रहा है। भारत के पर्यटन मंत्री होने के नाते यह मेरी जिम्मेदारी है कि सभी को इसका अनुभव करने के लिए सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज विश्व स्काई डाइविंग दिवस पर मैंने भी इसके अनोखे रोमांच का लुत्फ लिया। नारनौल, हरियाणा में इसकी सुविधा निजी स्तर पर प्रारंभ हुई है। मुझे प्रसन्नता है कि भारत में पर्यटन का क्षेत्र विश्वस्तरीय सुविधाओं से लब्ध होता जा रहा है। हम जमीन से आसमान तक बांहें फैलाकर पर्यटकों को आमंत्रित करते हैं।

सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग एक फीसदी तेजी रही
सेंसेक्स 80,519 और निफ्टी 24,502 पर बंद

मुंबई ।
विदेशी निवेशकों की लंबी खरीदारी, मानसून की अच्छी प्रगति, कंपनी के नतीजों की बेहतर शुरुआत के कारण बेंचमार्क इंडेक्स नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। इस सप्ताह बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी से ज्यादा तेजी दर्ज की गई। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो एशियाई बाजारों में कमजोरी के भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स कमजोरी के साथ खुले। इस दौरान आईसीआईसीआईसीअई बैंक, टाइटन और एचडीएफसी बैंक के शेयरों के कमजोर होने से बाजार नीचे फिसल गया। बीएसई का सेंसेक्स 170 अंक की गिरावट के साथ 79,829 के स्तर पर खुला और 36.22 अंक टूटकर 79,960.38 पर बंद हुआ। निफ्टी 24 अंक टूटकर 24,300 पर खुला और 3.30 अंकों की गिरावट के साथ सपाट स्तर पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 178.97 अंकों की बढ़त के साथ 80,126.41 पर खुला और 391.26 अंक चढ़कर 80,351.64 के सार्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 46.41 अंक चढ़कर 24,366.95 पर खुला और 112.65 अंक की बढ़त के साथ 24,433.20 की रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 207.47 अंक गिरकर 80,144 अंक पर खुला और 426.87 अंक की गिरावट के साथ 79,924.77 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 49.6 अंक फिसलकर 24,383 अंक पर खुला और 108.75 अंक की गिरावट के साथ 24,324.45 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार में गुरुवार को सुबह के कारोबार में जबरदस्त बढ़त देखी गई। जहां सेंसेक्स शुरुआत में ही 245 अंकों की बढ़त के साथ 80,170 पर खुला और 27.43 अंकों की गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 79,897.34 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 78 अंकों की बढ़त के साथ 24,402 पर खुला और 8.50 अंक की गिरावट के साथ 24,315 के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार में शुक्रवार को भारी तेजी देखी गई। बीएसई सेंसेक्स 996.17 अंक उछलकर 80,893.51 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर खुला और 622 अंक चढ़कर 80,519 पर बंद हुआ। निफ्टी 276.25 अंक उछलकर 24,592.20 के नए सर्वकालिक शिखर पर खुला और 186 अंक चढ़कर 24,502 पर बंद हुआ।

न्यूज ब्रीफ

नागरिकों पर टैक्स का बोझ बढ़ाने की शर्त के साथ पाकिस्तान की मदद को आईएमएफ तैयार

इस्लामाबाद । आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की मदद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) करेगा। आईएमएफ ने कर संग्रह बढ़ाने की शर्त के साथ पाकिस्तान को तीन साल के लिए सात अरब डॉलर का ऋण देने को मंजूरी दी है। आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड के मुताबिक देश में आर्थिक स्थिरता बनाने के लिए स्टैंड बॉय अरेंजमेंट 2023 के तहत आईएमएफ और पाकिस्तान के अधिकारियों में समझौते पर सहमति बनी। समझौते को लेकर आईएमएफ के मिशन प्रमुख नाथन पोर्टर के नेतृत्व में आईएमएफ टीम ने 13 से 23 मई तक इस्लामाबाद में पाकिस्तानी अधिकारियों से चर्चा की थी। अधिकारियों ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यापक आर्थिक स्थिरता को मजबूत करने और नकदी संकट से जूझ रहे देश का समावेशी और लचीला विकास करना है। इसमें देश की राजकोषीय और मौद्रिक नीति में सुधार, कर प्रक्रिया को मजबूत करने, देश के उद्यमों के प्रबंधन में सुधार, प्रतिस्पर्धा, निवेश प्रोत्साहन और पूंजीगत वृद्धि के साथ सामाजिक सुरक्षा समेत बेनजीर आय सहायता कार्यक्रम को बढ़ावा देना शामिल है। इस बार आईएमएफ ने ऋण को लेकर कई शर्तें लगाई हैं। समझौते के तहत पाकिस्तान वित्तीय वर्ष 2025 में कर राजस्व बढ़ाने पर ध्यान देगा। साथ ही राजस्व संग्रह को निष्पक्ष और सरल बनाएगा। इसके अलावा पाकिस्तान को अपने खर्च को संतुलित करना होगा। वहीं कर संग्रह बढ़ाने के लिए सर्विस सेल्स टैक्स और एग्रीकल्चर इनकम टैक्स जैसे उपाय करेगा। अधिकारियों ने यह भी बताया कि कार्यक्रम के तहत मुद्रास्फीति कम करने, निजी क्षेत्र के विकास और आर्थिक दिक्कतों को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। बता दें कि पिछले साल पाकिस्तान विदेशी ऋण का भुगतान नहीं कर पाया था। 1.1 अरब डॉलर मिल चुके 2024 की शुरुआत में आईएमएफ ने पाकिस्तान को तीन अरब डॉलर की मदद के तहत 1.1 अरब डॉलर की अंतिम किस्त जारी की थी।

टीडीएस रिफंड घोटाले में जांच तेज, आईपीएस अफसर के पति समेत पांच आरोपियों की संपत्तियां कुर्क

मुंबई । ईडी ने 263 करोड़ के आयकर टीडीएस रिफंड घोटाले में आईपीएस अफसर के पति पुरुषोत्तम चव्हाण समेत पांच आरोपियों की संपत्तियां कुर्क कीं। ईडी ने आरोपी पुरुषोत्तम चव्हाण के मुंबई स्थित फ्लैट, लोनावाला और राजेश बृजलाल बटरेजा की जमीन, अनिरुद्ध गांधी की एक कंपनी के बैंक डिपॉजिट, राजेश शेट्टी और भूषण अनंत पाटिल की बीमा पॉलिसी और एफडी समेत कुल 14.02 करोड़ रुपये की संपत्ति को कुर्क किया। इन संपत्तियों पर पीएमएलए एक्ट में जारी आदेश के तहत कुर्क किया गया। घोटाले में अब तक 182 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की जा चुकी हैं। आयकर विभाग में हुए 263.95 करोड़ के टीडीएस रिफंड घोटाले में सीबीआई ने पूर्व वरिष्ठ कर सहायक तानाजी मंडल अधिकारी के खिलाफ मनी लॉड्रिंग की एफआईआर दर्ज की थी। मनी लॉड्रिंग का मामला सामने आने के बाद ईडी ने जांच शुरू की। ईडी ने आरोप लगाया कि बृजलाल बटरेजा ने अधिकारी और अनिरुद्ध गांधी की मदद से 55.50 करोड़ रुपये भारत से बाहर भेजे।

यात्री वाहनों की बिक्री अप्रैल-जून तिमाही में 10 लाख पार, 18 प्रतिशत बढ़कर संख्या 6 लाख 45 हजार से ज्यादा

नई दिल्ली । यूटिलिटी गाड़ियों की जबरदस्त मांग के दम पर देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में पहली बार 10 लाख के पार पहुंच गई। इस अवधि में कुल 10,26,006 यात्री वाहन बिके। यह आंकड़ा 2023-24 की समान तिमाही में बिके 9,96,565 इकाइयों की तुलना में 2.95 फीसदी अधिक है। हालांकि, यात्री कारों की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई है। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून तिमाही में 3,41,293 यात्री कारें बिकीं। यह आंकड़ा एक साल पहले की समान तिमाही में बिकीं 4,13,723 इकाइयों की तुलना में 17 फीसदी कम है। वैन की बिक्री सालाना आधार पर 9 फीसदी बढ़कर 38,919 इकाई पहुंच गई। यूटिलिटी वाहनों का 63 फीसदी योगदान यात्री वाहनों की कुल रिकॉर्ड बिक्री में यूटिलिटी गाड़ियों का 63 फीसदी योगदान रहा।

जून में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.08 प्रतिशत पहुंची, चार महीने में सर्वाधिक ; खाद्य पदार्थों की कीमतों का असर

मुंबई ।
खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में उछाल से खुदरा महंगाई जून, 2024 में बढ़कर चार महीने के उच्च स्तर 5.08 फीसदी पर पहुंच गई। इससे पहले उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई फरवरी, 2024 में सबसे ज्यादा 5.09 फीसदी रही थी। मई में यह घटकर एक साल के निचले स्तर 4.75 फीसदी पर आ गई थी, जबकि जून, 2023 में 4.87 फीसदी रही थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के जारी आंकड़ों के मुताबिक, जून में खाद्य वस्तुओं की महंगाई बढ़कर 9.36 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई। मई में यह 8.69 फीसदी थी।

सब्जियों की कीमतों में वृद्धि के कारण बढ़ी खुदरा महंगाई

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं, खास तौर पर सब्जियों की कीमतों में वृद्धि के कारण जून में खुदरा महंगाई 5.08 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह चार महीने का उच्च स्तर है। जनवरी से खुदरा महंगाई दर में गिरावट दर्ज की जा रही थी लेकिन, जून में यह फिर से बढ़ गई। मई 2024 में महंगाई दर 4.8 प्रतिशत और जून 2023 में 4.87 प्रतिशत थी। फरवरी में यह 5.09 प्रतिशत थी, जो कि पिछला सबसे उच्च स्तर था।

एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार, फूड बास्केट में महंगाई दर जून में 9.36 प्रतिशत रही। इसके अलावा मई में यह 8.69 प्रतिशत रही। सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि सीपीआई महंगाई दर 4 प्रतिशत पर बरकरार रहे। सबसे अधिक महंगाई दर सब्जियों में देखने को मिली, जो कि 29.32 प्रतिशत रही। इसके बाद दालें और उत्पाद में महंगाई दर 16.07 प्रतिशत रही।

अनाज और फलों की कीमतें भी पिछले वर्ष के मुकाबले में जून में बढ़ी थीं। ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा मुद्रास्फीति 5.66 प्रतिशत रही। इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में यह 4.39 प्रतिशत से अधिक रही।

आईसीआरए की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने क्या कहा

आईसीआरए की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने आंकड़ों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जून 2024 में मुख्य सीपीआई आधारित महंगाई में चार महीने के उच्च स्तर पर वृद्धि देखने को मिली। मुख्य रूप से खाद्य और पेय पदार्थों की महंगाई दर आठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि के कारण हुई।

एचसीएलटेक ने वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में कमाए 4,257 करोड़, नए लोगों को मिली नौकरियां

नई दिल्ली। ग्लोबल टेक कंपनी एचसीएल टेक ने अप्रैल-जून तिमाही के लिए 28,057 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया है, जो 1.6 फीसदी (तिमाही पर) कम लेकिन 6.7 फीसदी (साल-दर-साल) ऊपर है। कंपनी की नेट प्रॉफिट 4,257 करोड़ रुपये है। नए लोगों के मिली नौकरियां एचसीएल टेक ने कहा कि अब यह 219,401 लोगों को रोजगार देता है (इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 8,080 की शुद्ध वृद्धि के साथ)। विनिवेश के कारण हेडकाउंट में कमी 7,398 थी और कंपनी ने इस अवधि में 1,078 फ्रेशर्स को जोड़ा है। कंपनी ने कहा कि पिछले साल की पहली तिमाही में 16.3 फीसदी से 12.8 फीसदी की गिरावट आई है। एचसीएलटेक के सीईओ और एमडी विजयकुमार ने कहा कि वे निरंतर मुद्रा के आधार पर 5.6 प्रतिशत सालाना राजस्व वृद्धि के साथ उद्योग की अग्रणी प्रदर्शन वाली एक और तिमाही की रिपोर्ट करते हुए प्रसन्न हैं। कंपनी ने क्या कहा उन्होंने कहा कि हमारा पहली तिमाही का राजस्व और ईबीआईटी परफॉर्मेंस हमारी अपेक्षाओं से थोड़ा बेहतर था। हमने 2 अरब डॉलर के नए व्यापार बुकिंग के टीसीवी दर्ज किए। विजयकुमार ने कहा कि हमें आने वाली तिमाहियों में अच्छी वृद्धि का भरोसा है, जो हमें साल के लिए अपने राजस्व मार्गदर्शन को पूरा करने की अच्छी स्थिति में रखता है, क्योंकि ग्राहक जेनएआई और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों पर खर्च करना जारी रखते हैं। रेवेन्यू में हुई इतनी बढ़ोतरी एचसीएलटेक ने रुपये में 6.7 प्रतिशत सालाना की राजस्व वृद्धि दर्ज की, जो वैश्विक माहौल को देखते हुए स्वस्थ है। एचसीएलटेक के मुख्य वित्तीय अधिकारी प्रतीक अग्रवाल ने कहा कि हमने तिमाही के लिए 4,257 करोड़ रुपये का कर-पश्चात लाभ (पीएटी) दिया, जो सालाना आधार पर 20.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता 3-5 प्रतिशत वार्षिक तथा इबीट मार्जिन 18-19 प्रतिशत के बीच रहेगा।

म्यूचुअल फंड एनएफओ में जून में आया बंपर 14,370 करोड़ रुपये का निवेश

मुंबई।
इक्विटी न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) के लिए जून का महीना काफी अच्छा रहा। इस दौरान करीब 14,370 करोड़ रुपये का निवेश 11 नई इक्विटी म्यूचुअल फंड स्कीम में देखने को मिला है।इससे पहले जुलाई 2021 में चार एनएफओ ने 13,709 करोड़ रुपये जुटाए थे। 2024 की पहली छमाही में म्यूचुअल फंड्स की ओर से 30 एक्टिव इक्विटी स्कीम्स लॉन्च की गई है। पूरे 2023 में इनकी संख्या 51 थी। इस साल की शुरुआत से जून तक एनएफओ में 37,885 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है, जो कि पिछले पूरे वर्ष की अवधि में 36,657 करोड़ रुपये था। 2022 में कुल 27 एनएफओ लॉन्च हुए थे और इनमें कुल 29,586 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से भारतीय शेयर बाजार में तेजी जारी है। इसके कारण बड़ी संख्या में म्यूचुअल फंड हाउस एनएफओ लेकर आ रहे हैं।

मौजूदा समय में करीब सात एक्टिव और पैसिव इक्विटी एनएफओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुले हैं। एक्टिव एनएफओ में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एमएफ का एनर्जी अपॉर्चुनिटीज फंड, फ्रैंकलिन टेम्पलटन एमएफ का मल्टीकैप एनएफओ, और एडलवाइस एमएफ का बिजनेस साइकिल फंड शामिल हैं। एनएफओ में सबसे ज्यादा निवेश हाई-रिस्क कैटेगरी जैसे थीमेटिक में हो रहा है। इस पर चिंता जाहिर करते हुए पराग पारेख फाइनेंसियल एडवाइजरी सर्विसेज लिमिटेड के सीईओ और चेयरमैन, नील पारेख ने सोशल मीडिया पर कहा कि वाह!, नए एनएफओ की संख्या विशेषकर थीमैटिक फंड्स में इजाफा हुआ है। ये काफी डरावना है... सभी को सावधान रहने जरूरत है। म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में निवेश में लगातार इजाफा हो रहा है। जून में यह आंकड़ा 40,608 करोड़ रुपये पर था। मई में 34,697 करोड़ रुपये का इनफ्लो आया था। इसमें 9,563 करोड़ रुपये का एनएफओ निवेश था।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है उद्योग जगत का भविष्यः विशेषज्ञ

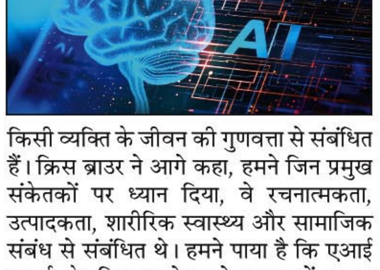

पेरिस।
विशेषज्ञों ने कहा कि मानव केंद्रित मोबाइल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ही उद्योग जगत का भविष्य है और यूजर्स के लिए हाइब्रिड एआई सर्वश्रेष्ठ संभावित मोबाइल एआई अनुभव हासिल करने का एकमात्र तरीका है।एआई सत्र के दौरान उन्होंने कहा कि केवल अच्छे काम करने के लिए नवाचार करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि जिम्मेदारी के साथ ऐसा करना भी उतना ही जरूरी है। सैमसंग के मोबाइल एक्सपीरियंस बिजनेस के ईवीपी और मोबाइल आरएंडडी कार्यालय के प्रमुख वोन-जून चोई ने कहा, हमने कुछ ही महीनों में गैलेक्सी एआई को डेमोक्रेट बनाया है और अधिक मॉडल व फॉर्म फैक्टर तक अपनी पहुंच बढ़ाई है। हमारे उद्योग भागीदारों के सहयोग और हाइब्रिड एआई के लिए हमारे विशिष्ट अप्रोच के माध्यम से यह उपलब्धि संभव हुई है। ताकि यूजर्स को सबसे व्यावहारिक, विश्वसनीय और मोबाइल एआई अनुभव प्रदान किया जा सके। वहीं, गोल्डस्मिथ्स यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के डॉ. क्रिस ब्राउर के अनुसार, यह एआई और संकेतकों के बीच संबंधों की खोज और समझने का पहला चरण है। जिन्हें हम जानते हैं कि वे किसी व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता से संबंधित हैं। क्रिस ब्राउर ने आगे कहा, हमने जिन प्रमुख संकेतकों पर ध्यान दिया, वे रचनात्मकता, उत्पादकता, शारीरिक स्वास्थ्य और सामाजिक संबंध से संबंधित थे। हमने पाया है कि एआई यूजर्स के लिए आने वाले समय में अपार संभावनाएं स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रही हैं। गूगल के जेमिनी एक्सपीरियंस और गूगल असिस्टेंट की उपाध्यक्ष जेनी ब्लैकबर्न ने कहा कि सैमसंग जैसे भागीदारों से अत्याधुनिक मोबाइल उपकरणों के बिना हमारे विश्व स्तरीय प्लेटफार्मों की क्षमताओं का कम उपयोग होगा। उद्योग विशेषज्ञों ने जिम्मेदार एआई अनुभव बनाने पर भी विचार-विमर्श किया। अर्थशास्त्री और नीति विश्लेषक लूसिया रूसो ने कहा कि एआई पॉलिसी ऑब्जवेटरी नीति निर्माताओं को विकास संग आगे बढ़ते रहने में मदद करेगी।

अदाणी के विझिंजम बंदरगाह पर 20,000 करोड़ के निवेश की तैयारी, बंदरगाह वर्ष 2028 तक पूरी तरह तैयार हो जाएगा

नई दिल्ली ।
अदाणी समूह के विझिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह पर 2028 तक कुल 20,000 करोड़ रुपये के निवेश की तैयारी हो गई है। अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड (एपीएसईजेड) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने परीक्षण के तौर पर इस बंदरगाह की शुरुआत के अवसर पर कहा कि इस बंदरगाह के शेष चरण के लिए कार्य इसी साल अक्टूबर में शुरू होने की उम्मीद है। यह भारत का पहला ट्रांसशिपमेंट केंद्र और गहरे समुद्र में पहला कंटेनर टर्मिनल है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस परियोजना में एपीएसईजेड 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी शिपिंग कंपनी मेयर्स्क के जहाज एमवी सैन फर्नांडो के इस बंदरगाह पर पहुंचने के बाद इस बंदरगाह का औपचारिक तौर पर परिचालन शुरू हो गया। केरल सरकार के अनुसार इस परियोजना का पहला चरण दिसंबर 2024 में चालू होना था, मगर अब वह कुछ महीने पहले सितंबर में ही चालू हो जाएगा। इस परियोजना के दूसरे से लेकर चौथे चरण के दिसंबर, 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है। अदाणी ने कहा कि परियोजना के चारों चरण वर्ष 2028-29 तक पूरे हो जाएंगे। तब तक केरल सरकार और अदाणी समूह विझिंजम बंदरगाह में कुल 20,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। यह परियोजना सार्वजनिक-निजी भागीदारी का शानदार उदाहरण है। अदाणी ने बताया, इस परियोजना के मास्टर प्लान के लिए जन सुनवाई पूरी हो चुकी है। मैं विझिंजम के लोगों के जबरदस्त समर्थन से अभिभूत हूं।

दूरसंचार विभाग ने जागरूक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं का जताया आभार, जिन्होंने संचार साथी के जरिए फ्रॉड की दी सूचना

भारत दूरसंचार
DOT
INDIA TELECOM

नई दिल्ली।
भारत सरकार के दूरसंचार विभाग की तरफ से फ्रॉड कॉल, फिशिंग कॉल (धोखाधड़ी करने वाले कॉल) और अन्य ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले तरीके को लेकर लगातार ग्राहकों को आगाह किया जाता रहा है। इसके बाद भी धोखाधड़ी की वारदातों में कमी नहीं आ रही है। ऐसे में संचार साथी नाम से एक कार्यक्रम दूरसंचार विभाग की तरफ से चलाया गया है।भारत सरकार द्वारा सभी मोबाइल फोन उपभोक्ताओं को विशेष सुरक्षा प्रदान करने के लिए संचार साथी पोर्टल को लॉन्च किया गया है। इस पोर्टल की मदद से मोबाइल फोन उपयोगकर्ता अपने चोरी हुए मोबाइल फोन को ब्लॉक करा सकते हैं, साथ ही फोन को ट्रैक भी किया जा सकता है। ऐसे में अब जागरूक लोग इस एप का बेहतरीन इस्तेमाल कर रहे हैं। जिसको लेकर भारत सरकार के दूरसंचार विभाग की तरफ से आशीष डबास सहित कई लोगों को धन्यवाद दिया गया है कि उन्होंने समय रहते इस संचार साथी एप पर फोन नंबर के जरिए होने वाले बैंकिंग और अन्य फ्रॉड की सूचना दी। भारत सरकार के दूरसंचार विभाग की तरफ से लिखा गया कि एक अच्छे मददगार नागरिक होने के लिए धन्यवाद, आपके द्वारा की गई रिपोर्ट की वजह से हमें कई फ्रॉड को रोकने में सफलता मिली। हमने आप लोगों के द्वारा संचार साथी के चक्षु पर की गई रिपोर्ट की मदद से आप लोगों के द्वारा दिए गए तीन नंबरों से जुड़े पूरे भारत में 42 आईईएमआई को ब्लॉक किया। इसके साथ ही 24,229 मोबाइल नंबरों को तत्काल निरस्त किया गया, जो इन 42 आईईएमआई से जुड़े हुए थे। ऐसे ही जागरूक उपभोक्ता बने रहें और चक्षु पर रिपोर्ट करते रहें। बता दें कि संचार साथी के अंतर्गत यह चक्षु नागरिकों को साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, अन्य आपराधिक कॉल के साथ एसएमएस या व्हाट्सएप के माध्यम से किसी अन्य तरह के दुरुपयोग के लिए रिपोर्ट करने की सुविधा प्रदान करता है।

भारत ने वैश्विक चुनौतियों के सामने असाधारण लचीलापन दिखाया : इंडस्ट्री

नई दिल्ली। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत ने असाधारण रूप से लचीलापन दिखाया है। सही मौद्रिक नीति और विवेकपूर्ण नीतिगत फैसलों के कारण देश लगातार विकास की तरफ बढ़ रहा है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स की ओर से यह जानकारी दी गई।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा डेटा के मुताबिक, 5 जुलाई को समाप्त हुए हफ्ते में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5.16 अरब डॉलर बढ़कर 657.16 अरब डॉलर हो गया है। पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के अध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने कहा कि इससे भारत के आर्थिक विकास को काफी सहारा मिलेगा। विदेशी मुद्रा भंडार का बढ़ना दुनिया में भारत के प्रति आकर्षण को बढ़ाएगा और इससे घरेलू ट्रेड और इंडस्ट्री को सहारा मिलेगा। एक्सपर्ट्स ने कहा कि भारत के पास मौजूद पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार केंद्रीय बैंक को देश की मुद्रा और मौद्रिक नीति को वैश्विक परिस्थितियों के आगे अधिक लचीले तरीके से संभालने में मदद करेगा। पेस 360 में सह-संस्थापक और चीफ ग्लोबल स्ट्रैटेजिस्ट अमित गोयल ने कहा कि केंद्रीय बैंक मुद्रा में अस्थिरता की जांच करने के लिए अपने विदेशी भंडार का उपयोग कर रहा है। गोयल ने आगे कहा कि इस साल अब तक एशियाई देशों में रुपये का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा है। आरबीआई की ओर से लगातार रिजर्व बढ़ाया जा रहा है। इससे बाजार में अस्थिरता को रोकने में मदद मिलेगी। किसी भी देश के लिए विदेशी मुद्रा भंडार काफी महत्वपूर्ण होता है। ये वैश्विक अनिश्चितता की स्थिति में देश की मुद्रा को स्थिर रखने में मदद करता है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने हाल ही में कहा था कि भारत का एक्सटर्नल सेक्टर मजबूत बना हुआ है। केंद्रीय बैंक को विश्वास है कि भारत अपने लिए जरूरी एक्सटर्नल फाइनेंसिंग आसानी से पूरी कर पाएगा।

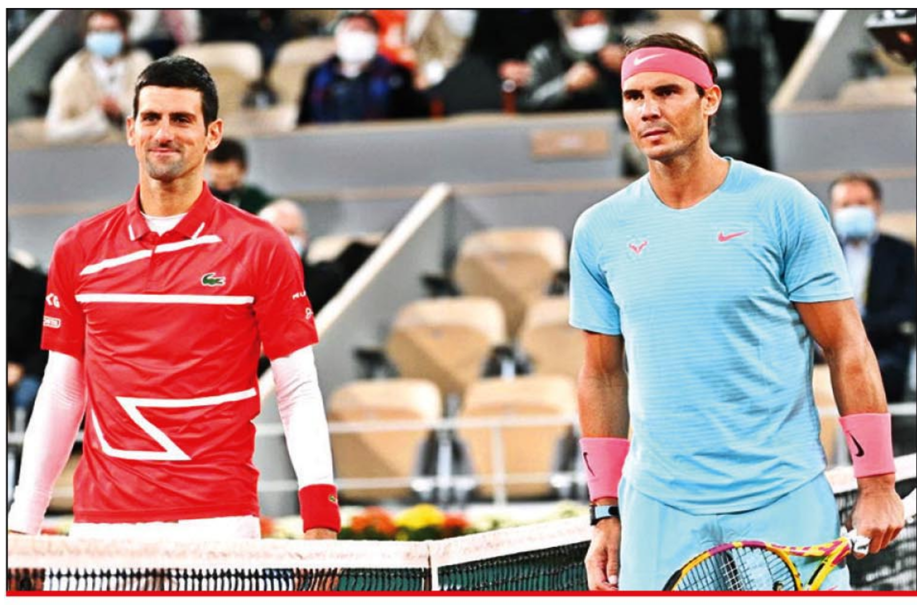

रोजर फेडरर की बराबरी करने से एक कदम दूर जोकोविच, 37वीं बार बनाई ग्रैंडस्लैम फाइनल में जगह

लंदन ।

जोकोविच का अपने रिकॉर्ड 25वें ग्रैंडस्लैम खिताब के लिए गत चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्काराज से सामना होगा जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल में डेनिल मेदवेदेव को हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई है। पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच का वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन में शानदार अभियान जारी है और उन्होंने सेमीफाइनल में लोरेंजो मुसेट्टी को हराकर पुरुष सिंगल्स वर्ग के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। जोकोविच का अपने रिकॉर्ड 25वें ग्रैंडस्लैम खिताब के लिए गत चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्काराज से सामना होगा जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल में डेनिल मेदवेदेव को हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई है। विंबलडन के सबसे उम्रदराज चैंपियन बनने के करीब जोकोविच 37 वर्षीय जोकोविच अगर अल्काराज की चुनौती से पार पाने में सफल रहे तो वह टूर्नामेंट के सबसे उम्रदराज चैंपियन बन जाएंगे। जोकोविच विंबलडन में घुटने की सर्जरी से उबरकर आए थे, लेकिन उन्होंने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है और अपने प्रतिद्वंद्वी को मात देने में सफल रहे हैं। जोकोविच के सामने अब अल्काराज होंगे जिन्होंने पिछले साल विंबलडन के फाइनल में पांच सेटों तक चले मुकाबले में हराया था। जोकोविच और अल्काराज के बीच आंकड़ों में फिलहाल सर्बियाई खिलाड़ी का पलड़ा भारी है, लेकिन स्पेन का यह युवा खिलाड़ी दो मौकों पर जोकोविच को चौंका चुका है। फेडरर की बराबरी करने के करीब पहुंचे जोकोविच जोकोविच अब स्विट्जरलैंड के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर की बराबरी करने के करीब पहुंच गए हैं। ओपन ऐरा में फिलहाल फेडरर एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने आठ बार विंबलडन का खिताब जीता है। जोकोविच सात बार इस टूर्नामेंट के चैंपियन बन चुके हैं, जबकि पीट संप्रास के नाम भी इतने ही विंबलडन खिताब हैं।

रिकॉर्ड ग्रैंडस्लैम फाइनल खेल चुके हैं जोकोविच

जोकोविच के नाम सबसे ज्यादा बार ग्रैंडस्लैम फाइनल खेलने का रिकॉर्ड दर्ज है। जोकोविच 37वीं बार किसी ग्रैंडस्लैम के खिताबी मुकाबले में पहुंचे हैं। उनके बाद सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम खेलने के मामले में रोजर फेडरर हैं जिन्होंने अपने करियर में 31 बार ग्रैंडस्लैम फाइनल में जगह बनाई, जबकि स्पेन के राफेल नडाल 30 बार ग्रैंडस्लैम का खिताबी मुकाबला खेल चुके हैं।

न्यूज ब्रीफ

साइना पर टिप्पणी के लिए क्रिकेटर अंगकृष ने माफी मांगी

नई दिल्ली । भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार साइना पर की गयी अपनी टिप्पणी के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी ने माफी मांगी है। बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल पर की गई अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी है। यह पूरा मामला साइना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से जुड़ा है। इसमें साइना ने देश में अन्य खेलों की तुलना में क्रिकेट की ओर अधिक ध्यान दिये जाने पर चिन्ता जतायी थी। साइना ने इस वीडियों में कहा था, सब लोग जानना चाहते हैं कि साइना क्या कर रही है, पहलवान और मुक्केबाज क्या कर रहे हैं, नीरज चोपड़ा क्या कर रहे हैं। हर कोई इन खिलाड़ियों को जानता है, क्योंकि हमने लगातार प्रदर्शन किया है और हम अखबारों में छाए रहे हैं। मैंने ऐसा किया, मुझे ऐसा लगता है कि यह एक सपने जैसा है जो मैंने भारत में किया क्योंकि यहां स्पोर्टिंग कल्चर नहीं है। साइना ने इसके बाद इस बातचीत में क्रिकेट को भी शामिल कर लिया। उन्होंने कहा- कभी-कभी मुझे लगता है कि क्रिकेट को कुछ ज्यादा ही महत्व मिलता है। वहीं अगर आप बैडमिंटन, बास्केटबॉल, टेनिस और दूसरे खेलों को देखें तो ये शारीरिक रूप से बहुत कठिन हैं। आपके पास शटल उठाने और सर्व करने का भी समय नहीं होता, आप ऐसा महसूस करते हैं। जैसे कि आप बहुत जोर से साँस ले रहे हों। वहीं मेरा मानना है कि क्रिकेट में कौशल ज्यादा महत्वपूर्ण है। साइना इस वीडियो पर अंगकृष ने सोशल मीडिया पर विवादित कमेंट कर दिया था। ने लिखा, चलो देखते हैं कि बुमराह जब उनके सिर पर 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बाउंसर मारेंगे तो वह कैसे खेलेंगी। अंगकृषरघुवंशी के इस कमेंट के लिए उनकी काफी आलोचना हुई थी।

यूरो फाइनल से पहले इंग्लैंड के राइस ने कहा...हम देश को गौरवान्वित करना चाहते हैं

बर्लिन। इंग्लैंड के मिडफील्डर डेक्लान राइस का मानना है कि पुरुष टीम यहां ओलंपियास्टेडियन में स्पेन के खिलाफ यूरो 2024 फाइनल में वास्तव में एक बड़ी ताकत बनने के लिए महिला टीम से प्रेरणा ले सकती है। यूरो 2022 फाइनल में जर्मनी पर रोमांचक जीत के साथ महिला टीम द्वारा 56 साल के ट्रॉफी सूखे को समाप्त करने के बाद इंग्लैंड अपने पहले महाद्वीपीय पुरुष खिताब पर नजर गड़ाए हुए है। वेम्बली में इटली के खिलाफ पेनल्टी पर यूरो 2020 खिताब हारने के बाद गैरेथ साउथगेट की टीम टूर्नामेंट में अपना लगातार दूसरा फाइनल खेलेगी। राइस के हवाले से बीबीसी स्पोर्ट ने कहा, हमने देखा कि जब महिला टीम ने इसे जीता, तो इसका उनके और देश के लिए क्या मतलब था। मैंने आर्सेनल में कुछ लड़कियों को देखा और हम यही चाहते हैं। हम जीतना चाहते हैं और देश को गौरवान्वित करना चाहते हैं। हम एक और फाइनल में वापस आ गए हैं, जो अपने आप में इतिहास है, लेकिन अब हमारा लक्ष्य एक और फाइनल जीतने का है। हम सिर्फ फाइनल में पहुंचना नहीं चाहते हैं बल्कि उससे खुश होना चाहते हैं। आर्सेनल के मिडफील्डर ने कहा, अब हम एक ऐसा देश बनना चाहते हैं जहां हम जीतें। हम आगे बढ़ना जारी रखना चाहते हैं और आने वाले युवा खिलाड़ियों के लिए हम वास्तव में एक बड़ी ताकत बनना चाहते हैं। राइस इंग्लैंड की उस टीम का हिस्सा थे जो तीन साल पहले अपने पहले यूरो फाइनल में पेनल्टी पर इटली से हार गई थी। 25 वर्षीय खिलाड़ी के अनुसार, थ्री लायंस वेम्बली में अपने घरेलू दर्शकों के सामने जीत नहीं सके, लेकिन वे 2008 और 2012 के चैंपियन स्पेन को हराने के लिए दृढ़ हैं। राइस ने कहा, इटली को अपने घरेलू स्टेडियम में ट्रॉफी उठाने के लिए आगे बढ़ते हुए देखना एक फुटबॉल खिलाड़ी के रूप में आपके साथ रहता है। हम जानते हैं कि पिछले फाइनल में हम शायद बस बैठे रहे और उतना आक्रमण नहीं किया जितना हमें करना चाहिए था। ऐसा कई बार नहीं होता है आप फाइनल में एक के बाद एक जाते हैं लेकिन खिलाड़ियों का यह समूह बहुत भूखा है। हम जानते हैं कि यह कठिन होने वाला है और हम जानते हैं कि आप स्पेन को नज़रअंदाज नहीं कर सकते, जो इतने सालों से एक शीर्ष देश रहा है।

ओलंपिक में अपने को साबित करना चाहते हैं जरमनप्रीत, डोपिंग आरोपों के कारण दो साल टीम से रहे थे बाहर

नई दिल्ली । भारतीय हॉकी टीम में शामिल जरमनप्रीत सिंह इसी माह शुरु हो रहे पेरिस ओलंपिक को लेकर उत्साहित हैं। जरमनप्रीत ने कहा है कि वह इसमें बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना चाहते हैं। जरमनप्रीत के ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने बेहद कठिन हालातों में वापसी की है। उनपर साल 2016 में डोपिंग का आरोप लगा था जिससे उन्हें दो साल तक खेल से दूर रहना पड़ा था। इसके बाद भी अपनी मजबूत इच्छा शक्ति के बल पर वह वापसी करने में सफल रहे। जरमनप्रीत ने कहा कि डोपिंग के आरोपों के कारण उनके दो साल बेहद मुश्किल रहे। 2018 में चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान राष्ट्रीय टीम के लिए पदार्पण करने वाले जरमनप्रीत ने कहा, 'खिलाड़ी आम तौर पर इस तरह के झटके से उबर नहीं पाते हैं।

41 साल के एंडरसन ने क्रिकेट को अलविदा कहा

टेस्ट में 704 विकेट लिए, सचिन के बाद सबसे ज्यादा मैच खेले ; कहा- इंग्लैंड के लिए खेलना बेस्ट जॉब

नई दिल्ली ।

41 साल की उम्र में इंग्लैंड के मुख्य तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने क्रिकेट को अलविदा कह दिया। 2002 में 20 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट की शुरुआत की। टेस्ट में 704 विकेट लिए, वनडे में 269 और टी-20 में 18...टोटल 991 विकेट। 21 साल तक इंग्लैंड की टीम की पेस गेंदबाजी की अगुआई की। आखिरी टेस्ट लॉर्ड्स में खेल रहे थे। मैच जीतने के बाद बालकनी पर आए, ग्राउंड में जमा सैकड़ों फैंस को खुशी का मौका दिया और इसके बाद कहा- इंग्लैंड के लिए क्रिकेट खेलना दुनिया की बेस्ट जॉब है। और फिर अलविदा कह दिया। लॉर्ड्स के ड्रेसिंग रूम में मैच के बाद पूरी टीम मौजूद थी और पूर्व कप्तान नासिर हुसैन भी। हुसैन ने एंडरसन से कहा कि आपने इंग्लैंड के लिए जो कुछ भी किया, वो शानदार था। हर चीज के लिए आपका शुक्रिया। एंडरसन ने वनडे करियर की शुरुआत 2002 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ की थी और आखिरी मैच अफगानिस्तान के खिलाफ 2015 में खेला था। टेस्ट करियर की शुरुआत 2003 में जिम्बाब्वे के खिलाफ की थी और आज वेस्टइंडीज के खिला अपना आखिरी मैच खेला। टी-20 की शुरुआत 2007 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ की थी और साउथ अफ्रीका के खिलाफ आखिरी मैच 2009 में खेला।

जेम्स एंडरसन की करियर जर्नी...

1. इंटरनेशनल करियर की पहली बॉल - जेम्स एंडरसन ने 15 दिसंबर 2002 को 20 साल की उम्र में पहली बॉल डाली। ये मैच ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में खेला गया था। एंडरसन ने इस मैच में 6 ओवर में 46 रन देकर 1 विकेट लिए थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट को आउट किया था।

2. 2003 में टेस्ट डेब्यू - वनडे में डेब्यू के एक साल के बाद एंडरसन ने टेस्ट डेब्यू किया। जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए इस मैच में एंडरसन ने 5 विकेट लिए। यह मैच इंग्लैंड के लॉर्ड्स में खेला गया था।

3. 2007 में टी-20 डेब्यू - एंडरसन ने टी-20 की शुरुआत 2007 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ की थी। ये मैच ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में खेला गया था। इस मैच में एंडरसन ने 1 विकेट लिया था। उन्होंने मैथ्यू हेडन को आउट किया था। जेम्स एंडरसन को बेन स्टोक्स ने मैच शुरू होने से पहले टीम लीड करने को कहा। यहां वो इमोशनल नजर आए। इस समय जेम्स की उपलब्धियों के बारे में बताया जा रहा था। मैच स्टार्ट होने से पहले एंडरसन की दोनों बेटी लोला और रूबी एंडरसन ने लॉर्ड्स की ऐतिहासिक बेल को बजाकर मैच की शुरुआत की। इस समय स्टेडियम में एंडरसन की पत्नी डैनिएला और पैरेंट्स माइकल एंडरसन और कैथरीन एंडरसन मौजूद थे। जेम्स एंडरसन का ये वो शानदार एक्शन हैं। जिसे हर बॉलर अपनाना चाहता है। स्विंग के मामले में एंडरसन दुनिया के सबसे बड़े बॉलर हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी टेस्ट मैच की दोनों पारी में उन्होंने 26.4 ओवर की गेंदबाजी की और 58 रन देकर 4 विकेट निकाले। इंग्लैंड-वेस्टइंडीज के मैच के तीसरे दिन मैदान में जाने से पहले जेम्स एंडरसन को दोनों टीम द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। टेस्ट क्रिकेट की पहली बॉल जेम्स एंडरसन ने लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर डाली थी और आज उन्होंने अपने करियर की आखिरी बॉल यही डाली। एंडरसन मैदान से बाहर जाते समय भावुक नजर आए।

जेम्स एंडरसन का करियर...

सचिन तेंदुलकर के 200 टेस्ट मैच के बाद सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले जेम्स एंडरसन ने इस साल की शुरुआत में भारत दौरे पर अपने 700 टेस्ट विकेट पूरे किए थे। एंडरसन ने साल 2003 में जिम्बाब्वे के खिलाफ लॉर्ड्स मैदान पर टेस्ट डेब्यू किया था। तब से लेकर अब तक उन्होंने 188 टेस्ट मैचों में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया है। इस दौरान उन्होंने 350 पारियों में 26.53 की औसत और 2.79 की इकोनॉमी से 704 विकेट हासिल किए हैं।41 साल के जेम्स एंडरसन जिस इंग्लिश टीम में अभी खेल रहे हैं। कुछ ऐसे भी खिलाड़ी हैं, जिनका जिमी के करियर की शुरुआत के वक्त जन्म भी नहीं हुआ था।

टेस्ट में 40 हजार बॉल डालने वाले पहले तेज गेंदबाज - जेम्स एंडरसन टेस्ट में तेज गेंदबाजों के मामले में 40 हजार बॉल फेकने वाले पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने 178 मैचों में यह कारनामा हासिल किया। दूसरे नंबर पर उनके साथी स्टुअर्ट ब्रॉड हैं उन्होंने 167 टेस्ट मैच में 33 हजार 698 बॉल फेकीं हैं टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे बॉलर एंडरसन टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 188 टेस्ट मैचों की 350 पारियों में 26.53 की औसत और 2.79 की इकोनॉमी से 704 विकेट हासिल किए हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 32 बार 5 विकेट हॉल और 3 बार टेन विकेट हॉल है। एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में केवल श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन (800) और ऑस्ट्रेलिया शेन वार्न (708) के बाद तीसरे स्थान पर है। वहीं तेज गेंदबाज के मामले में पहले नंबर पर हैं। मैच से पहले रिटायरमेंट इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन 10 जुलाई से 14 जुलाई के बीच लंदन के लॉर्ड्स में अपने टेस्ट करियर का आखिरी मैच खेला। उन्होंने अपने आखिरी इंटरनेशनल क्रिकेट मैच से दो दिन पहले कहा था, %पिछले कुछ दिनों से मेरी ट्रेनिंग अच्छी चल रही है। मैं खेल के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा हूं। मेरे लिए बड़ी बात होगी कि अच्छी गेंदबाजी करूं और टीम को मैच जिताऊं। मेरा पूरा ध्यान इसी पर लगा है। मुझे विश्वास है कि मैच के बाद भावनाएं बदलेंगी। तो मेरा ध्यान खुद को रोने से रोकने पर रहेगा।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स का फाइनल भारत, पाकिस्तान जबरदस्त भिड़ंत के लिए तैयार

बर्मिंघम।

भारतीय चैंपियंस वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के ग्रैंड फिनाले में यहां एजबेस्टन क्रिकेट स्टेडियम में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान चैंपियंस से भिड़ेंगे। यह सिर्फ एक क्रिकेट मैच नहीं है; यह कौशल, जुनून और इतिहास की एक विशाल प्रतियोगिता है। भारत और पाकिस्तान के बीच प्रतिद्वंद्विता पौराणिक है, जिसमें यादगार झड़पें दशकों से प्रशंसकों को रोमांचित करती रही हैं।

2007 टी20 विश्व कप में रोमांचक मुकाबलों से लेकर 2011 और 2019 वनडे विश्व कप में नाटकीय खेल तक, इन दोनों टीमों ने क्रिकेट प्रेमियों को अनगिनत पल संजोने के लिए दिए हैं। युवराज सिंह, सुरेश रैना और पठान बंधुओं जैसे दिग्गज खिलाड़ियों वाली भारतीय टीम अनुभव और आक्रामक स्वभाव का मिश्रण लाती है। गतिशील रॉबिन उथप्पा द्वारा समर्थित उनका लाइनअप, हाई-ऑक्टेन क्रिकेट के शानदार प्रदर्शन का वादा करता है। दूसरी ओर, पाकिस्तान की टीम में यूनुस खान, शाहिद आफरीदी और शोएब मलिक जैसे दिग्गज मौजूद हैं जो अपनी मैच जिताने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं और अपनी ताकत दिखाने के लिए उत्सुक होंगे। पूरे टूर्नामेंट के दौरान, प्रशंसकों को रोमांचकारी प्रदर्शन देखने को मिले, उम्मीद है कि फाइनल मैचों की एक रोमांचक श्रृंखला का उपयुक्त चरमोत्कर्ष होगा। जैसे-जैसे क्रिकेट की दुनिया इस मुकाबले के लिए तैयार हो रही है, सीमा के दोनों ओर और दुनिया भर के प्रशंसक अविस्मरणीय क्रिकेट एक्शन की एक रात के लिए तैयार हैं। मैच रात 9 बजे (भारतीय समयानुसार) शुरू होगा और इसका सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर किया जाएगा, जिसकी स्ट्रीमिंग फैन कोड पर उपलब्ध होगी।

केवल अच्छे पैसे देकर ही वेस्टइंडीज क्रिकेट को बेहतर नहीं बनाय जा सकता : लारा

जमैका ।

वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज ब्रायन लारा ने टीम की इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में हार पर निराशा जाहिर की है। लारा ने इसके साथ ही कहा है कि हम प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे नहीं ला पा रह हैं। साथ ही कहा कि केवल अच्छे पैसे देकर ये समस्या हल नहीं हो सकती है।

लारा ने सवाल किया कि अगर आप वेस्टइंडीज के बैंक खाते में 100 मिलियन, 200 मिलियन डॉलर डालते हैं, तो क्या इससे हमारा खेल बेहतर हो जाएगा मुझे लगता है ऐसा नहीं होगा। खराब प्रदर्शन का कारण ये है कि हमारे पास जो प्रतिभाएं हैं हम उनका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। वेस्टइंडीज की टीम अभी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट रैंकिंग में आठवें स्थान पर खिसक गयी है। टीम का प्रदर्शन टी20 विश्वकप में भी अच्छा नहीं रहा था। साल 1970 और 1980 के दशक में क्रिकेट की वेस्टइंडीज नंबर एक टीम थी पर अब खिलाड़ियों का रुझान टी20 लीग के प्रति बढ़ा है। इसके अलावा एथलेटिक्स जैसे अन्य खेल भी तेजी से बढ़े हैं जिस कारण प्रतिभा पूल प्रभावित हो रहा है। इस दिग्गज बल्लेबाज ने कहा कि विभिन्न खेलों की संख्या और बच्चों के लिए अलग-अलग अवसरों के कारण क्रिकेट कमजोर हो गया है पर मेरा कॉर्पोरेट अगर साथ दे तो वेस्ट इंडीज क्रिकेट बेहतर हो सकता है। लारा ने कहा कि वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड की भी गलती रही है। उसने प्रायोजकों को आकर्षित करने का कोई प्रयास नहीं किया है। जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि कम से कम जमीनी स्तर पर बल्कि अकादमी, सभी अलग-अलग चीजें, सुविधाएं मानक के अनुरूप हों।

यशस्वी और शुभमन तोड़ सकते है मेरा रिकार्ड: लारा

जमैका ।

वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा ने भारतीय टीम के युवा क्रिकेटरों यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की है। लारा ने कहा है कि यशस्वी और शुभमन में मेरे टेस्ट में 400 रन के विश्व रिकार्ड को तोड़ने की पूरी क्षमताएं हैं। लारा ने साल 2004 को इंग्लैंड के खिलाफ 400 रन बनाये थे। इसके बाद से ही यह रिकॉर्ड कायम है। लारा ने कहा कि वीरेंद्र सहवाग, क्रिस गेल, सनथ जयसूर्या जैसे बल्लेबाजों ने तिहरा शतक लगाया पर वह मेरे रिकार्ड तक नहीं पहुंच पाये।

लारा ने कहा कि अगर यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल को सही स्थिति मिलती है, तो वह 400 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं।

वहीं यशस्वी जायसवाल ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ दो दोहरे शतक लगाकर लंबी पारी खेलने की अपनी क्षमताएं पहले ही दिखा दी है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपने टेस्ट करियर में 16 पारियों में 68.53 की औसत से 1028 रन बनाए हैं। वहीं शुभमन गिल ने भी अपने करियर की अच्छी शुरुआत की और ऐतिहासिक गाबा टेस्ट के पांचवें दिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच जीतने वाली 91 रन की पारी खेली। अब तक 25 मैचों में, इस युवा खिलाड़ी ने 35.52 की औसत से 1492 रन बनाए हैं जिसमें चार शतक और छह अर्द्धशतक शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि आज इंग्लैंड के जैक क्रॉली और हैरी ब्रुक भी काफी आक्रामक खिलाड़ी हैं। क्रॉली का टेस्ट में सर्वोच्च स्कोर 267 है। दूसरी ओर ब्रूक टेस्ट क्रिकेट में उभरते क्रिकेटरों में से एक हैं जिन्होंने अपने करियर में अब तक 20 पारियों में 62.15 की औसत और 91.76 की स्ट्राइक रेट से 1181 रन बनाए हैं। ब्रूक ने अपने छोटे करियर में अब तक 186 रन का सबसे अधिक स्कोर बनाया है।

सिंधू और प्रणय को ओलंपिक में मिला आसान ग्रुप

पेरिस ।

पेरिस ओलंपिक के लिए का काउंटडाउन शुरू हो गया है और बैडमिंटन स्पर्धा के लिए ग्रुप तय कर दिए गए हैं जिसमे दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और एचएस प्रणय को आसान ग्रुप में जगह मिली है। रियो खेलों में रजत पदक और उसके बाद टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू को 10वीं वरीयता दी गई है। ओलंपिक में बैडमिंटन स्पर्धाएं 27 जुलाई से शुरू होंगी।

सिंधू को मिल सकती है बिंग जिओ की चुनौती

विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज सिंधू को महिला सिंगल्स के ग्रुप एम में एस्टोनिया की क्रिस्टिन कुउबा (विश्व रैंकिंग 75) और मालदीव की फातिमाथ नबाहा अब्दुल रज्जाक (विश्व रैंकिंग 111) के साथ रखा गया है। लगातार तीसरे ओलंपिक में पदक के लिए चुनौती देने की तैयारी कर रही सिंधू के सामने प्री क्वार्टर फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त हे बिंग जिओ की चुनौती हो सकती है।

प्रणय को मिली 13वीं वरीयता

ओलंपिक में पदार्पण कर रहे प्रणय को 13वीं वरीयता मिली है। उन्हें पुरुष सिंगल्स के ग्रुप के में वियतनाम के ले डक फाट (विश्व रैंकिंग 70) और जर्मनी के फैबियन रोथ (विश्व रैंकिंग 82) के साथ जगह मिली है। विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर काबिज लक्ष्य सेन को ग्रुप एल में शामिल किया गया है। गैर वरीय लक्ष्य के ग्रुप में तीसरी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी के अलावा केविन कॉर्डन (विश्व रैंकिंग 41) और बेल्जियम के जूलियन कैरागी (विश्व रैंकिंग 52) हैं। प्रणय और लक्ष्य अगर अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहे तो प्री क्वार्टर फाइनल में एक-दूसरे का सामना करेंगे।

तनिषा-अश्विनी को मिला मुश्किल ग्रुप विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर काबिज तनिषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय जोड़ी को महिला डबल्स में मुश्किल ग्रुप सी में जगह मिली है। इस ग्रुप में विश्व रैंकिंग में चौथे नंबर पर मौजूद जापान की नामी मत्सुयामा और चिहारू शिदा की जोड़ी के अलावा टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया की किम सो येओंग और कोंग ही योंग (विश्व रैंकिंग सात) और ऑस्ट्रेलिया की सेत्याना मापासा और एंजेला यू (विश्व रैंकिंग 27) की जोड़ियां है।

पुरुष डबल्स के ड्रॉ की नहीं हुई घोषणा

सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष जोड़ी को पदक का दावेदार माना जा रहा है। इस जोड़ी को पुरुष डबल्स स्पर्धा में तीसरी वरीयता दी गई है। पेरिस ओलंपिक के लिए पुरुष डबल्स ड्रॉ को खेल पंचाट (सीएएस) की जोड़ियों की संख्या पर सुनवाई के कारण स्थगित कर दिया गया था। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने अभी तक ड्रॉ की तारीख की पुष्टि नहीं की है।

इस कंपनी में कुत्ते करते हैं स्वागत

चंडीगढ़ मनीमाजरा स्थित क्यू ब्लॉक्स टेक्नोलॉजी प्रा लि एक ऐसी कम्पनी है, जहां आने-जाने वालों का स्वागत कुत्ते करते हैं। आपको सुनकर थोड़ा अजीब लगेगा लेकिन यह सच है। दफ्तर में अच्छा माहौल और तनावग्रसत को दूर करने के लिए इस कम्पनी ने 2 पालतू कुत्तों कार्लोस और चतुर का सहारा लिया है। ये कंपनी भी गूगल के नक्शेकदम पर चल पड़ी है। और अपने कर्मचारियों को कई तरह की सहूलियतें भी दे रही हैं। मनीमाजरा स्थित इस कम्पनी में कार्लोस और चतुर नाम के ये दोंनो डॉग दफ्तर में घूमते रहते है और अन्दर आने-जाने वालों का स्वागत करते है। चतुर नाम का यह डॉग एक-एक कर सभी कर्मचारियों से मिलता है। जबकि कार्लोस नाम का यह डॉग दफ्तर के केबिन के पास बनी सीट पर बैठा रहता है। इस आफिस में दिन की शुरूआत इन दोनों डॉग से होती है कई कर्मचारी तो इनको अपनी गोद में बिठाने के लिए उतावले रहते है। इस कम्पनी में मिलने वाली सुविधाओं के कर्मचारी कायल हैं कर्मचारियों को घर जैसा खाना मुहैया करवाया जाता है। कम्पनी में स्त्रूकर, टेबल टेनिस भी है। काम से जब मर्जी ब्रेक लेकर इन सुविधाओं का मजा लिया जाता है।

लैवेंडर तेल और बर्न्स के क्या फायदे हैं?

लैवेंडर तेल के उपयोग करने का मुख्य लाभ, प्राकृतिक रूप से त्वचा के जलने का उपचार है। हालांकि बाजार में कई तरह की बर्न क्रीम मिलती हैं, लेकिन उनमें से ज्यादातर में हानिकारक केमिकल मौजूद होते हैं। अगर आप अपने स्वास्थ्य और भलाई की परवाह करते हैं तो आवश्यक तेल जैसे लैवेंडर त्वचा के जलने के उपचार के लिए एक बढ़िया घरेलू उपाय हो सकता है।

स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भरपूर है तुलसी

तुलसी में कई औषधीय गुण होते हैं। हृदय रोग हो या सर्दी जुकाम, भारत में सदियों से तुलसी का इस्तेमाल होता चला आ रहा है। और क्या-क्या हैं तुलसी की खूबियां, आइये इस पर एक नजर डालते हैं।

सर्दी जुकाम में लाभप्रद: सर्दी जुकाम होने पर तुलसी की पत्तियों को चाय में उबालकर पीने से राहत मिलती है। तुलसी का अर्क तेज बुखार को कम करने में भी कारगर साबित होता है। करीब सभी कफ सीरप को बनाने में तुलसी का इस्तेमाल किया जाता है। तुलसी की पत्तियां कफ साफ करने में मदद करती हैं। तुलसी के कोमल पत्तों को चबाने से खांसी और नजले से राहत मिलती है।

गले की खराश: तुलसी की पत्तियों को उबालकर पीने से गले की खराश दूर हो जाती है। इस पानी को आप गरारा करने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चों में बुखार, खांसी और उल्टी जैसी सामान्य समस्याओं में तुलसी बहुत फायदेमंद है।

श्वांस की समस्या: श्वांस संबंधी समस्याओं का उपचार करने में तुलसी बहुत उपयोगी साबित होती है। शहद, अदरक और तुलसी को मिलाकर बनाया गया काढ़ा पीने से ब्रोंकाइटिस, दमा, कफ और सर्दी में राहत मिलती है। नमक, लौंग और तुलसी के पत्तों से बनाया गया काढ़ा इंफ्लुएंजा (एक तरह का बुखार) में फौरन राहत देता है।

गुर्दे की पथरी: तुलसी गुर्दे को मजबूत बनाती है। यदि किसी के गुर्दे में पथरी हो गई हो तो उसे शहद में मिलाकर तुलसी के अर्क का नियमित सेवन करना चाहिए। छह महीने में फर्क दिखेगा।

हृदय रोग: तुलसी खून में कोलेस्ट्राल के स्तर को घटाती है। ऐसे में हृदय रोगियों के लिए यह खासी कारगर साबित होती है।

तनाव: तुलसी की पत्तियों में तनाव रोधीगुण भी पाए जाते हैं। हाल में हुए शोधों से पता चला है कि तुलसी तनाव से बचाती है। तनाव को खुद से दूर रखने के लिए कोई भी व्यक्ति तुलसी के 12 पत्तों का रोज दो बार सेवन कर सकता है।

संक्रमण और त्वचा रोग: अल्सर और मुंह के अन्य संक्रमण में तुलसी की पत्तियां फायदेमंद साबित होती हैं। रोजाना तुलसी की कुछ पत्तियों को चबाने से मुंह का संक्रमण दूर हो जाता है। दाद, खुजली और त्वचा की अन्य समस्याओं में तुलसी के अर्क को प्रभावित जगह पर लगाने से कुछ ही दिनों में रोग दूर हो जाता है। नैचुरोपैथों द्वारा ल्यूकोडर्मा का इलाज करने में तुलसी के पत्तों को सफलता पूर्वक इस्तेमाल किया गया है।

सांसों की दुर्गंध

तुलसी की सूखी पत्तियों को सरसों के तेल में मिलाकर दांत साफ करने से सांसों की दुर्गंध चली जाती है। पायरिया जैसी समस्या में भी यह खासा कारगर साबित होती है। सिर के दर्द में तुलसी एक बढ़िया दवा के तौर पर काम करती है। तुलसी का काढ़ा पीने से सिर के दर्द में आराम मिलता है। आंखों की जलन में तुलसी का अर्क बहुत कारगर साबित होता है। रात में रोजाना श्यामा तुलसी के अर्क को दो बूंद आंखों में डालना चाहिए।

शिशु को कब देना चाहिए सॉलिड आहार

सामान्यतः शिशु को 6 माह के बाद ही सोलिड यानी ठोस आहार देना चाहिए। इसके साथ ही कुछ बातों का ख्याल भी रखना आवश्यक है मसलन शिशु को खिलाते वक्त उसकी शारीरिक स्थिति कैसी हो। ध्यान रखें कि खाते वक्त शिशु का पोस्चर बहुत मायने रखता है। सुलाकर कतई न खिलाएं। ऐसे में उसके गले में खाने का ग्रास फंस सकता है। उसे परेशानी भी हो सकती है। जब भी उसके मुंह में खाने का निवाला दें तो उसके सिर को पीछे की ओर झुकाएं ताकि उसे निगलते हुए परेशानी न हो।

ठोस आहार के साथ मां का दूध

यह भी एक सवाल होता है कि जब शिशु को ठोस आहार दिया जाए तो क्या उसे मां का दूध पिलाना सुरक्षित है? जी, बिल्कुल सुरक्षित है। जरूरी नहीं है कि शिशु को ठोस आहार देना शुरु कर दिया है तो उसे अपना दूध न पिलाएं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि कब अपना दूध और कब ठोस आहार देना आवश्यक है। इस संबंध में विशेषज्ञों की सलाह लें।

कब-कब दें ठोस आहार

6 माह के शिशु को उठते ही ठोस आहार न दें। उनके लिए चाहिए कि उनके खानपान की शुरुआत मां अपने दूध से करें। लेकिन यही नियम 9 माह के शिशु के लिए लागू नहीं होता। उन्हें सुबह उठते ही दलिया, खिचड़ी आदि कोई भी ठोस आहार दे सकते हैं। इससे उन्हें आवश्यक पौष्टिक तत्व मिलते हैं जो उन्हें बढ़ने में मदद करता है। 9 माह के शिशु को दो से ढाई घंटे के बीच बीच में कुछ ठोस आहार देते रहें। जबकि 6 माह के शिशु को चूंकि मां का दूध भी चाहिए होता है तो उन्हें दोपहर, रात और सुबह ठोस आहार दिया जा सकता है।

खिलाते वक्त रखें ध्यान

शिशु को खिलाते वक्त ध्यान रखें कि न सिर्फ आपके हाथ धुले हुए हों बल्कि शिशु के भी हाथ धुले हों। दरअसल मुंह में ठोस पदार्थ जाते ही शिशु उन्हें अपने हाथ से छूकर देखता है, उन्हें मुंह से निकालता है। यहां तक कि नीचे गिरे दाने भी वह उठा उठाकर खाने की कोशिश करता है। ऐसे में उसके हाथ धुले होना आवश्यक है। इसके अलावा यह भी ध्यान रखें कि शिशु के खाने के दौरान टीवी, म्यूजिक आदि चीजें चल न रही हों। इससे शिशु का फोकस भटक सकता है। एक बात और जान लें कि शिशु

खाते वक्त अकसर मुंह घुमाता है, न खाने की चाह प्रकट करता है। इससे आप यह न समझ बैठें कि उसे नहीं खाना। प्रत्येक शिशु इस तरह करते हैं। अतः उन्हें कोशिशन खिलाएं।

शिशु को क्या दें

दाल: छोटे यानी 6 माह के शिशु के लिए दाल उपयुक्त आहार है। वास्तव में दाल में आयरन और कुछ अन्य तत्व होते हैं जो कि 6 माह के शिशु को जरूरी आवश्यक तत्व के लिए पर्याप्त है। ध्यान रखें कि छूटते ही उसे थक्के वाली दाल न खिलाएं। कुछ समय पतली दाल खिलाएं ताकि उसे निगलने की प्रैक्टिस हो जाए। इसके बाद थक्के वाली दाल खिलाई जा सकती है।

दलिया/खिचड़ी: 9 माह के शिशु को सिर्फ दाल न दें। उन्हें विकास के लिए कुछ अन्य तत्व की भी जरूरत है। अतः खिचड़ी या दलिया दें। लेकिन जरूरी यह है कि दलिया या खिचड़ी में तमाम किस्म की सब्जियां दें। विशेषज्ञों के मुताबिक दलिया जितने रंगों से भरी होगी अर्थात जितनी ज्यादा उसमें सब्जियां होंगी, वह उतनी ही असरकारक और स्वास्थ्यकर होगी। अतः दलिया या खिचड़ी में विभिन्न किस्म की सब्जियां अवश्य डालें। इसके अलावा उन्हें फल भी जरूर दें। फल उन्हें भीतरी रूप से ठोस बनाता है।

सब्जियां: दलिया के अलावा आप चाहें तो उन्हें मैश की हुई सब्जियां भी दे सकते हैं। सब्जियों को उबाल लें। इसके बाद उसमें मक्खन और हल्का सा नमक लगाकर शिशु को खिलाएं। शिशु को चावल भी खिलाए जा सकते हैं। चावल के साथ दाल या सब्जी बेहतरीन विकल्प है।

क्या नहीं देना चाहिए

जितना जरूरी यह जानना है कि शिशु को क्या दिया जाना चाहिए, उतना ही जरूरी यह जानना भी है कि शिशु को क्या नहीं दिया जाना चाहिए। शिशु को शहद, नींबू, संतरा, नट्स, पीनट बटर, किशमिश, बेर, सूखे बेर आदि न दें। इसके अलावा उनके हाथ में कोई भी बीज वाले फल न दें क्योंकि इससे उनके गले में बीज के अटकने का खतरा बना रहता है। यही नहीं उन्हें बहुत सूखी चीजें भी न खिलाएं जो उनके गले में फंस सकता है। अगर देते भी हैं तो साथ साथ पानी अवश्य पिलाएं।

अस्थमा में मददगार है पासासन

योग रखे निरोग, यह कहावत ही नहीं बल्कि हकीकत भी है। योग के जरिए सामान्य और खतरनाक बीमारियों पर न केवल काबू पाया जा सकता है बल्कि इनके नियमित अभ्यास से उनका उपचार भी किया जा सकता है। अस्थमा सांस संबंधी बीमारी है, जिसके उपचार में पासासन बहुत ही प्रभावी और कारगर है। इस लेख में जानते हैं, पासासन करने की विधि और यह किस तरह से अस्थमा के उपचार में कारगर है।

क्यों होता है अस्थमा

अस्थमा यानी दमा, यह सांसों की बीमारी है जिसका शिकार कोई भी हो सकता है, चाहे वह बच्चा हो या बूढ़ा। इस बीमारी के लिए जिम्मेदार कई कारण हैं, मौसम में बदलाव, प्रदूषण का बढ़ना, आनुवांशिक, आदि। इस बीमारी में म्यूकस के कारण फेफड़े काम करना तक बंद कर देते हैं। एक बार यह बीमारी किसी को हो गई तो उसका संपूर्ण उपचार नहीं हो सकता है। हालांकि इससे बचाव के तरीकों को आजमाकर इसे बढ़ने से रोका जा सकता है।

पासासन से अस्थमा का उपचार

वर्तमान में अस्थमा के उपचार के लिए बाजार में कई तरह की दवाएं मौजूद हैं। अगर लंबे समय तक इन उपचारों के प्रयोग के बारे में देखा जाये तो इनसे अस्थमा को काबू में लाया तो जा सकता है, लेकिन इनके अधिक प्रयोग से दूसरी स्वास्थ्य समस्यायें भी होने लगती हैं। ऐसे में योगासन सुरक्षित और बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। पासासन ऐसा ही योग का आसन है जिससे अस्थमा का उपचार अधिक प्रभावी तरीके से किया जा सकता है। 'पास' एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है बंधन।

पासासन करने की विधि

इस आसन को करने के लिए ताड़ासन की मुद्रा में सीधे खड़े हो जाएं। फिर घुटनों को स्क्वैट करने की स्थिति में झुकाएं। इस दौरान तलवों को जमीन पर स्थिर रखें और घुटनों को मोड़कर बैठ जाएं। फिर शरीर के ऊपरी हिस्से को दाईं तरफ मोड़ें, शरीर का ऊपरी हिस्सा दाहिने घुटनों तक लाने का प्रयास कीजिए। अपने हाथों और हथेलियों को भी मोड़ लीजिए। फिर पीठ की तरफ से हाथों को ले जाकर एक हाथ से दूसरे हाथ को कसकर पकड़ लीजिए। फिर अपने सिर को ऊपर की तरफ ले जाकर लंबी सांस लें। लंबी सांसें 4-5 बार लें। फिर आराम से सामान्य स्थिति में आएं। फिर शरीर के दूसरे तरफ से इस क्रिया को दोहराएं।

पासासन के दूसरे लाभ

पासासन ऐसा योगासन है जो अस्थमा के साथ दूसरी बीमारियों को भी दूर करता है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर को फिट रखा जा सकता है। मासिकधर्म, साइटिका, हल्का पीठ दर्द, कंधे का दर्द या फिर गर्दन के दर्द को ठीक करने में पासासन काफी अच्छा माना जाता है। यह पोज थोड़ा टेढ़ा-मेढ़ा जरुर है लेकिन लगातार अभ्यास करने से यह आसान हो जाता है। इस आसन से पीठ, कमर और एड़ियों की मसापेशियों में खिंचाव होता है। इससे पेट की समस्याएं भी ठीक हो जाती हैं।

बाईपास सर्जरी के बाद कैसा हो मरीज का जीवन

दिल के रोगियों को कई बार एक बार बाईपास सर्जरी के बाद दोबारा सर्जरी कराने की जरूरत पड़ती है। ऐसा अक्सर सर्जरी के बाद सावधानी न लेने के परिणामस्वरूप होता है। बाईपास सर्जरी में हृदय की धमनी में आए ब्लॉकेज को निकाला नहीं जाता, बल्कि हृदय को ब्लड पहुंचाने की व्यवस्था की जाती है। बाईपास सर्जरी के बाद दवाएं लेने से ब्लॉकिंग की प्रक्रिया धीमी हो जाती है, लेकिन रूकती नहीं है। बाईपास सर्जरी एक निश्चित समय तक ही काम आती है। और अगर बाईपास सर्जरी के बाद सावधानी के अभाव में हृदय की धमनी का ब्लॉकिंग और भी बढ़ जाती है तो दोबारा बाईपास की जरूरत पड़ती है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए जोखिम कारकों को काबू में रखना जरूरी होता है। वजन, ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल आदि को नियंत्रित कर इस स्थिति को टाला जा सकता है।

बाईपास सर्जरी के बाद देखभाल

- अगर वजन ज्यादा है तो उसे कम करने की कोशिश करें। रोजाना कम से कम 4 किमी टहलें।
- अगर डायबिटीज की समस्या है तो शुगर को नियंत्रित में रखने की कोशिश करें।
- ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखें, अधिक वसा युक्त चीजों से बचें और कोलेस्ट्रॉल को काबू में रखें।

HEALTH | प्रतिस्पर्धा भरी दुनिया में अस्वस्थ होने का जोखिम

ये तनाव कहीं ले न ले आपकी जान

बदलाव के प्रति होने वाली एक भावनात्मक और शारीरिक प्रतिक्रिया है तनाव। हर किसी को तनाव होता है। तनाव सकारात्मक और आपको ऊर्जा देने वाला भी हो सकता है या अस्वास्थ्यकर और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा करने वाला भी। हो सकता है कि कम समय-अंतरालों तक रहने वाला तनाव आपको प्रभावित न करे, लेकिन लंबे समय तक बना रहने वाला तनाव आप पर प्रभाव डाल सकता है या हृदय रोग, हृदयाघात, उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, आंतों में गड़बड़ी, दमा या गठिया जैसी कुछ बीमारियों को और अधिक बिगाड़ सकता है।

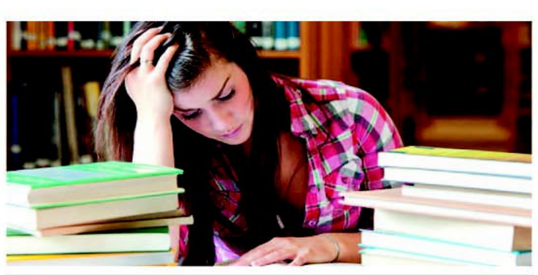

टेंशन के कई कारण...

प्रत्येक व्यक्ति के लिए तनाव के अलग-अलग कारण होते हैं। तनाव के कुछ सामान्य कारणों में परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु, बीमारी, अपने परिवार की देखरेख करना, रिश्तों में बदलाव आना, काम, नौकरी बदलना, जगह बदलना और पैसा हो सकते हैं। यहां तक कि देर तक इंतजार करना, विलंब हो जाना या भारी ट्रैफिक होना जैसी छोटी-छोटी चीजें भी तनाव का कारण हो सकती हैं।

काउंसलर की लें मदद

यदि आपको आवश्यकता हो तो किसी चिकित्सक से मदद प्राप्त करें। तनाव का सामना करने और समस्याओं से निपटने में काउंसलर आपकी मदद कर सकता है। उदासी के एहसास, घबराहट या सोने की समस्या दूर करने में सहायता के लिए आपका डाक्टर आपको दवाइयां लिखकर दे सकता है। कर्म पर ध्यान दें, परिणाम स्वतः ही उपयुक्त होगा। परिणाम चिंता का कारण है। अपने को श्रेष्ठ बनाएं। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रखें। दूसरों की तरह करने का प्रयत्न न करें। 'उसकी साड़ी मेरी साड़ी से सफेद कैसे' के चक्कर में न पड़ें। थोड़ा बहुत तनाव अच्छा है, इसको हम स्ट्रेस कहते हैं। इसके चलते हम प्रगति करते हैं।

इस तरह करें सामना...

तनाव के लक्षणों पर ध्यान न दें। जब ये प्रकट हों तो इसके कारण से बचने या इनके प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बदलने की कोशिश करें। कुछ ऐसा करें जो आपको तनावमुक्त करे, जैसे-धीरे-धीरे और गहरी सांसें लेना, हाथ-पैर फैलाकर किए जाने वाले व्यायाम, योग, मालिश, ध्यान, संगीत सुनना, पढ़ना, गुनगुने पानी से स्नान करना या शॉवर लेना। कोई शौक पालें या कुछ ऐसा करें, जिसमें आपको आनंद आता है। जिन चीजों को आप नहीं बदल सकते, उन्हें स्वीकार करना सीखें। सकारात्मक सोच रखें। सीमा तय करें। 'नहीं' कहना सीखें। एक समय पर एक काम करें। हर रात 8 घंटे की नींद लें।

रेसिपी

आटे की रस मलाई

सामग्री

250 ग्राम आटा,1 बड़ा चम्मच घी, 50 ग्राम पिसी शक्कर, 1 छोटा चम्मच इलायची पावडर, 1 छोटी कटोरी बारीक कटी मेवा, 2 लीटर फूल क्रीम दूध, 2 टेबल स्पून शक्कर, केसर के धागे, 1 चम्मच बादाम पिस्ता कतरन, बादाम 8-10

विधि

आटे को घी में गुलाबी होने तक भूनें। उसके बाद उसमें शक्कर और 1 गिलास पानी डालकर गाढ़ा हलवा तैयार करें। दूध को शक्कर और केसर के धागे डालकर आधा रहने तक उबालें। इसे ठंडा होने दें। एक बड़ा चम्मच हलवा लेकर हथेली पर फैलाएं और इसके अंदर एक चम्मच मेवा रखकर चारों ओर से बंद करके हाथ से हल्का-सा चपटा करें। गरम तवे पर एक चम्मच घी लगाकर दोनों ओर सुनहरा होने तक सेकें। इन्हें गरम-गरम ही तैयार रबड़ी में डालें। ऊपर से पिस्ता कतरन और बादाम से सजाकर सर्व करें। रसमलाई के दूध में अपनी पसंद के अनुसार मेवा कम या ज्यादा कर सकते हैं। यानि जो मेवा आपको पसंद हो उसे डाल दीजिए और जो ना पसंद हो उसे हटा दीजिए।

पोटैटो स्टू

सामग्री

2 आलू छीलकर काट लें, 2 गाजर छीलकर काट लें, एक कप मटर, 10 फ्रेंच बींस, कटी हुई एक प्याज, लहसुन की 4 कलियां, अदरक का एक इंच बड़ा टुकड़ा, 3 हरी मिर्च, एक टुकड़ा दालचीनी, 4 लौंग, एक चम्मच काली मिर्च, 4 इलायची, 2 कप नारियल का पतला दूध, एक कप नारियल का गाढ़ा दूध, 8 करी पत्ते, स्वादानुसार चीनीस्वादानुसार नमक,

विधि

स्टू बनाने के लिए लहसुन और अदरक को पीस लें। अब एक बर्तन में तेल गर्म करें। फिर इसमें करी पत्ते, दालचीनी, लौंग, इलायची और काली मिर्च डालकर मध्यम आंच पर फ्राई करें। जब तेल से खड़े मसालों की खशबू आने लगे तो इसमें अदरक, लहसुन, हरी मिर्च और प्याज डालकर फ्राई करें। प्याज सुनहरा हो जाए तो पैन में आलू, गाजर, मटर और फ्रेंच बींस डालकर चलाएं। इसके बाद सब्जियों में नारियल का पतला दूध, चीनी और नमक डालकर मिलाएं और पैन को ढक दें। अब धीमी आंच पर सब्जियों को नर्म होने तक पकाएं। जब सब्जियां पक जाएं तो पैन से ढक्कन हटाकर इसमें नारियल का गाढ़ा दूध डालें। इसके बाद मध्यम आंच पर सब्जी को एक मिनट पकाकर गैस बंद कर दें। केरल की स्पेशल वेजिटेबल स्टू तैयार है। इसे रोटी या चावल के साथ सर्व करें।

ये कॅरियर आपको जल्द बनाएंगे अमीर

हर इंसान अमीर बनने के ख्वाब देखता है। कॉलेज खत्म होने के बाद हम सबके सामने कॅरियर को चुनने का विकल्प होता है। हम उसी कॅरियर को चुनना चाहते हैं, जिसमें हम ज्यादा से ज्यादा पैसा कमा सकें और अपनी लाइफ को सही मायने में सैटल कर सकें। इस सबके लिए जरूरी है कि हम ऐसे कॅरियर का चुनाव करें जो हमें बहुत दूर तक ले जाएं। इसी से संबंधित हम आज आपको बताने जा रहे हैं कुछ ऐसे कॅरियर विकल्पों के बारे में जो आपके गोल को सही तरीके से चुनने में आपकी मदद करेंगे।

कोडिंग-डिकोडिंग दिमाग की उपज

आज के जमाने में कोडिंग-डिकोडिंग, प्रोग्रामिंग, डिजाइनिंग सब सॉफ्टवेयर क्रिएटर की दिमाग की उपज हैं, जो आज हम रोजमर्रा के लिए फेसबुक व अन्य वेबसाइट के माध्यम से इस्तेमाल करते हैं। इस जॉब के लिए आप में मैनेजमेंट स्किल के साथ इंट्रापर्सनल स्किल का होना भी जरूरी है।

बनें सॉफ्टवेयर क्रिएटर

सॉफ्टवेयर क्रिएटर सॉफ्टवेयर प्रोडक्टस को डेवेलप करता है। अगर आप टेक्नोलॉजी में रुचि रखते हैं और नए-नए आइडिया सोचने में महारत हासिल रखते हैं तो यह जॉब आपके लिए है। मार्केट में हमेशा नए व हाई लेवल सॉफ्टवेयर की जरूरत रहती है। ऐसे में आपको अच्छी सैलरी पर जॉब मिल जाएगी। इस प्रोफेशन में आपके दिमाग का नए आइडिया के सोचने के लिए तेज होना जरूरी है साथ में आपके पास इंजीनियरिंग की डिग्री भी होनी चाहिए।

सबक लेकर पाएं तरक्की की राह

हर वर्ष कोई न कोई सीख दे जाता है। वर्ष 2014 ने भी ऐसी कई बातें सिखाई हैं, जिनसे सबक लेकर वर्ष 2015 में आप तरक्की की राह पकड़ सकते हैं। अधिकतर बिजनेस प्रतिभाओं की कमी से जूझ रहे हैं, जिससे जूनियर लीडर्स को अधिक मौके मिल रहे हैं। यह रुझान अगले 4-5 साल कायम रहेगा। यानि इस साल भी अधिक जवान लोगों को तरक्की मिलेगी। इस मौके का लाभ लें। इस वर्ष कैंपस में मिलने वाले इंटर्नशिप के मौके 20 प्रतिशत बढ़ गए। यह रुझान भी जारी रहेगा। यदि आप छात्र हैं तो इस मौके का फायदा उठाएं। कई कंपनियों में जवान लोगों के लीडरशिप संभालने के बीच रिटायर हो रहे कर्मचारियों की सेवाएं जारी रखने के लिए भी कंपनियां कई प्रस्ताव दे रही हैं। यदि आप रिटायर हो रहे हैं तो पार्टटाइम काम करने का ऑफर भी हासिल कर सकते हैं। पारम्परिक नौकरी का ढंग तथा रिपोर्टिंग स्ट्रक्चर में बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में लोगों से मेल-मिलाप के कौशल को सुधारिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**